दैनिक नर्मदापुरम् जिले का प्रथम दैनिक K&K RNI No.61546/95

क्षितिज किरण

त्वदीय पाद पंकजम् नमामि देवी नर्मदे | नर्मदापुरम् संभाग सीहोर जिले एवं जबलपुर से एक साथ प्रकाशित एकमात्र समाचार-पत्र

प्रेरणापुंज -विचित्र कुमार सिन्हा वर्ष-32 अंक-136 नर्मदापुरम (होशंगाबाद) मंगलवार 07 जुलाई 2026 पृष्ठ-8 मूल्य -1 रूपये सम्पादक- कृष्णाकान्त सक्सेना

महाराष्ट्र में भारी बारिश से मुंबई-पुणे एक्सप्रेसवे बंद; ट्रेनें ठप, 10 की मौत

मुंबई,(आरएनएस)। महाराष्ट्र में मानसून की भारी बारिश ने मुंबई और पुणे के बीच आवागमन को लगभग ठप कर दिया है। यहां मुंबई-पुणे एक्सप्रेसवे पर रात से जारी मूसलाधार बारिश की वजह से भूस्खलन हो गया, जिससे नवनिर्मित मिसिंग लिंक की एक दीवार क्षतिग्रस्त हो गई और झरना बहने लगा। बारिश के कारण पुणे-मुंबई एक्सप्रेसवे और पुराने पुणे-मुंबई राजमार्ग पर सोमवार को आवागमन बंद है। रेल मार्ग भी बाधित है। एक हफ्ते में बारिश से मुंबई में 10 जान जा चुकी है। राज्य राजमार्ग पुलिस ने बताया कि भूस्खलन एक्सप्रेसवे के मिसिंग लिंक खंड के पुणे से मुंबई जाने वाले मार्ग पर स्थित खंडाला निकासी पर हुआ है। भूस्खलन से सुरक्षा दीवार क्षतिग्रस्त हो गई और पानी सुरंग में भर गया। राजमार्ग पर एक पेड़ गिरने से बिजली लाइन भी क्षतिग्रस्त हुई, जिससे मार्ग को बंद करना पड़ा। पुलिस ने पुणे-मुंबई और मुंबई-पुणे दोनों दिशाओं में यातायात अगली सूचना तक रोका है और नागरिकों से यात्रा रद्द करने की अपील की है।मध्य रेलवे के अधिकारियों ने बताया कि सोमवार तड़के लगभग 3.05 बजे, कर्जत-लोनावला भोर घाट खंड में ठाकुरवाड़ी के पास, खंडाला और मंकी हिल के बीच भूस्खलन हुआ है। रायगढ़ जिले में ठाकुरवाड़ी और मंकी हिल लूप केबिन के बीच भूस्खलन के कारण 16 ट्रेनें रद्द हैं और कई ट्रेनों का मार्ग बदला गया। रद्द की गई ट्रेनों में सीएसएमटी-पुणे इंद्रायणी एक्सप्रेस, पुणे-सीएसएमटी सिंहगढ़ एक्सप्रेस, इंटरसिटी एक्सप्रेस, डेक्कन एक्सप्रेस, डेक्कन क्वीन, प्रगति एक्सप्रेस और धुले एक्सप्रेस शामिल हैं।भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) ने सोमवार को बारिश की संभावना देखते हुए मुंबई के लिए ऑरेंज अलर्ट और पुणे के लिए रेड अलर्ट जारी किया है ।

बारिश के कारण 3 मंजिला चॉल ढही, 5 बच्चों समेत 6 की मौत

मुंबई,(आरएनएस)। महाराष्ट्र की राजधानी मुंबई में भारी बारिश के कारण रविवार देर रात बड़ा हादसा हो गया। मानखुर्द इलाके में एक 3 मंजिला चॉल ढह गई, जिसमें 6 लोगों की मौत हुई है। हादसा मानखुर्द के हनुमान मंदिर के पीछे जनता नगर की चॉल नंबर 5 में हुआ है। घटना की सूचना पर बचाव कर्मी और पुलिस की टीम पहुंच गई। कई लोगों को मलबे से बाहर निकाला गया है। मृतकों में 5 बच्चे शामिल हैं। पुलिस ने बताया कि मृतकों की पहचान आलिया (7), मुस्कान (14), निहाल (6), नबिया (2), सोनी (32) और मुनाफ (7) के रूप में हुई है। करीब 2 लोग घायल हैं। मुंबई की मेयर रितु तावड़े ने घटना पर कहा कि अनधिकृत निर्माणों में रहने वाले लोग इसके लिए जिम्मेदार हैं, क्योंकि नोटिस मिलने के बावजूद वे ऐसे ढांचों में रहना जारी रखते हैं और बार-बार उनका पुनर्निर्माण करते हैं। जो चॉल गिरी है, वह जर्जर बताई जा रही है।

मणिपुर के कांगपोकपी में सशस्त्र समूहों की गोलीबारी में मां-बेटी घायल, 3 घरों में आग लगाई

इंफाल(आरएनएस)। मणिपुर में रविवार को एक बार फिर हिंसा फैलाने की कोशिश की गई। यहां कांगपोकपी जिले के थिंगखोंगजांग गांव में अज्ञात हथियारबंद बदमाशों ने गोलीबारी की, जिसमें 2 लोग घायल हो गए।रिपोर्ट के मुताबिक, घायलों की पहचान नेन्गनेइचोंग किपगेन (56) और उनकी बेटी लामनेइंगा किपगेन (8), के रूप में हुई है। उनकी जांघों में गोली लगी है। दोनों को इम्फाल में भर्ती कराया गया है। इलाके में तनाव व्याप्त है।थिंगखोंगजांग गांव में हुई गोलीबारी के बाद इलाके में हड़कंप मच गया और लोगों ने विरोध-प्रदर्शन किया। इसी बीच, पास के सेत्जांग गांव में कम से कम 3 घरों में आग लगा दी गई। आग में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। घटना को लेकर कुकी समुदाय का नेतृत्व करने वाली संस्था कुकी इनपी मणिपुर (केआईएम) ने निंदा की है और इसके लिए एनएससीएन -मुइवा और उसके कथित प्रॉक्सी गुट, जुफ-कामसन के सशस्त्र कैडरों को जिम्मेदार बताया है।

मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने भोपाल में मुख्यमंत्री आवास पर केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण और ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान से मुलाकात की।

राम मंदिर चोरीः चंपत राय और अनिल मिश्रा का इस्तीफा मंजूर, कृष्ण मोहन कार्यवाहक महासचिव नियुक्त

अयोध्या (ए.)। राम मंदिर में चढ़ावे की चोरी और वित्तीय अनियमितताओं के आरोपों के बाद श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट की हुई पहली महत्वपूर्ण बैठक में बड़े फैसले हुए हैं। ट्रस्ट ने महासचिव चंपत राय और ट्रस्टी अनिल मिश्रा के इस्तीफे स्वीकार किए हैं। बैठक में तय हुआ कि सेवानिवृत्त आईएफएस अधिकारी कृष्ण मोहन को चंपत राय की अनुपस्थिति में कार्यवाहक महासचिव का पदभार सौंपा जाएगा। ट्रस्ट ने चढ़ावा चोरी की घटना पर गहरी शर्मिंदगी और दुख व्यक्त किया है। राम मंदिर ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष गोविंद देव गिरी ने बैठक के बाद बताया कि चंपत राय ने अपनी नैतिक जिम्मेदारी स्वीकार कर कहा कि जब तक चढ़ावा चोरी के अपराधी पकड़े नहीं जाते, तब तक उनका पद पर बने रहना उचित नहीं है। गोविंद देव गिरी ने इस चोरी को लज्जाजनक घटना करार देकर कहा कि ट्रस्ट के सभी सदस्य इससे आहत हैं। उन्होंने बताया कि ट्रस्टी के. पाराशरन ने स्पष्ट किया था कि ट्रस्ट के संविधान में त्यागपत्र मिलते ही उस स्वीकार करने का प्रावधान है, जिसके चलते इस्तीफों को तुरंत मंजूरी दी गई। सोमवार को करीब तीन घंटे तक चली इस असाधारण बैठक में अध्यक्ष महंत नृत्य गोपाल दास, निर्मोही अखाड़े के संत दिनेंद्र जी महाराज सहित कोरम पूरा रहा। ट्रस्टी के. परासरन ऑनलाइन माध्यम से बैठक में जुड़े। गोविंद देव गिरी ने कहा, रामलला के विशाल मंदिर के लिए लोगों ने अपने प्राणों और परिवार की परवाह नहीं की। ऐसी स्थिति में चढ़ावे की चोरी जैसी घटना समाज के लिए अत्यंत कष्टदायी और शर्मनाक है। यह बैठक पहले 11 जुलाई को होनी थी, लेकिन मौजूदा हालात के मद्देनजर 6 जुलाई को ही बुलाया गया था, जिसमें राम मंदिर के चढ़ावे में चोरी और वित्तीय अनियमितताओं के विभिन्न पहलुओं पर गंभीर चर्चा की गई। बैठक समाप्त होने के बाद अध्यक्ष महंत नृत्य गोपाल दास और अन्य ट्रस्ट सदस्य राम मंदिर परिसर से बाहर निकल आए, जिससे बैठक के महत्वपूर्ण निर्णयों की पुष्टि हुई। ट्रस्ट ने घटना से सबक लेकर भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए पुख्ता कदम उठाने का संकल्प लिया है।

गुजरात के भावनगर में शेरनी ने एक पशुपालक को दबोचा, जान बचाने को सहलाता रहा

भावनगर(आरएनएस)। गुजरात के भावनगर जिले से सोमवार को एक चौंकाने वाला वीडियो सामने आया है। यहां के पालीताना तालुक के गरजिया गांव में एक पशुपालक पर शेरनी ने हमला कर दिया। शेरनी ने करीब आधे घंटे तक पशुपालक कालूभाई बोगभाई परमार को अपने पैरों के नीचे दबोचे रखा। इस दौरान परमान झटपटाता रहा और जान बचाने के लिए शेरनी को भी सहलाता रहा। वीडियो में परमार और शेरनी दिख रहे हैं, जबकि लोगों की आवाज सुनाई दे रही है।

परमार ने बताया कि वह सुबह साढ़े 10 बजे अपनी गाय को चारा खिलाने जा रहे थे, तभी शेरनी ने उनके पीठ पर हमला कर गिरा दिया और हाथ को मुंह में पकड़ लिया।

सूत्रों ने परमार के हवाले से लिखा कि वह छूटने की कोशिश कर रहे थे और शेरनी को खरोंचा भी। इस बीच, शेरनी ने उनके पैर को काट लिया। उनका पालीताना अस्पताल में इलाज चल रहा है। वन विभाग घटना की जांच कर रहा है।

भावनगर गुजरात के गिर नेशनल पार्क के इलाके में है। यहां अक्सर घरों और खेतों के आसपास शेर देखने को मिल जाते हैं। यहां ऐसी घटनाएं पिछले कुछ दिनों से आम हो गई है। गरजिया गांव की सरपंच के पति सावजीभाई का कहना है कि शेर ने परमार पर हमला करने से पहले कुछ अन्य लोगों पर भी हमले की कोशिश की थी, लेकिन वे बच गए। गांव में दहशत का माहौल है।

मनाली में पैराग्लाइडर अनियंत्रित होने के बाद हाईवे पर गिरा, पायलट को मामूली चोटें आई

मनाली,(आरएनएस)। हिमाचल प्रदेश के मनाली में रविवार को बड़ा हादसा टल गया। यहां उड़ान के दौरान एक पैराग्लाइडर अनियंत्रित हो गया और सड़क के बीचो-बीच धड़ाम से गिर पड़ा। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल है, जिसमें एक व्यक्ति ऊंचाई से सड़क पर गिरता दिख रहा है। हालांकि, उसे हल्की चोट आई है। बता दें कि इससे पहले भी मनाली में बीच सड़क पर एक पर्यटक की आपातकालीन लैंडिंग हो चुकी है। स्थानीय अधिकारियों का कहना है कि अचानक मौसम में बदलाव और तेज हवाओं के कारण आपातकालीन लैंडिंग की गई है। हालांकि, इसकी जांच शुरू कर दी गई है। घटना रायसन के पास चंडीगढ़ -मंडी राजमार्ग पर उस समय हुई, जब कोई वाहन नहीं गुजर रहा था, वरना बड़ा हादसा हो सकता था। हालांकि, घटना के बाद कुछ समय के लिए यातायात बाधित हुआ। लोगों ने सवाल उठाया है कि मानसून में पैराग्लाइडिंग की अनुमति क्यों दी जा रही है?

लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी, राजस्थान में एमएसएमई, रेगुलेटरी चुनौतियों और रोज़गार से जुड़े मुद्दों पर छोटी बस और ट्रक बॉडी बनाने वालों के एक प्रतिनिधिमंडल से बातचीत करते हुए।

एलओसी पर पाकिस्तानी ड्रोन की हलचल, राजौरी में सुरक्षाबलों का सर्च ऑपरेशन जारी

राजौरी, (आरएनएस)। जम्मू-कश्मीर के राजौरी जिले में नियंत्रण रेखा (LoC) से सटे एक सीमावर्ती गांव में सोमवार सुबह उस समय हड़कंप मच गया, जब देर रात आसमान में एक संदिग्ध पाकिस्तानी ड्रोन उड़ता हुआ देखा गया। इस घटना के बाद से ही पूरे इलाके में सुरक्षा एजेंसियां हाई अलर्ट पर हैं।देर रात आसमान में दिखी टिमटिमाती लाइटआधिकारिक सूत्रों के मुताबिक, यह घटना रविवार और सोमवार की दरम्यानी रात की है। सुंदरबनी सेक्टर के मीनका और बेरीपट्टन गांवों के ऊपर आसमान में एक टिमटिमाती हुई रोशनी दिखाई दी। ग्रामीणों और ड्यूटी पर तैनात जवानों ने जब गौर से देखा, तो वह एक ड्रोन जैसी उड़ती हुई चीज थी, जिससे सीमा पर तुरंत तनाव बढ़ गया।

बाबा बर्फानी के भक्तों के लिए चिंताजनक खबर, 7 फीट से पिघलकर सिर्फ 1 फीट रह गया शिवलिंग

श्रीनगर (आरएनएस)। पवित्र अमरनाथ यात्रा का आज चौथा दिन है और दर्शन करने वाले तीर्थयात्रियों की संख्या हर दिन नए रिकॉर्ड तोड़ रही है। देश के कोने-कोने से बाबा बर्फानी के दर्शन के लिए पहुंच रहे श्रद्धालुओं के इस भारी उत्साह के बीच एक चिंता बढ़ाने वाली खबर भी सामने आई है। बताया जा रहा है कि पवित्र गुफा में विराजमान हिमलिंग (शिवलिंग) तेजी से पिघल रहा है और अब इसका आकार घटकर मात्र 1 फीट रह गया है। 57 दिनों तक चलने वाली इस लंबी धार्मिक यात्रा के शुरुआती दिनों में ही शिवलिंग के इस तरह पिघलने से श्रद्धालुओं और प्रशासन की चिंताएं बढ़ गई हैं।

तेजी से पिघल रहा पवित्र हिमलिंग, कुछ ही दिनों में 7 फीट से 1 फीट पर आया आकार मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, तापमान में बदलाव और अन्य प्राकृतिक कारणों से पवित्र गुफा में बाबा बर्फानी का आकार तेजी से घट रहा है। आंकड़ों पर गौर करें तो 23 मई को शिवलिंग की ऊंचाई करीब 7 फीट देखी गई थी, जो 29 जून को यात्रा शुरू होने के आसपास घटकर 5 फीट पर आ गई थी।

हीरा कारोबारी नीरव मोदी को यूरोपीय मानवाधिकार कोर्ट से झटका, भारत प्रत्यर्पण की प्रक्रिया शुरू

नईदिल्ली (आरएनएस)। भगोड़े हीरा कारोबारी नीरव मोदी को भारत लाने का रास्ता आसान हो गया है। सोमवार को यूरोपीय मानवाधिकार कोर्ट (ईसीएचआर) ने उनको झटका देते हुए उनकी याचिका खारिज कर दी। मोदी ने अप्रैल 2026 में अपने प्रत्यर्पण को मानवाधिकार का उल्लंघन बताते हुए ईसीएचआर में याचिका दायर की थी। यह याचिका खारिज होने के बाद अब मोदी के अपील के लिए कोई विकल्प नहीं बचा है और अब जल्द ही उनको भारत भेजे जाने की प्रक्रिया शुरू हो सकती है। ब्रिटेन की हाई कोर्ट ने मोदी की तमाम याचिकाओं को अस्वीकार कर दिया था और उसके तत्काल प्रत्यर्पण के लिए दस्तावेजों को भारत को सौंपने का फैसला दिया था। तब हाई कोर्ट ने यह माना था कि जेल की स्थितियों और व्यवहार के संबंध में मोदी ने जो आपत्तियां उठाई हैं, उस पर भारत की ओर से दिए गए आश्वासन पर्याप्त थे। इसके बाद अप्रैल 2026 में मोदी ईसीएचआर के समक्ष पहुंचे थे। मोदी ने ईसीएचआर में दावा किया था कि भारत में प्रत्यर्पण के बाद उनको यातना और खराब जेल से स्वास्थ्य बिगड़ने का डर है। उन्होंने दावा किया कि अगर उन्हें भारत भेज दिया गया तो, उन पर पुलिस या जेल में यातना दी जाएगी। भारत की जेलों की स्थिति बहुत खराब है, जिससे उनके मानवाधिकार का उल्लंघन होगा।

गवाहों को प्रभावित करने के आरोप वाली याचिका पर आज सुनवाई करेगा सुप्रीम कोर्ट

-करूर भगदड़ मामला

नई दिल्ली, (आरएनएस)। सुप्रीम कोर्ट 7 जुलाई को उस अर्जी पर विचार करने के लिए सहमत हो गया, जिसमें पिछले साल करूर भगदड़ मामले में तमिलनाडु के मंत्रियों द्वारा गवाहों को सक्रिय रूप से प्रभावित करने का आरोप लगाया गया है।

द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (डीएमके) के संगठन सचिव आर एस भारती की ओर से सीनियर वकील हुजेफा अहमदी ने जस्टिस अहसानुद्दीन अमानुल्लाह और शील नागू की पार्शियल वर्किंग डे बेंच से मामले की तुरंत जांच करने का आग्रह किया. अहमदी ने कहा कि कोर्ट ने भगदड़ की सीबीआई जांच का निर्देश दिया था, जिसमें 41 लोगों की जान चली गई थी।

अहमदी ने कहा कि इस कोर्ट ने सीबीआई जांच का निर्देश दिया था और अब कुछ आरोपी जो मौजूदा सरकार में मंत्री हैं, गवाहों को सक्रिय रूप से प्रभावित करने की कोशिश कर रहे हैं. उन्होंने जोर देकर कहा कि उनके मुवक्किल ने एक अर्जी दी है।

बेंच मंगलवार को अर्जी पर सुनवाई के लिए सहमत हो गई. भारती ने करूर भगदड़ मामले में खुद को आरोपी बनाने के लिए सुप्रीम कोर्ट में अर्जी दी है.

उन्होंने तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय, मंत्री आधव अर्जुन और दूसरे आरोपियों को सीबीआई जांच पर सार्वजनिक तौर पर कोई टिप्पणी करने या जांच के दौरान पीड़ितों के परिवारों से बात करने से रोकने की मांग की है।

यह भगदड़ तमिलगा वेत्री कझगम (टीवीके) की तरफ से आयोजित एक रैली के दौरान हुई थी, जिसमें 41 लोगों की मौत हो गई थी और 142 लोग घायल हो गए थे. यह अर्जी उस स्पेशल लीव पिटीशन में दायर की गई है जिसमें सुप्रीम कोर्ट ने 13 अक्टूबर, 2025 को 27 सितंबर, 2025 को करूर भगदड़ की जांच सुप्रीम कोर्ट के पूर्व जज अजय रस्तोगी की अगुवाई वाली कमेटी की देखरेख में सीबीआई को ट्रांसफर कर दी थी.अर्जी में सुप्रीम कोर्ट से अपील की गई कि राज्य को पीड़ितों के परिवारों को अनुग्रह राशि, नौकरी और कल्याणकारी उपाय सिर्फ कोर्ट के तय सुरक्षा उपायों के साथ और सीबीआई के सामने प्लान रखने के बाद ही देने की इजाजत दी जाए, ताकि जांच की ईमानदारी और गवाहों के सबूत पर कोई असर न पड़े।

अर्जी में सुप्रीम कोर्ट से अपील की गई कि वह केंद्रीय जांच ब्यूरो को शिकायत दर्ज करने और थिरु आधव अर्जुन के 02 जुलाई 2026 को दिए गए सार्वजनिक बयानों के खिलाफ कार्रवाई करने का निर्देश दे, जिसमें गवाहों को प्रभावित करने, उनके साथ छेड़छाड़ करने और जांच में रुकावट डालने का आरोप लगाया गया था.अर्जी में कहा गया, इस अंतरिम आवेदन (इंटरलोक्यूटरी अर्जी) को मंजूरी दें और न्याय के हित में, आवेदक, द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (डीएमके) के संगठन सचिव, आर.एस. भारती को ऊपर दी गई स्पेशल लीव पिटीशन में पार्टी-प्रतिवादी के तौर पर शामिल करें।

दुर्लभ प्राचीन पांडुलिपियों को सहेजने और संरक्षित करने में मध्यप्रदेश देश में प्रथम

देश की प्राचीन मेधा को भावी पीढ़ी तक पहुँचाने का महायज्ञ- अपर मुख्य सचिव श्री शुक्ला ज्ञान भारतम् ऐप पर मध्यप्रदेश ने अपलोड की सबसे अधिक दुर्लभ पांडुलिपियाँ

भोपाल (आरएनएस)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सांस्कृतिक अभ्युदय के संकल्प को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के सशक्त नेतृत्व में साकार किया जा रहा है। मध्यप्रदेश की धरती ने भारत की प्राचीन ज्ञान-संपदा और सांस्कृतिक धरोहर को सहेजने के विषय में देश भर में एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है। भारत सरकार की डिजिटल पहल ज्ञान भारतम् ऐप के अनुसार, दुर्लभ प्राचीन पांडुलिपियों की सूचना दर्ज करने और उनके संरक्षण के मामले में मध्यप्रदेश पूरे देश में प्रथम स्थान पर आ गया है। यह सफलता राज्य की समृद्ध ऐतिहासिक और बौद्धिक विरासत को वैश्विक पटल पर पुन: स्थापित करने की दिशा में एक मील का पत्थर साबित हो रही है। अब तक उपलब्ध आधिकारिक जानकारी के अनुसार, ज्ञान भारतम् ऐप के माध्यम से 3 जुलाई 2026 को मध्यप्रदेश ने अब तक कुल 34 लाख 45 हजार 439 पांडुलिपियों पन्नों का पंजीकरण किया जा चुका है। 12 लाख 13 हजार 127 पांडुलिपियों का ज्ञान भारतम् द्वारा सफलतापूर्वक सत्यापन हुआ है शेष सत्यापन की प्रक्रिया में हैं, जिनका चरणबद्ध तरीके से परीक्षण एवं प्रमाणीकरण किया जा रहा है। अपर मुख्य सचिव संस्कृति, धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व तथा सामान्य प्रशासन शिव शेखर शुक्ला ने इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त करते हुए कहा है कि आज भी विश्वभर के मंदिरों, मठों, पुस्तकालयों और संग्रहालयों में संरक्षित भारतीय पाण्डुलिपियाँ हमारी समृद्ध ज्ञान परंपरा की अमूल्य धरोहर हैं। इनका संरक्षण, डिजिटलीकरण और पुनर्प्रसार भारत की प्राचीन ज्ञान-संपदा को नई पीढ़ी तक पहुंचाने का महत्वपूर्ण माध्यम बन रहा है। इसी के साथ भारत अपनी ज्ञान परंपरा को वैश्विक स्तर पर पुन: स्थापित करते हुए विश्व गुरु की अपनी गौरवशाली पहचान को सशक्त बना रहा है। मध्यप्रदेश के जिलों के उत्कृष्ट प्रयासों ने न केवल प्रदेश की समृद्ध ज्ञान परंपरा के संरक्षण को नई दिशा दी है, बल्कि भारत की प्राचीन सांस्कृतिक एवं बौद्धिक धरोहर को संरक्षित करने के राष्ट्रीय अभियान को भी मजबूती प्रदान की है।

प्रदेश में पांडुलिपियों के पंजीकरण के लिए विशेष अभियान

ज्ञान भारतम् अभियान के अंतर्गत पांडुलिपियों के पंजीकरण में मध्यप्रदेश के सभी जिलों में विशेष अभियान चलाया जा रहा है। 1 जुलाई तक के आकंड़ों के अनुसार इनमें भोपाल ने सबसे अधिक 24 लाख 26, हजार 172 पांडुलिपियों का पंजीकरण किया है। इसके बाद इंदौर में 3,99,477, रीवा में 2,68,763, बैतूल में 1,00,593 तथा छिंदवाड़ा में 77,094 पांडुलिपियां दर्ज की गईं। पन्ना से 64,257, सागर से 60,025, ग्वालियर से 29,870, उज्जैन से 20,995, रायसेन से 15,539, मंदसौर से 12,412, अनूपपुर से 11,829, नीमच से 8,950, मऊगंज से 8,406, खंडवा से 5,740, जबलपुर से 4,715, सतना से 4,061, नर्मदापुरम (होशंगाबाद) से 4,049, गुना से 3,937, उमरिया से 3,824, दतिया से 3,179, विदिशा से 2,745, सीधी से 2,497, अशोकनगर से 1,908, बालाघाट से 1,741, शहडोल से 1,397, टीकमगढ़ से 1,290, मंडला से 957, शिवपुरी से 943, धार से 870, भिंड से 800, रतलाम से 731, मुरैना से 655, शाजापुर से 638, बड़वानी से 614, सीहोर से 607, सिवनी से 564, छतरपुर से 381, देवास से 330, श्योपुर से 310, नरसिंहपुर से 254, राजगढ़ से 198, निवाड़ी से 177, खरगोन से 171, मैहर से 146, दमोह से 133, बुरहानपुर से 120, हरदा से 84, कटनी से 83, आगर मालवा से 57, सिंगरौली से 33, झाबुआ से 17, अलीराजपुर से 8, पांढुर्ना से 3 तथा डिंडोरी से 1 पांडुलिपि का पंजीकरण किया गया।

नशे से दूरी है ज़रूरी 2.0 के लिए पुलिस मुख्यालय में अंतर-विभागीय समन्वय बैठक आयोजित

भोपाल (आरएनएस)। मध्यप्रदेश पुलिस द्वारा 15 से 30 जुलाई तक संचालित किए जाने वाले राज्यव्यापीजनजागरूकता अभियान नशे से दूरी है ज़रूरी 2.0 को व्यापक एवं प्रभावी स्वरूप देने के उद्देश्य से पुलिस मुख्यालय में पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाणाकी अध्यक्षता में उच्चस्तरीय अंतर-विभागीय समन्वय बैठक आयोजित की गई। बैठक में अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक सामुदायिक पुलिसिंग डी.पी. गुप्ता, अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक नारकोटिक्स डी. श्रीनिवास वर्मा,खेल एवं युवा कल्याण विभागके संचालक(अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक) अंशुमान यादवपुलिस उप महानिरीक्षक (सामुदायिक पुलिसिंग) विनीत कपूर, पुलिस उप महानिरीक्षक (नारकोटिक्स) कुमार प्रतीक, स्टाफ आफीसर टू डीजीपी मलय जैनसहित अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने सहभागिता की।

बिजली कंपनी फैसलाः जिस ठेकेदार के नाम पर कार्य आदेश, वही करेगा काम

भोपाल (आरएनएस)। मध्यप्रदेश पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड ने लाइन एवं सबस्टेशन से जुड़े कार्यों में पारदर्शिता और गुणवत्ता बनाए रखने के लिए नए निर्देश जारी किए हैं। कंपनी ने स्पष्ट किया है कि जिस पैनलबद्ध (Empanelled) ठेकेदार के नाम पर कार्य आदेश (Purchase Order) जारी किया गया है, वही संबंधित कार्य करेगा। किसी भी स्थिति में वह कार्य किसी अन्य ठेकेदार, एजेंसी या व्यक्ति को नहीं सौंपा जा सकेगा। कंपनी के संज्ञान में आया था कि कुछ स्थानों पर कार्य आदेश एक ठेकेदार के नाम पर जारी होने के बावजूद काम किसी अन्य व्यक्ति या ठेकेदार से कराया जा रहा था। इसे कंपनी ने नियमों का गंभीर उल्लंघन माना है।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की उपस्थिति में कुवैत की अग्रणी मत्स्य कंपनी- ज़बेदी अल कुवैत फिशरीज कंपनी और कामदार्स केयर इंदौर के बीच, प्रदेश में 7430 करोड रुपए के निवेश और बाय बैक एग्रीमेंट पर हस्ताक्षर हुए।

विधानसभा उप चुनाव दतिया

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी संजीव कुमार झा ने मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ की बैठक

दतिया विधानसभा उप चुनाव के संबंध में मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों को दी जानकारी

भोपाल (आरएनएस)। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी मध्यप्रदेश संजीव कुमार झा ने सोमवार को निर्वाचन सदन भोपाल में मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक की। इस दौरान उन्होंने विधानसभा उपनिर्वाचन 22 दतिया के संबंध में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा दतिया विधानसभा उप निर्वाचन के संबंध में आयोग द्वारा अधिसूचना जारी कर दी गई है। 6 जुलाई को गजट नोटिफिकेशन जारी हो गया है। 13 जुलाई नाम निर्देशन पत्र जमा करने की अंतिम तिथि रहेगी। 14 जुलाई को नाम निर्देशन पत्रों की संवीक्षा की जाएगी। 16 जुलाई को नाम निर्देशन पत्र की वापसी की तारीख है। 30 जुलाई को मतदान और 3 अगस्त को मतगणना होगी। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री झा ने कहा कि विधानसभा निर्वाचन 22 दतिया में वर्तमान में 2 लाख 20 हजार 371 मतदाता हैं। इसमें पुरुष मतदाता 1 लाख 16 हजार 101, जबकि महिला मतदाताओं की संख्या 1 लाख 4 हजार 260 हैं। मतदान केंद्रों की संख्या 291 हैं।मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री झा ने बताया कि 2023 के विधानसभा चुनाव के दौरान 257 मतदान केंद्र थे। इस बीच विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के दौरान 34 नए मतदान केंद्र बनाएं गए हैं। इस तरह से कुल मतदान केंद्रों की संख्या 291 हैं। बैठक में उन्होंने मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों से कहा कि आदर्श आचार संहिता का पूरी तरह से पालन करें और नाम निर्देशन पत्र भरते समय अभ्यर्थियों पर दर्ज आपराधिक प्रकरण की जानकारी अनिवार्य रूप से दें।बैठक में संयुक्त मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी रामप्रताप सिंह जादौन, उप मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी संजय श्रीवास्तव, राजेश यादव सहित भारतीय जनता पार्टी और भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस पार्टी के प्रतिनिधि मौजूद रहे।

किसान खेतों में पर्याप्त नमी के बाद ही करें बोवाई, कृषि विभाग ने जारी की एडवायजरी

भोपाल, (ए.) । मध्य प्रदेश कृषि विभाग ने किसानों को मौसम की अनिश्चितता और कम वर्षा को देखते हुए खरीफ फसलों की बुआई में जल्दबाजी न करने की सलाह दी है। विभाग ने पर्याप्त नमी होने के बाद ही

बुआई करने तथा बीज उपचार, जल संरक्षण और अंतरवर्ती खेती जैसे उपाय अपनाने की अपील की है। जनसंपर्क अधिकारी अवनीश सोमकुंवर ने सोमवार को बताया कि कृषक कल्याण एवं कृषि विकास विभाग ने वैज्ञानिकों के परामर्श से किसानों को सलाह दी है। संचालक कृषि उमाशंकर भार्गव ने इस संबंध में मैदानी अमले को किसानों से सतत संपर्क करने के अधीनस्थ कार्यालयों को निर्देश जारी किए हैं। किसानों को जारी अपील में कहा गया है कि मौसम की अनिश्चितता के बारे में लगाए जा रहे अनुमानों के बाद भी किसान भाईयों को चिन्तित होने की आवश्यकता नहीं है। खरीफ की बुआई के लिए कुछ सावधानियां अपनाकर किसान उत्पादन में स्थिरता बनाए रख सकते हैं। कुछ जिलों में अल्प वर्षा को देखते हुए खरीफ फसलों की बोवाई में जल्दबाजी नहीं करनी चाहिए। जब तक खेतों में पर्याप्त नमी न हो जाए, तब तक बुआई करना जोखिम पूर्ण हो सकता है। दरअसल, सामान्य रूप से 4 इंच यानि लगभग 1 बालिश्त की गहराई तक नमी होने तथा बतर आने के बाद बोवाई की आदर्श स्थिति मानी जाती है।

वक्फ बोर्ड में गैर-मुस्लिम सदस्यों की नियुक्ति को लेकर मुस्लिम संगठन का प्रदर्शन, फैसला वापस लेने की मांग

भोपाल,(ए.) । मध्य प्रदेश वक्फ बोर्ड में पहली बार दो गैर-मुस्लिम (हिंदू) सदस्यों को शामिल किए जाने के खिलाफ सोमवार को राजधानी भोपाल के बुधवारा चौराहे पर ऑल इंडिया मुस्लिम त्योहार कमेटी ने सड़क पर उतरकर प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने सरकार से इस फैसले को वापस लेने की मांग की। ऑल इंडिया मुस्लिम त्योहार कमेटी के संरक्षक शमशुल हसन के नेतृत्व में बड़ी संख्या में प्रदर्शनकारी मुख्यमंत्री मोहन यादव के पोस्टर और बैनर लेकर बुधवारा चौराहे पर जमा हुए। प्रदर्शनकारियों ने वक्फ बोर्ड में तानाशाही और मनमानी नहीं चलेगी के नारे लगाते हुए इस फैसले को मुस्लिम समाज की धार्मिक भावनाओं से खिलवाड़ बताया। शमशुल हसन ने ऐतिहासिक व धार्मिक संस्थाओं का उदाहरण देते हुए कहा कि जिस तरह मुस्लिम समाज ने कभी अयोध्या के राम मंदिर, सोमनाथ या मथुरा की कृष्ण जन्मभूमि जैसी हिंदू धार्मिक संस्थाओं और कमेटियों के प्रबंधन में हिस्सेदारी या प्रतिनिधित्व की मांग नहीं की, ठीक उसी तरह वक्फ बोर्ड जैसी पूरी तरह से मुस्लिम धार्मिक व सामाजिक संस्था में गैर-मुस्लिमों की नियुक्ति का कोई औचित्य नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि नए वक्फ कानून-2026 के लागू होते ही सरकार ने बेहद जल्दबाजी में इस बोर्ड का गठन किया है। उनका तर्क था कि यदि बोर्ड में नए सदस्यों को लाना ही था, तो

मुस्लिम समाज के ही योग्य सेवानिवृत्त आईएएस, आईपीएस, डॉक्टरों या इंजीनियरों को शामिल किया जाना चाहिए था, न कि बाहरी लोगों को। संगठन ने चेतावनी दी है कि यदि सरकार इस आदेश को वापस नहीं लेती, तो पूरे प्रदेश में व्यापक आंदोलन छेड़ा जाएगा।दूसरी तरफ, मध्य प्रदेश सरकार ने इस ऐतिहासिक कदम का पूरी मजबूती से बचाव किया है। प्रदेश के कैबिनेट मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने मीडिया से चर्चा करते हुए स्पष्ट किया कि मध्य प्रदेश नए वक्फ कानून-2026 को पूरी तरह लागू करने वाला देश का पहला राज्य बन गया है, जो कि अत्यंत गौरव की बात है। विरोध प्रदर्शनों पर पलटवार करते हुए मंत्री सारंग ने कहा कि वक्फ बोर्ड को महज किसी मस्जिद की प्रबंधन समिति के रूप में देखना बेहद संकीर्ण सोच है। वक्फ बोर्ड का दायरा और उसकी प्रशासनिक जिम्मेदारियां कहीं अधिक व्यापक हैं, इसलिए इस पूरे विषय को धर्म के चश्मे से नहीं देखा जाना चाहिए। उन्होंने विपक्ष और प्रदर्शनकारियों को घेरते हुए कहा कि यह कानून देश की लोकसभा और राज्यसभा में लंबी व व्यापक चर्चा के बाद लोकतांत्रिक तरीके से पारित हुआ है और अब देश के संविधान का हिस्सा है। ऐसे में जो लोग खुद को संविधान का रक्षक बताते हैं, वही आज संविधान के तहत बने कानून का विरोध कर खोखली राजनीति कर रहे हैं।

निजी स्कूलों में निःशुल्क प्रवेश के लिए तीसरे चरण की प्रक्रिया प्रारंभ

राज्य शिक्षा केंद्र ने जारी किए दिशा-निर्देश

भोपाल (निप्र)। प्रदेश में शिक्षा का अधिकार कानून अंतर्गत शैक्षणिक सत्र 2026-27 में निजी स्कूलों में नि:शुल्क प्रवेश के लिए तीसरे चरण की प्रक्रिया शुरू हो गई है। इसके अंतर्गत 8 जुलाई तक ऑनलाइन आवेदन किए जा सकेंगे। इस संबंध में राज्य शिक्षा केंद्र, स्कूल शिक्षा विभाग ने सभी जिलों के कलेक्टर एवं जिला परियोजना समन्वयक को निर्देश भी जारी कर दिए हैं।

उल्लेखनीय है कि कमजोर वर्ग एवं वंचित समूह के बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिले, इसके लिए नि:शुल्क एवं अनिवार्य बाल शिक्षा का अधिकार अधिनियम, 2009 की धारा 12 (1) (ग) के अंतर्गत पात्र बच्चों को अशासकीय, गैर-अनुदान प्राप्त निजी विद्यालयों में नि:शुल्क प्रवेश दिया जाता है, जिसका शुल्क प्रदेश सरकार वहन करती है। प्रदेश में आरटीई के अंतर्गत प्रथम एवं द्वितीय चरण की प्रवेश प्रक्रिया पूर्ण हो चुकी है। द्वितीय चरण की प्रक्रिया के बाद जिन विद्यालयों में सीटें रिक्त रह गई हैं, उन सभी विद्यालयों को उनकी रिक्त सीटों सहित द्वितीय चरण की प्रवेश प्रक्रिया के लिए पोर्टल पर प्रदर्शित किया गया है। राज्य शिक्षा केंद्र के संचालक हरजिंदर सिंह ने बताया कि तृतीय चरण की प्रवेश प्रक्रिया में कोई नया पंजीयन नहीं किया जाएगा। शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए केवल उन्हीं आवेदकों को शामिल किया जाएगा, जिन्होंने पहले चरण में आवेदन किया था।

पंडित खुशीलाल चिकित्सालय परिसर के दोनों भवनों को जोड़ने के लिए पाथ-वे एवं ब्रिज बनाए जाने के लिए तैयार करें विस्तृत रिपोर्ट - संभागायुक्त कर्मवीर शर्मा

भोपाल (आरएनएस)। संभागायुक्त कर्मवीर शर्मा ने पंडित खुशीलाल चिकित्सालय परिसर में चिकित्सालय, महाविद्यालय गर्ल्स हॉस्टल ऑडोटोरियम एवं हर्बल गार्डन को जोड़ने के लिए आवश्यक पाथ-वे एवं ब्रिज बनाए जाने की विस्तृत रिपोर्ट तैयार करने के निर्देश संबंधित

अधिकारियों को दिए हैं। संभागायुक्त श्री शर्मा ने सोमवार को खुशीलाल चिकित्सा महाविद्यालय के सभाकक्ष में महाविद्यालय की कार्यकारिणी समिति की बैठक ली। बैठक में परिसर में बनाए गए हर्बल गार्डन को स्कूल के बच्चों के लिए आयुर्वेदिक पौधों की विस्तृत जानकारी उपलब्ध करवाने के लिए खोलने की सैद्धांतिक मंजूरी दी गई। विद्यालय अपने छात्र-छात्राओं को अब हर्बल गार्डन का टूर करवा सकते हैं। इसके लिए प्रति छात्र दस रुपए फीस निर्धारण का अनुमोदन भी किया गया। बैठक में महाविद्यालय से संबद्ध चिकित्सालय एवं पीजी भवन के रिपेयरिंग कार्य को समय-सीमा में पूर्ण कराए जाने एवं महाविद्यालय में लैब्स के आधुनिकीकरण एवं कार्यप्रणाली को अपग्रेड करने की अनुमति भी दी गई। इसके साथ ही प्रोफेसर्स को समय समय पर इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल साइंस के साथ अन्य प्रोफ़ेशनल की वर्कशॉप आयोजित किए जाने की अनुमति दी गई। सुपर स्पेशिलिटी विंग के लिए आवश्यक दवाइयों को खरीदने की भी अनुमति भी दी गई।

भोपाल में खुशीलाल अस्पताल परिसर की इमारतों को जोड़ेंगे ब्रिज और पाथवे, हर्बल गार्डन का शैक्षणिक भ्रमण कर सकेंगे स्कूली छात्र

भोपाल (आरएनएस)। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल स्थित पंडित खुशीलाल शर्मा शासकीय आयुर्वेद महाविद्यालय एवं अस्पताल परिसर में विभिन्न भवनों को आपस में जोड़ने के लिए ब्रिज और पाथवे विकसित किए जाएंगे। इस संबंध में भोपाल संभाग के आयुक्त कर्मवीर शर्मा ने विस्तृत परियोजना प्रतिवेदन (डीपीआर) तैयार करने के निर्देश दिए हैं। इसके साथ ही परिसर में विकसित हर्बल गार्डन को शैक्षणिक भ्रमण के लिए स्कूली विद्यार्थियों के लिए खोलने का भी निर्णय लिया गया।सोमवार को महाविद्यालय की स्वशासी समिति की कार्यकारिणी बैठक में आयुक्त कर्मवीर शर्मा ने अस्पताल, कॉलेज, बालिका छात्रावास, ऑडिटोरियम और हर्बल गार्डन को सुरक्षित आवागमन के लिए ब्रिज एवं पाथवे से जोड़ने की योजना पर चर्चा की और अधिकारियों को इसकी विस्तृत रिपोर्ट तैयार करने के निर्देश दिए गए।

एमपी ट्रांसको की 593 ईएचवी लाइनों ने बनाया चार वर्षों से बिना ब्रेकडाउन के बिजली पारेषण का उल्लेखनीय कीर्तिमान : ऊर्जा मंत्री श्री तोमर

भोपाल (आरएनएस)। आंधी-तूफान, तेज बारिश, बिजली गिरने जैसी प्राकृतिक चुनौतियों और अन्य अप्रत्याशित व्यवधानों का सफलतापूर्वक सामना करते हुए मध्यप्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी (एमपी ट्रांसको) की 593 एक्स्ट्रा हाई वोल्टेज (ईएचवी) ट्रांसमिशन लाइनों ने पिछले चार वर्षों (करीब 1500 दिन) से बिना किसी ब्रेकडाउन के निर्बाध विद्युत पारेषण का उल्लेखनीय कीर्तिमान स्थापित किया है।ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने यह जानकारी देते हुए बताया कि इससे विद्युत पारेषण व्यवस्था की विश्वसनीयता और मजबूती प्रमाणित हुई है। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि कंपनी के अभियंताओं, तकनीकी कर्मचारियों तथा ट्रांसमिशन लाइन मेंटेनेंस में संलग्न आउटसोर्स कर्मियों की प्रतिबद्धता, दक्षता और टीमवर्क का परिणाम है। उन्होंने कहा कि इन लाइनों की इस उपलब्धि के पीछे सतत एवं सजग मेंटेनेंस, प्रभावी मॉनिटरिंग तथा अभियंताओं, तकनीकी कर्मचारियों और आउटसोर्स कर्मियों की निरंतर तत्परता प्रमुख कारण रहा है।

आधुनिक तकनीक और नवाचार के इस्तेमाल से मिली सफलता

ऊर्जा मंत्री श्री तोमर ने कहा कि प्रदेश में विद्युत ट्रांसमिशन नेटवर्क को अधिक विश्वसनीय एवं सुदृढ़ बनाने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। आधुनिक तकनीकों के उपयोग, विभिन्न नवाचार,नियमित मेंटेनेंस, समयबद्ध निरीक्षण तथा प्रभावी मॉनिटरिंग व्यवस्था के कारण बड़ी संख्या में ईएचवी लाइनें लंबे समय से बिना किसी ब्रेकडाउन के सफलतापूर्वक संचालित हो रही हैं।

साथ ही इस उपलब्धि के पीछे ट्रांसमिशन लाइनों की नियमित पेट्रोलिंग, थर्मो-विजन निरीक्षण, संवेदनशील स्थलों की विशेष निगरानी, प्री-मानसून मेंटेनेंस अभियान तथा एससीएडीए आधारित सतत मॉनिटरिंग की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। इसके अलावा लाइन कॉरिडोर का प्रभावी प्रबंधन, पेड़ों की समयबद्ध कटाई-छंटाई, इंसुलेटर, कंडक्टर, जंपर एवं अन्य हार्डवेयर का निवारक अनुरक्षण तथा संभावित तकनीकी खामियों की समय रहते पहचान कर उनका निराकरण किए जाने से ब्रेकडाउन की स्थितियों को प्रभावी रूप से रोका जा सका।

अशोकनगर में जाली नोटों के अंतरराज्यीय नेटवर्क का भंडाफोड़, 87,700 रुपये की नकली भारतीय मुद्रा जब्त

अशोकनगर, (ए.)। मध्य प्रदेश के अशोकनगर में कोतवाली पुलिस ने जाली भारतीय मुद्रा के अंतरराज्यीय नेटवर्क का पर्दाफाश करते हुए तीन आरोपितों को गिरफ्तार किया है। आरोपितों के कब्जे से 500 और 100 रुपये के कुल 87,700 रुपये मूल्य के जाली नोट बरामद किए गए हैं। पुलिस के अनुसार गिरोह के तार मध्यप्रदेश के कई जिलों के साथ उत्तर प्रदेश के आगरा तक जुड़े हुए हैं।पुलिस अधीक्षक राजीव मिश्रा ने सोमवार को बताया कि मुखबिर से सूचना मिली थी कि रातीखेड़ा-रूसल्ला मार्ग स्थित यात्री प्रतीक्षालय के पास एक युवक बड़ी मात्रा में नकली नोट लेकर उन्हें बाजार में खपाने की तैयारी में है। सूचना पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने घेराबंदी कर राजगढ़ जिले के ग्राम बबल्या निवासी 22 वर्षीय कुलदीप बघेल को गिरफ्तार किया।तलाशी के दौरान उसके पास से 500 रुपये के 85 और 100 रुपये के 432 जाली नोट बरामद हुए, जिनकी कुल कीमत 87,700 रुपये है। पुलिस ने नकली मुद्रा जब्त कर आरोपित के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया। पूछताछ में कुलदीप ने खुलासा किया कि उसे ये जाली नोट खंडवा निवासी कार्तिक पाटीदार ने बाजार में चलाने के लिए दिए थे, जबकि गिरोह का मुख्य सप्लायर उत्तर प्रदेश के आगरा निवासी हेमंत कोली है। इस जानकारी के आधार पर पुलिस ने शिवपुरी में दबिश देकर कार्तिक पाटीदार और हेमंत कोली को भी गिरफ्तार कर लिया।प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि गिरोह लंबे समय से जाली नोटों की सप्लाई कर रहा था। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि नकली नोटों की छपाई कहां की जा रही थी, इसके लिए किन तकनीकों का इस्तेमाल किया गया और इस नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की भूमिका क्या है। मामले की जांच जारी है।

खेत से लौट रही महिला की आकाशीय बिजली की चपेट में आने से मौत

राजगढ़,(ए.)। मध्यप्रदेश के राजगढ़ जिले के खिलचीपुर थाना क्षेत्र के ग्राम बरगोलिया में खेत से चारा लेकर घर लौट रही एक महिला की आकाशीय बिजली गिरने से मौत हो गई। पुलिस ने सोमवार को पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंपकर मर्ग कायम किया और मामले की जांच शुरू कर दी है।पुलिस के अनुसार, ग्राम बरगोलिया निवासी 40 वर्षीय चंद्रकलाबाई दांगी रविवार शाम खेत से चारा लेकर घर लौट रही थीं। उनके लगभग 10 फीट पीछे उनके काका ससुर हजारीलाल दांगी और 14 वर्षीय पुत्र ओम चल रहे थे। इसी दौरान अचानक मौसम बदला और तेज गर्जना के साथ आकाशीय बिजली चंद्रकलाबाई पर गिर गई।

जबलपुर में यूनिफॉर्म पर बवाल, छात्राएं सड़क पर उतरीं, शास्त्री ब्रिज पर लगा लंबा जाम

जबलपुर (ए.)। होम साइंस कालेज में नई यूनिफार्म लागू किए जाने के फैसले के विरोध में सोमवार को छात्राओं का आक्रोश सड़क पर दिखाई दिया। बड़ी संख्या में छात्राएं कालेज परिसर से निकलकर

शास्त्री ब्रिज चौराहे पहुंचीं और वहां चक्काजाम कर विरोध प्रदर्शन किया। करीब एक घंटे तक चले प्रदर्शन के कारण शहर के प्रमुख मार्गों पर यातायात व्यवस्था बुरी तरह प्रभावित रही और वाहन चालकों को परेशानी का सामना करना पड़ा।प्रदर्शन कर रही छात्राओं का कहना था कि वर्तमान यूनिफार्म पूरी तरह उपयोग योग्य है, इसके बावजूद नए सत्र में नई यूनिफार्म अनिवार्य किए जाने का निर्णय उचित नहीं है। उनका आरोप था कि लगातार यूनिफार्म में बदलाव किए जाने से अभिभावकों पर अतिरिक्त आर्थिक भार पड़ रहा है। विशेष रूप से निम्न और मध्यम आय वर्ग के परिवारों के लिए यह निर्णय परेशानी का कारण बन गया है। विरोध प्रदर्शन के दौरान छात्राओं ने कालेज प्रबंधन से निर्णय वापस लेने की मांग की और स्पष्ट किया कि जब तक इस मुद्दे पर सकारात्मक निर्णय नहीं लिया जाता, तब तक उनका विरोध जारी रहेगा।

इंदौर में होटल संचालक ने की आत्महत्या, सुसाइड नोट में परिवार से मांगी माफी, प्रेमिका से दूर होने से तनाव में था

इंदौर (ए.)। मध्य प्रदेश के इंदौर जिले के विजयनगर थाना क्षेत्र के मालवीय नगर में एक होटल संचालक ने अपने घर के कमरे में फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। मौके से पुलिस को एक सुसाइड नोट बरामद हुआ है, जिसमें मृतक ने परिवार से माफी मांगते हुए अपनी मौत के लिए स्वयं को जिम्मेदार बताया है।

विजयनगर थाना पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, मालवीय नगर निवासी कुंदन शर्मा पुत्र नाथूलाल शर्मा अपने घर के निचले हिस्से में ही एक होटल का संचालन करता था। रविवार रात वह रोज की तरह अपने परिवार के सदस्यों के साथ सामान्य रूप से समय बिताने के बाद अपने कमरे में सोने चला गया था। सोमवार सुबह जब वह काफी देर तक कमरे से बाहर नहीं आया, तो परिजन उसे जगाने पहुंचे। कमरे का दरवाजा खोलने पर उसके छोटे भाई ने कुंदन का शव फंदे से लटका हुआ देखा, जिसके बाद तुरंत पुलिस को सूचित किया गया। कुंदन के परिवार में उसके पिता और दो भाई हैं, जबकि उसकी मां का कुछ समय पहले ही देहांत हो चुका है।

पुलिस ने जब घटनास्थल की सघन तलाशी ली, तो उन्हें होटल के रोजमर्रा के हिसाब-किताब की एक कॉपी में कुंदन के हाथ से लिखा एक सुसाइड नोट मिला। इस नोट में कुंदन ने अपने पिता और भाइयों से माफी मांगते हुए लिखा कि वह अपनी मर्जी से यह कदम उठा रहा है और उसकी मौत के लिए किसी अन्य व्यक्ति को जिम्मेदार न ठहराया जाए, बल्कि वह स्वयं ही इसके लिए जिम्मेदार है।शुरुआती पुलिस जांच और परिजनों से पूछताछ में कुंदन की आत्महत्या के पीछे का मुख्य कारण सामने आया है। बताया जा रहा है कि कुंदन का उज्जैन के नागदा की रहने वाली शिवानी नाम की युवती से साल 2011 से गहरा प्रेम संबंध था और दोनों लंबे समय तक साथ रहे थे। हालांकि, कुछ समय पहले किन्हीं कारणों से दोनों का यह रिश्ता टूट गया और वे अलग हो गए। शिवानी से दूर होने के गम में कुंदन गहरे अवसाद और मानसिक तनाव में चला गया था। कुंदन ने अपने सुसाइड नोट में इस दर्द को बयां करते हुए लिखा है "मुझे शिवानी से दूर करने वालों का धन्यवाद।"

नैनीताल में होटल की तीसरी मंजिल से गिरने पर मासूम की मौत, झाबुआ में शोक की लहर

झाबुआ, (ए.)। मध्य प्रदेश के झाबुआ जिले के राणापुर निवासी तीन वर्षीय बालक गौरांश सोनी की दिल्ली के फोर्टिस अस्पताल में उपचार के दौरान मौत हो गई। गौरांश अपने परिवार के साथ नैनीताल घूमने गया था, जहां होटल की तीसरी मंजिल से गिरने के कारण वह गंभीर रूप से घायल हो गया था।जानकारी के अनुसार, गौरांश राणापुर के सराफा व्यापारी विशाल सोनी का इकलौता पुत्र था। परिवार के 22 सदस्य एक जुलाई को इंदौर से नैनीताल भ्रमण के लिए रवाना हुए थे और मल्लीताल क्षेत्र के एक होटल में ठहरे हुए थे। रविवार सुबह गौरांश होटल के कमरे में खेल रहा था। इसी दौरान परिजनों का कुछ क्षण के लिए ध्यान हटने पर वह तीसरी मंजिल की खिड़की से नीचे गिर गया।करीब 20 फीट की ऊंचाई से गिरने के कारण उसके सिर और गर्दन में गंभीर चोटें आईं। हादसे के तुरंत बाद होटल कर्मचारियों और स्थानीय लोगों की मदद से उसे नैनीताल के बीडी पांडे जिला अस्पताल ले जाया गया।

"स्वच्छ जल, समुचित उपचार - डायरिया से बचें हर बार" अभियान अंतर्गत ग्रामीणों को किया गया जागरूक

झाबुआ (ए.)। जल शक्ति मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली के निर्देशानुसार 16 जून से 31 जुलाई 2026 तक संचालित "स्वच्छ जल, समुचित उपचार - डायरिया से बचें हर बार" अभियान के अंतर्गत आज 06 जुलाई 2026 को झाबुआ जिले के विभिन्न विकासखंडों में जनजागरूकता एवं स्वच्छता गतिविधियों का आयोजन किया गया।अभियान के तहत विकासखंड झाबुआ एवं रामा के ग्राम वलोला, पारा एवं खरडू बड़ी में पेयजल स्रोतों के आसपास विशेष साफ-सफाई अभियान चलाया गया। इस दौरान ग्रामीण क्षेत्रों में स्वच्छ पेयजल के महत्व, जल जनित बीमारियों की रोकथाम, व्यक्तिगत एवं सामुदायिक स्वच्छता तथा जल संरक्षण के प्रति जागरूकता गतिविधियां आयोजित की गईं। कार्यक्रम के दौरान ग्रामीण महिलाओं के साथ संवाद कर उन्हें शुद्ध एवं सुरक्षित पेयजल के उपयोग, जल स्रोतों की स्वच्छता बनाए रखने तथा डायरिया एवं अन्य जल जनित बीमारियों से बचाव के उपायों की जानकारी प्रदान की गई। साथ ही उपस्थित ग्रामीणों को स्वच्छता एवं जल संरक्षण के प्रति जागरूक रहने तथा अपने गांवों को स्वच्छ एवं स्वस्थ बनाए रखने की सामूहिक शपथ भी दिलाई गई। इस अवसर पर विकासखंड झाबुआ एवं रामा के ब्लॉक कोऑर्डिनेटर उपस्थित रहे तथा उन्होंने अभियान के उद्देश्यों एवं जनसहभागिता के महत्व पर प्रकाश डालते हुए ग्रामीणों से स्वच्छता एवं जल संरक्षण गतिविधियों में सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित करने का आह्वान किया। अभियान के अंतर्गत जिले में आगामी दिनों में भी विभिन्न ग्रामों में स्वच्छता, सुरक्षित पेयजल एवं जल संरक्षण संबंधी जागरूकता गतिविधियों का आयोजन निरंतर किया जाएगा।

व्यापार समाचार

एक बार फिर 15% तक महंगे होंगे मोबाइल रिचार्ज प्लान्स, JIO-AIRTEL और VI की नई तैयारी से ढीली होगी जेब

नई दिल्ली (ए.)। अगर आप हर महीने अपने स्मार्टफोन में इंटरनेट और कॉलिंग के लिए रिचार्ज कराते हैं, तो आने वाले कुछ ही महीनों में आपका बजट बिगड़ने वाला है। एक ताजा रिसर्च रिपोर्ट ने मोबाइल यूजर्स के लिए खतरे की घंटी बजा दी है। न्यूज़ एजेंसी ANI के हवाले से सामने आई रिपोर्ट के मुताबिक, भारत में एक बार फिर से मोबाइल टैरिफ प्लान्स की कीमतों में बड़ा इजाफा होने जा रहा है। अनुमान जताया गया है कि अगले तीन से चार महीनों के भीतर देश की प्रमुख निजी टेलीकॉम कंपनियां अपने रिचार्ज प्लान 12 से 15 प्रतिशत तक महंगे कर सकती हैं, हालांकि अभी तक किसी भी कंपनी ने इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं की है।

सिमटता टेलीकॉम बाजार बनी कीमतों में उछाल की बड़ी वजह

यह चौंकाने वाला अनुमान 'Centrum Institutional Research' की QvFY27 (वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही) की टेलीकॉम और इंटरनेट सेक्टर रिपोर्ट में लगाया गया है। रिपोर्ट में स्पष्ट किया गया है कि भारतीय टेलीकॉम बाजार अब कुछ सीमित खिलाड़ियों के हाथों में सिमट चुका है। निजी क्षेत्र में इस वक्त मुख्य रूप से सिर्फ Reliance Jio, Bharti Airtel और Vodafone Idea (Vi) का ही दबदबा है, जबकि सरकारी क्षेत्र में केवल BSNL मौजूद है। बाजार में प्रतिस्पर्धा कम होने और खिलाड़ियों के सीमित होने के कारण कंपनियों के लिए अब टैरिफ दरों में बढ़ोतरी करना पहले के मुकाबले कहीं ज्यादा आसान और संभव हो गया है।

कंपनियों की कमाई (ARPU) में भी होगा भारी इजाफ

इस संभावित बदलाव से टेलीकॉम कंपनियों के खजाने में जोरदार बढ़ोतरी होगी। रिपोर्ट के मुताबिक, जून तिमाही में कंपनियों की प्रति ग्राहक औसत कमाई यानी ARPU (Average Revenue Per User) में भी लगभग 1 से 1.5 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी होने की उम्मीद है। कंपनियों की कमाई में इस उछाल की मुख्य वजह बड़ी संख्या में 2G यूजर्स का तेजी से 4त्र और 5त्र नेटवर्क पर शिफ्ट होना, पोस्टपेड ग्राहकों के आंकड़े में इजाफा होना और जून तिमाही में दिनों की संख्या अधिक होना बताया गया है। Jio और Airtel को बड़ी बढ़त, Vi के खातों में भी जुड़ेंगे नए ग्राहक

सब्सक्राइबर्स (ग्राहकों) की संख्या बढ़ाने के मामले में भी Reliance Jio और Bharti Airtel का ही दबदबा कायम रहने की उम्मीद है। रिपोर्ट के अनुसार, इस जून तिमाही में Jio अपने कुनबे में करीब 70 लाख नए सब्सक्राइबर्स जोड़ सकती है, जबकि Airtel के साथ भी लगभग 50 लाख नए ग्राहकों के जुड़ने का मजबूत अनुमान है। वहीं, आर्थिक चुनौतियों से जूझ रही Vodafone Idea के खाते में भी लगभग 2 लाख नए ग्राहक जुड़ सकते हैं।

देश में 5G का तूफानी विस्तार और Vi को AGR में राहत

देशभर में 5G नेटवर्क का विस्तार सभी टेलीकॉम कंपनियों द्वारा बेहद तेज गति से किया जा रहा है। Jio और Airtel ने अपनी स्थिति को बेहद मजबूत करते हुए देश के 90 प्रतिशत से ज्यादा जिलों तक 5त्र सेवाओं की पहुंच बना ली है और अब इनका मुख्य फोकस 5त्र डिवाइस, फिक्स्ड वायरलेस एक्सेस (FWA) और फिक्स्ड ब्रॉडबैंड ग्राहकों पर है। दूसरी तरफ Vodafone Idea ने भी करीब 100 शहरों में अपनी 5त्र सेवा शुरू कर दी है और धीरे-धीरे नेटवर्क का दायरा बढ़ा रही है। इसके अलावा, रिपोर्ट में Vodafone Idea की वित्तीय स्थिति का जिक्र करते हुए बताया गया है कि कंपनी की त्र देनदारी की वर्तमान वैल्यू घटकर अब करीब 25,000 करोड़ रुपये रह गई है, जिससे कंपनी को आने वाले समय में बड़ी राहत मिल सकती है।

खाद्य उत्पादों की कीमतों में स्थिरता, कमजोर मानसून के बावजूद बाजार संतुलित

नई दिल्ली (आरएनएस)। भारत में कमजोर मानसून के बाद भी खाद्य वस्तुओं की कीमतें स्थिर बनी हुई है। यह जानकारी एक रिपोर्ट में दी गई। एमके ग्लोबल फाइनेंशियल सर्विसेज की रिपोर्ट में कहा गया है कि वर्तमान में खाने-पीने की चीजों की कीमतों में महंगाई काबू में है। साप्ताहिक खुदरा आंकड़ों के मुताबिक, सब्जियों की कीमतों में 1.5 प्रतिशत और अंडों की कीमतों में 1 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है, जबकि अनाज की कीमतों में 0.5 प्रतिशत और तेल व फैट की कीमतों में 0.2 प्रतिशत की बढ़ोतरी देखी गई है। सालाना आधार पर, तेल और फैट की कीमतों में 11 प्रतिशत, अंडों में 6 प्रतिशत, सब्जियों में 3 प्रतिशत, दूध में 3 प्रतिशत, मसालों में 3 प्रतिशत, अनाज में 2 प्रतिशत और दालों में 1 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई।महाराष्ट्र, गुजरात, मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश जैसे मुख्य खाद्य-उत्पादक राज्यों में मानसून की लगातार कमी से आने वाले हफ्तों में खाद्य आपूर्ति पर खतरा मंडरा सकता है और कीमतों में बढ़ोतरी का दबाव बन सकता है। रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि 3 जुलाई तक कुल बारिश लंबे समय के औसत से 31 प्रतिशत कम रही।जून के महीने में बारिश लंबे समय के औसत से 40 प्रतिशत कम रही, जिससे यह पिछले दशक में बारिश के लिहाज से सबसे खराब जून का महीना बन गया। रिपोर्ट में कहा गया है कि बुवाई का काम कम हो गया है, क्योंकि मानसून कमजोर बना हुआ है, जिससे जलाशयों में पानी का स्तर बहुत कम हो गया है।पूरे देश में जलाशयों का जलस्तर उनकी क्षमता का सिर्फ 26 प्रतिशत है और पिछले साल इसी समय की तुलना में 39 प्रतिशत कम है। मध्य भारत में सबसे ज्यादा क्षमता (32 प्रतिशत) है, इसके बाद उत्तर भारत (29 प्रतिशत) और पश्चिम भारत (28 प्रतिशत) का स्थान है। दक्षिण भारत (20 प्रतिशत) और पूर्वी भारत (19 प्रतिशत) में जलस्तर काफी कम है। रिपोर्ट में बताया गया है कि भारत मौसम विज्ञान विभाग को उम्मीद है कि जुलाई 2026 में बारिश सामान्य से कम होगी, जिससे मानसून और खरीफ की बुवाई के मौसम को लेकर चिंता बनी रहेगी।

जून के आखिरी पखवाड़े में एफआईआई की फाइनेंशियल और कंस्ट्रक्शन सेक्टर पर बड़ी खरीदारी

मुंबई (आरएनएस),। विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने जून के दूसरे पखवाड़े (आखिरी 15 दिनों) में भारतीय शेयर बाजार में करीब 14,100 करोड़ रुपए का शुद्ध निवेश किया है। इससे पहले पखवाड़े में उन्होंने 11,263 करोड़ रुपए की बिकवाली की थी।

इस दौरान उन्होंने फाइनेंशियल सर्विसेज, कंस्ट्रक्शन, कंज्यूमर सर्विसेज, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स, रियल्टी और हेल्थकेयर सेक्टर्स में खरीदारी की है। दूसरी तरफ मेटल एंड माइनिंग, पावर, ऑयलएंडगैस, कैपिटल गुड्स, ऑटो, आईटी और टेलीकॉम में बिकवाली की है।

राष्ट्रीय प्रतिभूति डिपॉजिटरी लिमिटेड (एनएसडीएल) के डेटा के मुताबिक, एफआईआई ने जून के आखिरी पखवाड़े में फाइनेंशियल सर्विसेज में 14,634 करोड़ रुपए, कंस्ट्रक्शन में 3,484 करोड़ रुपए, कंज्यूमर सर्विसेज में 3,081 करोड़ रुपए, सर्विसेज में 2,592 करोड़ रुपए, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स में 2,564 करोड़ रुपए, रियल्टी में 1,893 करोड़ रुपए और हेल्थकेयर में 1,435 करोड़ रुपए का निवेश किया है।इस दौरान विदेशी निवेशकों ने मेटल और माइनिंग में -4,371 करोड़ रुपए, पावर में -3,743 करोड़ रुपए, ऑयल और गैस में -2,789 करोड़ रुपए, कैपिटल गुड्स में -1,442 करोड़ रुपए, ऑटो में -1,324 करोड़ रुपए, आईटी में -733 करोड़ रुपए, टेलीकॉम में -720 करोड़ रुपए, कंस्ट्रक्शन मटेरियल में -650 करोड़ रुपए और केमिकल में -514 करोड़ रुपए की बिकवाली की है।

इंस्टाग्राम पर अश्लील विज्ञापनों को लेकर सरकार सख्त, मेटा को भेजा नोटिस; वॉट्सऐप और टेलीग्राम पर भी शिकंजा

नई दिल्ली (ए.)। टेक दिग्गज मेटा के सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स को लेकर भारत सरकार ने अपना रुख बेहद सख्त कर लिया है। वॉट्सऐप (WhatsApp) के बाद अब सरकार ने फोटो और वीडियो शेयरिंग प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम (Instagram) पर कड़ी कार्रवाई की है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी (MeitY) मंत्री अश्विनी वैष्णव ने मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों को निर्देश दिया है कि वे मेटा के प्रतिनिधियों को तुरंत तलब करें। सरकार का यह सख्त कदम इंस्टाग्राम पर दिखाए जा रहे उन पेड विज्ञापनों को लेकर उठाया गया है, जिनमें कथित तौर पर बच्चों के यौन शोषण से जुड़ी सामग्री (CSAM) को बढ़ावा दिया जा रहा था। केंद्र सरकार ने मेटा को नोटिस जारी कर ऐसे सभी विज्ञापनों को तुरंत प्लेटफॉर्म से हटाने का सख्त आदेश दिया है। इस हफ्ते यह दूसरा मौका है जब सरकार ने मेटा के खिलाफ ऐसी सख्त कार्रवाई की है।

बीबीसी की जांच में हुआ बड़ा खुलासा, 99 रुपये में बेचा जा रहा था अवैध कंटेंट

दरअसल, बीबीसी (BBC) द्वारा की गई एक खोजी रिपोर्ट में यह सनसनीखेज खुलासा हुआ है कि इंस्टाग्राम ने भारत में बच्चों के यौन शोषण से जुड़े कंटेंट को बढ़ावा देने वाले पेड विज्ञापन दिखाए। इन विज्ञापनों पर क्लिक करने के बाद यूजर्स को सीधे टेलीग्राम (Telegram) चैनलों पर रीडायरेक्ट किया जाता था, जहां कथित तौर पर इस तरह का गैर-कानूनी और आपत्तिजनक कंटेंट महज 99 रुपये में बेचा जा रहा था। रिपोर्ट में बताया गया है कि विज्ञापनों में संवेदनशील और आपत्तिजनक शब्दों का खुलेआम इस्तेमाल किया गया था। जांच के दौरान बीबीसी ने भारत में एक फर्जी इंस्टाग्राम अकाउंट बनाया और पाया कि कुछ ही दिनों के भीतर उस पर इस तरह के संवेदनशील और अवैध टेलीग्राम चैनलों से जुड़े विज्ञापन दिखाए जाने लगे।

हालांकि, इंस्टाग्राम पर लाइव होने वाले सभी विज्ञापनों को मेटा के मॉडरेशन सिस्टम से मंजूरी लेनी होती है। लेकिन बीबीसी द्वारा इस गंभीर मामले की ओर ध्यान दिलाए जाने पर शुरुआती प्रतिक्रिया में प्लेटफॉर्म ने कहा था कि ऐसा विज्ञापन उसकी कम्युनिटी गाइडलाइंस का उल्लंघन नहीं करता। बाद में जब मामला बढ़ा तो मेटा ने अपनी सफाई में कहा कि दुनिया का कोई भी सिस्टम पूरी तरह परफेक्ट नहीं होता। कंपनी के प्रवक्ता ने कहा कि भले ही उनके रिव्यू प्रोसेस से कुछ पॉलिसी उल्लंघन छूट गए हों, लेकिन वे नियमों को तोड़ने वाले विज्ञापनों के लाइव होने के बाद भी उन्हें सक्रिय रूप से पहचानकर हटाने का काम लगातार करते रहते हैं।

भारतीय अर्थव्यवस्था की मजबूती पर रिपोर्ट की मुहर, बाजार का वैल्यूएशन आकर्षक

नई दिल्ली (आरएनएस)। विकासशील बाजारों में भारतीय शेयर बाजार एक अलग तरह के निवेश के मौके के तौर पर उभरा है, देश का व्यापक आर्थिक आधार मजबूत बना हुआ है। ऐसे में अगर निवेशक टेक्नोलॉजी शेयरों से हटकर आगे देखते हैं तो इसका फायदा भारत को मिल सकता है। यह जानकारी एक रिपोर्ट में दी गई।

डीएसपी नेत्र की रिपोर्ट के अनुसार, एमएससीआई इमर्जिंग मार्केट्स (ईएम) इंडेक्स 2021 के स्तर पर वापस आ गया है, लेकिन इस तेजी की वजह कुछ ही खास मार्केट और स्टॉक रहे हैं।

रिपोर्ट में आगे कहा गया कि जिन चार मार्केट का इंडेक्स में वेटेज 5 प्रतिशत से ज्यादा है, उनमें से भारत का वैल्यूएशन उसके लंबे समय के औसत वैल्यूएशन से 2.39 प्रतिशत कम है।

इसके उलट, ताइवान और दक्षिण कोरिया क्रमशः लगभग 85 प्रतिशत और 71 प्रतिशत के प्रीमियम पर ट्रेड कर रहे हैं, जो एमएससीआई इमर्जिंग मार्केट्स इंडेक्स के 24.71 प्रतिशत के कुल प्रीमियम से ज्यादा है। रिपोर्ट में कहा गया है कि इस साल ताइवान और दक्षिण कोरिया ने दूसरे उभरते बाजारों के मुकाबले काफी बेहतर प्रदर्शन किया है।ताइवान और दक्षिण कोरिया के इस शानदार प्रदर्शन की वजह उभरते बाजारों के बुनियादी हालात में व्यापक सुधार के बजाय, ग्लोबल स्तर पर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) से चलने वाला सेमीकंडक्टर सेक्टर का उछाल है।

सम्पादकीय

अभिव्यक्ति हमारा जन्म सिद्ध अधिकार है, सत्य प्रस्तुत करना हमारा कर्तव्य

गैर-व्यापार बाधाएं

क्या अमेरिका के साथ द्विपक्षीय व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने के क्रम भारत अमेरिका को इस बात पर राजी कर पाएगा कि वह दोनों देशों के कारोबार में गैर–व्यापार बाधाएं खड़ी ना करे?

भारत के साथ द्विपक्षीय व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने के लिए अमेरिका के व्यापार प्रतिनिधि जेमिसन ग्रीयर भारत में हैं। उन्हें आशा है कि मंगलवार और बुधवार की वार्ताओं के दौरान ऐसा हो जाएगा। मगर मुद्दा है कि क्या बातचीत का आधार द्विपक्षीय समझौते का वही फ्रेमवर्क है, जिस पर पिछले फरवरी में सहमति बनी थी? या बदली परिस्थितियों के मद्देनज़र भारत फिर से सौदेबाजी कर रहा है? फ्रेमवर्क के एलान के बाद अमेरिका के सुप्रीम कोर्ट ने डॉनल्ड ट्रंप प्रशासन के लगाए टैरिफ को असंवैधानिक ठहरा दिया था। उससे भारत सरकार को नया मौका मिला। उसका लाभ उठाकर वह उन आलोचनाओं को दूर कर सकती है, जिनसे इस मामले में उस पर समर्पण करने के आरोप लगे हैं।

इस बीच अमेरिका ने उत्पादन में जबरिया मजदूरी के इस्तेमाल का आरोप लगाकर भारत के कई निर्यातों पर 12.5 प्रतिशत का अतिरिक्त टैरिफ लगाया है। अनुचित व्यापार व्यवहार के इल्जाम में उसने भारत के खिलाफ जांच चला रखी है। इनमें अत्यधिक औद्योगिक क्षमता और अमेरिकी उद्योगों को नुकसान पहुंचाने वाली नीतियों के आरोप शामिल हैं। क्या समझौते को अंतिम रूप देने के क्रम भारत अमेरिका को इस बात पर राजी कर पाएगा कि वह दोनों देशों के कारोबार में ऐसी गैर–व्यापार बाधाएं खड़ी ना करे? भारत सरकार के रुख से इन मुद्दों पर दृढ़ रुख अपनाए जाने के संकेत नहीं मिले हैं।

वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने हाल में कहा कि भारत– अमेरिका ट्रेड डील को तब तक लागू नहीं किया जाएगा, जब तक भारत के लिए प्रतिस्पर्धात्मक लाभ सुनिश्चित नहीं हो जाता। इसका अर्थ है कि भारत पर लगने वाले शुल्क दरों को अमेरिका बांग्लादेश, वियतनाम और कुछ मामलों में चीन पर लगे टैरिफ से कुछ नीचे कर दे, तो डील भारत को स्वीकार्य हो जाएगा। स्पष्टतः यह अपने मानक को काफी नीचे रखना है। फ्रेमवर्क में शामिल अमेरिका से अनिवार्य खरीदारी, ऊर्जा खरीद पर उसकी अनुचित शर्तों को मानने, और अपने बाजार को उसके लिए पूरी तरह खोलने जैसी शर्तें शामिल हैं। उन्हें फिर वार्ता की मेज पर लाने के बजाय भारत का निम्न मानक को अपनाना दुर्भाग्यपूर्ण होगा।

फनरल ऑफ़ द सेंचुरी: क्या अयातुल्ला अली खामेनेई की अंतिम विदाई 21वीं सदी का सबसे बड़ा धार्मिक, राजनीतिक और भू-राजनीतिक शक्ति प्रदर्शन बन रही है?

–एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र

गोंदिया – वैश्विक स्तरपर मध्य–पूर्व का इतिहास केवल युद्धों,तेल,परमाणु कार्यक्रमों और कूटनीतिक संघर्षों से नहीं लिखा गया है, बल्कि ऐसे प्रतीकात्मक आयोजनों से भी लिखा गया है जिन्होंने आने वाली पीढ़ियों की राजनीति और जनमानस को प्रभावित किया।28 फरवरी 2026 को ईरान के पूर्व सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई का अंतिम संस्कार ऐसा ही एक आयोजन बनता दिखाई दे रहा है। फरवरी में हुए अमेरिकी–इजरायली हमले में उनकी मृत्यु के बाद सुरक्षा कारणों से अंतिम संस्कार तत्काल नहीं किया जा सका और उसे कई महीनों के लिए स्थगित करना पड़ा। अब जुलाई में शुरू हुई बहु–दिवसीय अंतिम यात्रा को ईरानी नेतृत्व केवल एक धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि राष्ट्रीय एकता, शहादत, प्रतिरोध और राजनीतिक संदेश के रूप में प्रस्तुत कर रहा है। अनेक अंतरराष्ट्रीय मीडिया संस्थानों के अनुसार अंतिम यात्रा तेहरान से शुरू होकर विभिन्न धार्मिक स्थलों से गुजरते हुए 9 जुलाई को मशहद में दफ़न के साथ पूरी होगी।मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र इलेक्ट्रॉनिक सोशल मीडिया में लगातार देख रहा हूं कि ईरानी सरकारी मीडिया और कई अंतरराष्ट्रीय रिपोर्टों में इसे फनरल ऑफ़ द सेंचुरी यानें शताब्दी का अंतिम संस्कार कहा जा रहा है। आयोजकों का दावा है कि पूरे कार्यक्रम में करोड़ों लोग शामिल हो सकते हैं, जबकि स्वतंत्र अंतरराष्ट्रीय एजेंसियाँ अभी केवल लाखों से करोड़ों तक की संभावित भीड़ का उल्लेख कर रही हैं और अंतिम संख्या की पुष्टि बाद में होने की बात कह रही हैं। कुछ रिपोर्टों में 1.5 से 2 करोड़ तथा कुछ में इससे भी अधिक उपस्थिति का अनुमान लगाया गया है, किंतु इन आँकड़ों की सटीकता से स्वतंत्र पुष्टि अभी शेष है। हालांकि यह पूरी जानकारी मीडिया से उठाई गई है।

साथियों बात अगर हम चार महीने तक सुरक्षित रखा गया पार्थिव शरीर,शिया परंपरा और अभूतपूर्व राष्ट्रीय तैयारी को समझने की करें तो,इस पूरे आयोजन का सबसे असाधारण पक्ष यह है कि अयातुल्ला खामेनेई और उनके परिवार के 4 अन्य दिवंगत सदस्यों के पार्थिव शरीरों को लगभग चार महीने तक संरक्षित रखा गया। सामान्य इस्लामी परंपरा में मृत्यु के बाद शीघ्र दफ़न को सर्वोत्तम माना जाता है, लेकिन युद्ध, बड़े सुरक्षा संकट या अन्य असाधारण परिस्थितियों में विलंब की अनुमति दी जाती है। विशेषज्ञों का मानना है कि इस अवधि में शवों को रासायनिक संरक्षण (एम्बामिंग) के बजाय नियंत्रित तापमान वाले रेफ्रिजरेटेड कोल्ड स्टोरेज में रखा गया होगा, ताकि धार्मिक मान्यताओं का सम्मान बना रहे। युद्धकालीन परिस्थितियों के कारण अंतिम संस्कार टालना केवल धार्मिक निर्णय नहीं था,बल्कि एक राष्ट्रीय सुरक्षा रणनीति भी थी। ईरान को आशंका थी कि यदि युद्ध के दौरान इतने बड़े सार्वजनिक कार्यक्रम आयोजित किए गए तो दुश्मन देश या आतंकी संगठन भीड़ या शीर्ष नेतृत्व को निशाना बना सकते हैं। इसी कारण अंतिम संस्कार तब तक स्थगित रखा गया जब तक व्यापक सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित नहीं हो गई।

साथियों बात अगर हम तेहरान में शुरू हुए इस शोक समारोह के लिए राजधानी को अभूतपूर्व सुरक्षा घेरे में बदल दिया गया है। विभिन्न रिपोर्टों के अनुसार सेना, पुलिस, इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स,स्वयंसेवी संगठन और प्रशासनिक तंत्र को संयुक्त रूप से तैनात किया गया है। संवेदनशील क्षेत्रों में निगरानी बढ़ाई गई है और कुछ अवधियों के लिए हवाई क्षेत्र पर भी विशेष नियंत्रण रखा गया है। सोशल मीडिया और कुछ समाचार माध्यमों में पाँच करोड़ रोटियाँ, हजारों जल–छिड़काव केंद्र, सैकड़ों पार्किंग स्थल और करोड़ों श्रद्धालुओं जैसी तैयारियों के दावे सामने आए हैं। हालांकि इन सभी विशिष्ट आँकड़ों की स्वतंत्र पुष्टि उपलब्ध नहीं है। इसलिए इन्हें ईरानी या अन्य मीडिया के दावों के रूप में ही देखा जाना चाहिए, न कि स्थापित तथ्य के रूप में। दूसरी ओर, यह स्पष्ट है कि आयोजन के पैमाने को देखते हुए भोजन,पेयजल, चिकित्सा सहायता,भीड़ नियंत्रण और परिवहन की सटीकता से व्यापक व्यवस्थाएँ की गई है। साथियों, इस अंतिम यात्रा को केवल एक राज्य समारोह नहीं बल्कि शिया धार्मिक संस्कृति की निरंतरता के रूप में भी प्रस्तुत किया जा रहा है।

शिया परंपरा में शहादत का अत्यंत महत्वपूर्ण स्थान है और करबला की ऐतिहासिक स्मृति आज भी धार्मिक और राजनीतिक चेतना का आधार मानी जाती है। इसी कारण ईरानी नेतृत्व खामेनेई की मृत्यु को राष्ट्रीय प्रतिरोध और धार्मिक धैर्य के प्रतीक के रूप में स्थापित करने का प्रयास कर रहा है। दूसरी ओर, यह भी सत्य है कि ईरान के भीतर सभी नागरिक इस आयोजन को एक समान दृष्टि से नहीं देखते। निर्वासित विपक्षी समूह और कुछ आलोचक इसे राज्य– प्रायोजित राजनीतिक प्रदर्शन बताते हैं, जबकि समर्थकों के लिए यह राष्ट्रीय सम्मान और श्रद्धांजलि का अवसर है। इसलिए यह अंतिम संस्कार केवल शोक का नहीं, बल्कि ईरान के भीतर मौजूद राजनीतिक मतभेदों का भी दर्पण बन गया है।

साथियों बात अगर हम मुस्लिम देशों की प्रतिक्रिया: एकजुटता और व्यावहारिक राजनीति का मिश्रण को समझने की करें तो रिपोर्टों के अनुसार लगभग 30 देशों के प्रतिनिधिमंडलों के शामिल होने की संभावना जताई गई है। रूस, पाकिस्तान तथा क्षेत्र के कई देशों के प्रतिनिधियों के आने की खबरें हैं, जबकि अधिकांश पश्चिमी देशों की अनुपस्थिति भी चर्चा का विषय बनी हुई है। इससे यह संकेत मिलता है कि कईमुस्लिम और क्षेत्रीय देश ईरान के साथ संवाद बनाए रखना चाहते हैं, भले ही उनकी अपनी विदेश नीतियाँ अलग–अलग हों।क्या यह सचमुच विश्व इतिहास का सबसे बड़ा अंतिम संस्कार हो सकता है? इतिहास में अनेक विशाल अंतिम संस्कार हुए हैं, जिनमें 1989 में अयातुल्ला रुहोल्लाह खुमैनी का अंतिम संस्कार भी शामिल है, जिसमें लगभग एक करोड़ लोगों की उपस्थिति का व्यापक उल्लेख मिलता है। वर्तमान आयोजन के बारे में कुछ रिपोर्टों में दावा किया गया है कि इसकी भीड़ उस रिकॉर्ड को भी पार कर सकती है। हालांकि अंतिम और स्वतंत्र रूप से सत्यापित आँकड़े उपलब्ध होने के बाद ही यह निश्चित रूप से कहा जा सकेगा कि यह वास्तव में विश्व का सबसे बड़ा अंतिम संस्कार था या नहीं।यह अंतिम संस्कार केवल एक धार्मिक आयोजन नहीं बल्कि मध्य–पूर्व की बदलती शक्ति–संरचना का भी प्रतीक माना जा रहा है। ईरान अपने समर्थक समूहों और सहयोगी देशों को यह संदेश देना चाहता है कि नेतृत्व परिवर्तन के बावजूद उसकी राजनीतिक और सैन्य संरचना कायम है। दूसरी ओर अमेरिका, इज़राइल और उनके सहयोगी इस पूरे घटनाक्रम पर कड़ी निगरानी रखे हुए हैं।

हर कोई भारत में जलवायु की बरबादी में रोएगा

हरिशंकर व्यास

जून आधा बीत गया है लेकिन मानसून लापता है। बावजूद इसके सोशल मीडिया बता दे रहा है कि सावन आया! निश्चित ही भीषण गर्मी के बीच अचानक तेज आंधी–तूफान के साथ मूसलाधार बारिश हुई। पर वह एक के बाद एक मजबूत पश्चिमी विक्षोभों की बारिश है, जबकि मानसून आंध्र प्रदेश के आसपास अटका हुआ है। और पूरी संभावना है कि जून, जुलाई, अगस्त और सितंबर का चौमासा (आषाढ़, श्रावण, भाद्रपद और आश्विन) गर्मी, उमस से ऐसा रूलाने वाला होगा कि हर कोई भारत में जलवायु की बरबादी में वैसे ही रोएगा जैसे प्रदूषण से सर्दियों में दिल्ली अधमरी होती है।

यों अधमरी, बरबादी जैसे शब्द बहुत भारी है लेकिन यदि कोई अमेरिकी या रेगिस्तानी अरब–अफ्रीकी देशों के लोग भी भारत की गर्मी–उमस, प्रदूषित सर्दियों में आकर घूमने के हिमाकत करें तो वह अधमरी दशा से सांस लेते हुए होंगे। अमेरिकी विदेश मंत्री जून में ही दिल्ली आए थे। उन्होने कहा वे खुद बहुत गर्मी वाले मायामी से है लेकिन दिल्ली की तीखी गर्मी तो असहनीय है। दुनिया के मौसम, जलवायु वैज्ञानिकों की दो टूक भविष्यवाणी है कि जलवायु परिवर्तनों से सर्वाधिक दक्षिण एसिया प्रभावित होगा। सोचें, बावजूद इस सबके हालिया खबर है कि अडानी धड़ाधड़ कोयले की खदाने ले रहे हैं और मोदीजी के साथ धधकता भारत बना देने की धुन में हैं।

बहरहाल, बात फैल गई। असल मुद्दा 2026 के चौमासे में किसान को दस तरह के संकट झेलने है। आषाढ़, श्रावण, भाद्रपद और आश्विन में वह बारिस के लिए तरसेगा। महीनों से वैश्विक जलवायु मॉडल एल नीनो के असर की चेतावनी दे रहे है। कोई आश्चर्य नहीं जो मध्य भारत और उत्तर भारत में सूखी हवाओं ने मानसूनी धाराओं को रोक दिया है। यदि मौसम एजेंसियों के अनुमान सही निकले तो अगस्त और सितंबर में भारी समस्या होगी।

पर सब कुछ जानते हुए भी सरकार और सोशल मीडिया ने किसानों को सावन का अंधा बना रखा है। सब ठीक है, सामान्य है, समय से पहले ही मानसून चल पड़ा आदि–आदि। किसान क्योंकि सोशल मीडिया को देखता, पढ़ता है। तो वह भी जून में सावन की हवा के मुगालते में है।

सीमा पर अविश्वास, बाज़ार में विश्वास–कितना उचित?

[आर्थिक अमृत या रणनीतिक विष? चीनी कंपनियों का पुनः प्रवेश]

प्रो. आरके जैन अरिजीत

इतिहास गवाह है कि किसी राष्ट्र की दिशा केवल युद्धक्षेत्रों से नहीं, बल्कि नीतिगत निर्णयों से भी तय होती है। भारत सरकार द्वारा चार चीनी–लिंक्ड पावर उपकरण कंपनियों (जिनकी भारत में विनिर्माण इकाइयाँ हैं) को बिजली क्षेत्र की महत्वपूर्ण सरकारी परियोजनाओं में दो वर्ष के लिए बोली लगाने की अनुमति ऐसा ही एक निर्णय है। इसे महज़ व्यापारिक उदारीकरण मानना भूल होगी। यह उस द्वंद्व का प्रतीक है, जहाँ एक ओर आर्थिक विकास की आवश्यकता है, तो दूसरी ओर राष्ट्रीय सुरक्षा का अटल दायित्व। गलवान की रक्तरंजित स्मृतियाँ आज भी राष्ट्रीय चेतना में अंकित हैं, पूर्वी लद्दाख की वास्तविक नियंत्रण रेखा पर पूर्ण डी–एस्केलेशन अभी बाकी है और दोनों देशों के बीच विश्वास अब भी अधूरा है। फिर भी आर्थिक आवश्यकताओं ने संवाद के द्वार फिर खटखटाए हैं। प्रश्न केवल चीनी कंपनियों की वापसी का नहीं, बल्कि यह है कि क्या भारत इसे अपने रणनीतिक हितों के अनुरूप नियंत्रित कर पाएगा, या आर्थिक आवश्यकता धीरे–धीरे रणनीतिक निर्भरता में बदल जाएगी।हर बड़े राष्ट्रीय निर्णय के पीछे आर्थिक यथार्थ की कठोर परत होती है, जिसे अनदेखा नहीं किया जा सकता। भारत ऊर्जा संक्रमण, उच्च गति रेल, स्मार्ट सिटी, हरित अवसंरचना और नवीकरणीय ऊर्जा जैसी महत्त्वाकांक्षी परियोजनाओं के निर्णायक दौर में है। इनके लिए भारी निवेश के साथ उन्नत तकनीक, तीव्र निष्पादन क्षमता और प्रतिस्पर्धी लागत आवश्यक है। वैश्विक स्तर पर कई चीनी कंपनियाँ कम समय और लागत में विशाल परियोजनाएँ पूरी करने में सक्षम हैं। दूसरी ओर, पश्चिमी कंपनियाँ अपेक्षाकृत महँगी हैं, जबकि भारतीय उद्योग अभी सभी क्षेत्रों में आत्मनिर्भर नहीं हैं। ऐसे में सस्ता और सक्षम विकल्प आकर्षित करता है। किंतु इतिहास चेतावनी देता है कि आज का आर्थिक लाभ, यदि दूरदृष्टि न हो, तो कल रणनीतिक स्वतंत्रता पर बोझ बन सकता है।

यहीं आर्थिक आवश्यकता और राष्ट्रीय सुरक्षा का सबसे कठिन टकराव सामने आता है। सुरक्षा एजेंसियों की आशंकाएँ पूर्वाग्रह नहीं, बल्कि वैश्विक अनुभवों पर आधारित हैं। अनेक चीनी कंपनियों और उनकी सरकार के निकट संबंधों को लेकर कई देश चिंता जता चुके हैं। यदि ऐसी कंपनियों की पहुँच बिजली ग्रिड, दूरसंचार नेटवर्क, रेलवे, बंदरगाह और डिजिटल अवसंरचना जैसे अत्यंत संवेदनशील क्षेत्रों तक होती है, तो डेटा संग्रह, साइबर निगरानी, संभावित बैकडोर और लॉजिस्टिक नियंत्रण के जोखिम बढ़ जाते हैं। आज युद्ध केवल सीमाओं पर नहीं, बल्कि डेटा, डिजिटल नेटवर्क और महत्वपूर्ण अवसंरचनाओं पर भी लड़े जाते हैं। ऐसे में प्रश्न यही है कि क्या औपचारिक सुरक्षा जाँच और कागजी मंजूरियाँ इन अदृश्य खतरों से देश की रक्षा कर पाएँगी, या यही ढील भविष्य में राष्ट्रीय सुरक्षा की सबसे महँगी कीमत बन जाएगी।

विडंबना यह है कि जब विश्व आर्थिक संतुलन की नई दिशा तय कर रहा है, तब भारत एक अलग द्वंद्व से गुजर रहा है। आज विश्व चीन प्लस वन रणनीति के तहत अपनी आपूर्ति श्रृंखलाओं में चीन पर निर्भरता घटाकर भारत जैसे देशों की ओर आशा से देख रहा है। वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं का पुनर्गठन भारत के लिए ऐतिहासिक अवसर है, किंतु इसी समय भारत चीनी कंपनियों के लिए नए आर्थिक द्वार खोल रहा है। यह हमारी दोहरी वास्तविकता को उजागर करता है। एक ओर आत्मनिर्भर भारत का संकल्प है, तो दूसरी ओर वैश्विक उत्पादन व्यवस्था की जटिलता, जहाँ पूर्ण आर्थिक पृथक्करण व्यवहारिक नहीं। विशेषज्ञ चेतावनी देते हैं कि राष्ट्रीय हितों पर आधारित स्पष्ट शर्तों के बिना यह खुलापन तकनीकी निर्भरता, बाहरी नियंत्रण, आर्थिक दबाव और ऋण–जाल जैसी चुनौतियाँ बढ़ा सकता है। इसलिए निवेश का स्वागत तभी उचित है, जब वह भारत को सशक्त बनाए, निर्भर नहीं।स्पष्ट है कि इस चुनौती का उत्तर न अतिवादी विरोध में है, न बिना शर्त स्वीकार्यता में। भारत को विवेकपूर्ण, नियंत्रित और राष्ट्रीय सुरक्षा–आधारित सहयोग की नीति अपनानी होगी। चीनी कंपनियों की भागीदारी केवल गैर–संवेदनशील क्षेत्रों तक सीमित रहे। प्रत्येक परियोजना में डेटा लोकलाइजेशन, प्रौद्योगिकी हस्तांतरण, स्थानीय सामग्री और भारतीय साझेदारी सुनिश्चित हो तथा हर चरण में कठोर साइबर सुरक्षा ऑडिट कराया जाए। साथ ही घरेलू उद्योगों को अनुसंधान, नवाचार, वित्तीय सहयोग और तकनीकी प्रोत्साहन मिले, ताकि दीर्घकाल में भारत बाहरी तकनीकी निर्भरता से मुक्त हो सके। यदि सस्ती परियोजनाओं के आकर्षण में इन सुरक्षा उपायों की अनदेखी हुई, तो आज का आर्थिक लाभ कल की रणनीतिक कमजोरी बन सकता है। इस निर्णय की कूटनीतिक गूँज भी इसके आर्थिक प्रभावों जितनी दूरगामी है। लद्दाख में सैन्य और राजनयिक वार्ताएँ जारी हैं, किंतु विश्वास की पुनर्स्थापना अब भी अधूरी है। ऐसे समय में चीनी कंपनियों की वापसी का संदेश केवल बीजिंग ही नहीं, बल्कि पूरा विश्व देख रहा है। इसे एक ओर संतुलित और नियंत्रित सहयोग की नीति माना जा सकता है, तो दूसरी ओर यह आशंका भी है कि भारत अनजाने में अपने रणनीतिक प्रतिद्वंद्वी को आर्थिक अवसर दे रहा है। परिपक्व कूटनीति का अर्थ स्थायी शत्रुता नहीं, बल्कि राष्ट्रीय हितों के अनुरूप संतुलित संवाद है। किंतु यह तभी सार्थक होगा, जब उसकी नींव समानता, पारदर्शिता और पारस्परिक उत्तरदायित्व पर टिकी हो। आर्थिक संबंध किसी भी स्थिति में ऐसी निर्भरता में न बदलें, जो भविष्य में भारत की निर्णय–स्वतंत्रता को प्रभावित करे। वास्तविक कसौटी चीनी कंपनियों की वापसी नहीं, बल्कि भारत की रणनीतिक दूरदृष्टि और नीति–परिपक्वता है। न भावनात्मक चीन–विरोध आर्थिक उन्नति का आधार बन सकता है, न अल्पकालिक आर्थिक लाभ के लिए सुरक्षा संबंधी आशंकाओं की उपेक्षा की जा सकती है। भारत को ऐसा संतुलन स्थापित करना होगा, जहाँ विकास, आत्मनिर्भरता, वैश्विक निवेश और राष्ट्रीय सुरक्षा साथ–साथ आगे बढ़ें।

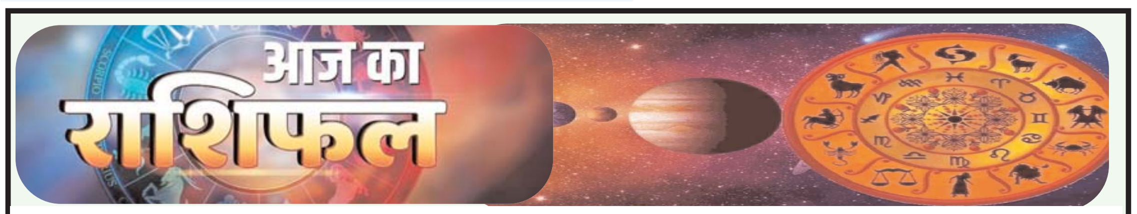

मेष राशि– आज का दिन आपके जीवन में यादगार रहेगा। असंभव सा लगने वाला काम आज पूरा हो जाएगा। आपका आर्थिक पक्ष मजबूत रहेगा। घर पर किसी दोस्त के यहाँ से पार्टी का इनविटेशन आ सकता है। आज सभी कामों से परे होकर आप प्रकृति के साथ कुछ सुकून के पल बिताएंगे। आर्ट्स स्टूडेंट्स के लिए दिन शानदार रहने वाला है।

वृष राशि– आज नये कार्यों में आपकी रुचि बढ़ेगी, जिससे आपको कुछ नया सीखने को मिलेगा। अपना ध्यान ईश्वर भक्ति में लगाये मन शांत रहेगा। आपका आर्थिक पक्ष पहले की अपेक्षा और भी अधिक मजबूत होगा। बच्चों के साथ आप कहीं घूमने की प्लानिंग करेंगे। आज आपको धन लाभ के बड़े अवसर मिलेंगे।

मिथुन राशि– आज का दिन आपके लकी रहेगा। आज आपकी कंपनी को किसी बड़ी कंपनी की ओर से डील करने का ऑफर मिलेगा। संगीत से जुड़े लोग किसी बड़े कॉन्सर्ट में हिस्सा लेंगे। घर पर अचानक करीबी मेहमान के आने की संभावना है।

कर्क राशि– आज के दिन आप तरोताजा महसूस करेंगे और आपका सेल्फ कॉमफिडेंस काफी अच्छा रहेगा।आज संडे को ऑफिस में एक्सट्रा वर्क करने से रुका हुआ काम पूरा हो जायेगा। आज किसी तरह के तर्क–वितर्क में पड़ने से आपको बचना चाहिए। अनुभवी लोगों का साथ आज आपको ऊर्जावान बनाए रखेगा और उनसे उचित मार्गदर्शन भी मिलता रहेगा।

सिंह राशि– आज के दिन आपको शुभ समाचार मिलने योग हैं। लॉ स्टूडेंट्स अपनी पढ़ाई–लिखाई में थोड़ा बदलाव करने की सोच सकते हैं, जो कि उनके भविष्य के लिए फायदेमंद साबित होगा। आपको अपने खान–पान में सावधानी रखने की जरूरत है आज जंक–फूड खाने से आपको बचना चाहिए।

कन्या राशि– आज के दिन धार्मिक कार्यों में आपका रुझान बढ़ेगा। आज सोशल साईट के जरिये आप नए लोगों से जुड़ेंगे। किसी काम के लिए योजना बनाने और फैसले लेने के लिए दिन शुभ है। आज बच्चे खेलकूद में व्यस्त रहेंगे।

तुला राशि– आज आपका दिन परिवार वालों के साथ बीतेगा। आज आपको जरूरतमंद लोगों की मदद करने का मौका मिलेगा। कार्यों में आ रही रूकावटें आज समाप्त हो जायेंगी। आज गुस्से में किसी से बात करने से आपको बचना चाहिए।

वृश्चिक राशि– आज के दिन आपके जीवन में नयापन लेकर आएगा। आपकी मनोकामनाएं पूरी होंगी जिससे आप कुछ और बेहतर करने का सोचेंगे। व्यापार के सिलसिले में आज आपको दूसरे शहर की यात्रा करनी पड़ सकती है। बच्चों द्वारा कोई शुभ समाचार मिलने से घर में ख़ुशी का माहौल रहेगा।

धनु राशि– आज का दिन आपके लिए सकारात्मक रहेगा। किसी प्रभावशाली व्यक्ति से आपकी मुलाकात होगी जिससे आप काफी मोटिवेट होंगे। विदेशी कंपनियों में जॉब के लिए प्रयासरत लोगों को आज खुशखबरी मिल सकती है। काम में सजगता और अनुशासन बनाए रखना जरूरी है आपको सफलता जरूर मिलेगी। व्यापार में आपको अचानक धन लाभ का अवसर प्राप्त होगा।

मकर राशि– आज आपका दिन व्यस्तता से भरा रहेगा। पारिवारिक जिम्मेदारियों को अच्छी तरह निभायेंगे। आज किसी से निजी समस्याओं को शेयर करने से आपको बचना चाहिए। आज इस राशि की महिलाएं घर से बाहर निकलते समय अपने पर्स आदि का खास ध्यान रखें।

कुंभ राशि– आज का दिन आपके जीवन में नया अवसर लेकर आएगा। आपको परिवार वालों का पूर्ण स्नेह और सहयोग प्राप्त होगा। आज आपके मित्र बहुत ही मददगार साबित होंगे। आज ऑफिस में आपके ड्रेस की तारीफ होगी, जिससे आप कॉन्फिडेंट और खुश हो जायेंगे।

मीन राशि– आज का दिन ठीक– ठाक रहेगा। व्यापार के मामले में आपके मन में नए–नए विचार आयेंगे। किसी काम में बड़े भाई की सलाह आज आपके लिए फायदेमंद साबित होगी। जिंदगी की भाग दौड़ में आज आप खुद को खुशनसीब पाएंगे। आज परिवार में सब कुछ अच्छा बना रहेगा।

पर्याप्त संसाधनों के बाद भी बाढ़ (अतिवृष्टि) और सूखे(अनावृष्टि) स्थिति हर वर्ष क्यों।

संजीव ठाकुर,

भारत भौगोलिक तौर पर बड़ा विशाल का देश है। जहां एक ओर हमारे पास विश्वस्तरीय वैज्ञानिक संस्थान, मौसम पूर्वानुमान प्रणाली, उपग्रह तकनीक, विशाल प्रशासनिक तंत्र और आपदा प्रबंधन के लिए अलग मंत्रालय है, तो दूसरी ओर हर वर्ष भीषण गर्मी, सूखा, अतिवृष्टि और बाढ़ लाखों लोगों का जीवन अस्त–व्यस्त कर देते हैं। जब संसाधनों की कमी नहीं है, तब तैयारी में कमी और इतनी जानमाल का नुकसान क्यों क्यों दिखाई देता है? यह समस्या किसी एक शहर, राज्य या क्षेत्र तक सीमित नहीं रही। राजस्थान, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र और उत्तर भारत के अनेक हिस्से भीषण लू और सूखे से जूझते हैं, वहीं असम, बिहार, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, केरल तथा महानगरों में कुछ घंटों की बारिश भी बाढ़ का रूप ले लेती है। हाल के दिनों में हिमाचल प्रदेश में बादल फटने और अचानक आई बाढ़ ने सड़कें, पुल और गांवों को भारी नुकसान पहुँचाया। इसी समय देश के कई भागों में भीषण गर्मी और लू का प्रकोप भी देखने को मिला।

यह केवल प्राकृतिक आपदा नहीं, बल्कि हमारी विकास नीति, प्रशासनिक तैयारी और दीर्घकालिक योजना की परीक्षा भी है जब मौसम विभाग कई दिन पहले भारी वर्षा, लू और चक्रवात की चेतावनी जारी करता रहता है, तब स्थानीय प्रशासन समय रहते पर्याप्त तैयारी में क्यों नहीं जुट पाता है? अक्सर राहत कार्य आपदा आने के बाद शुरू होते हैं। यदि पहले से जल निकासी की व्यवस्था, सुरक्षित आश्रय, पेयजल, चिकित्सा दल और आवश्यक सामग्री उपलब्ध करा दी जाए, तो जन–धन की हानि काफी कम की जा सकती है।

दूसरी बड़ी समस्या हमारी अनियोजित शहरीकरण की है। शहरों के तालाब, नाले और जलग्रहण क्षेत्र पाटकर भवन खड़े कर दिए गए। नदियों के प्राकृतिक मार्ग पर अतिक्रमण हुआ परिणामस्वरूप कुछ घंटों की तेज बारिश भी शहरों को जलमग्न कर देती है। दूसरी ओर वर्षा का वही पानी भूजल में नहीं समा पाता और कुछ ही महीनों बाद वही क्षेत्र जल संकट से जूझने लगता है। विडंबना यह है कि जिस पानी को बाढ़ के समय हम अभिशाप मानते हैं, उसी पानी की एक–एक बूंद के लिए गर्मियों में तरसते हैं। यदि बड़े पैमाने पर वर्षा जल संचयन, छोटे बाँध, तालाबों का पुनर्जीवन, चेक डैम और जल संरक्षण के कार्य निरंतर किए जाएँ तो बाढ़ का पानी भी भविष्य का अमृत बन सकता है।

जलवायु परिवर्तन ने स्थिति को और गंभीर बना दिया है। वैज्ञानिकों का मानना है कि अब वर्षा कम दिनों में अधिक तीव्रता से होती है और गर्मी की अवधि अधिक लंबी तथा अधिक प्रचंड होती जा रही है। यही कारण है कि कभी तापमान 48 से 50 डिग्री सेल्सियस तक पहुँच जाता है तो कहीं कुछ ही घंटों में महीनों जितनी वर्षा हो जाती है। विशेषज्ञ लगातार चेतावनी दे रहे हैं कि चरम मौसम की घटनाएँ अब नई सामान्य स्थिति बनती जा रही हैं।

इसके बावजूद हमारी अधिकांश योजनाएँ अभी भी पुराने मौसम चक्र को ध्यान में रखकर बनाई जाती हैं। शहरों की जल निकासी व्यवस्था दशकों पुरानी है, ग्रामीण क्षेत्रों में जल संरक्षण के कार्य पर्याप्त नहीं हैं और नदी तटों पर निर्माण आज भी जारी है।

आपदा प्रबंधन का अर्थ केवल राहत सामग्री बाँटना नहीं है। वास्तविक आपदा प्रबंधन वह है जिसमें आपदा आने से पहले जोखिम कम कर दिया जाए। विकसित देशों में पूर्व चेतावनी, सामुदायिक प्रशिक्षण, नियमित मॉक ड्रिल, आधुनिक संचार व्यवस्था और स्थानीय स्तर पर त्वरित निर्णय प्रणाली पर विशेष बल दिया जाता है। भारत में भी इन व्यवस्थाओं को गाँव–गाँव और वार्ड स्तर तक पहुँचाने की आवश्यकता है। सरकारों की जवाबदेही जितनी महत्वपूर्ण है, उतनी ही समाज की भी। जल स्रोतों को बचाना, वृक्षारोपण करना, प्लास्टिक और कचरे से नालियाँ न भरना, वर्षा जल संचयन अपनाना तथा स्थानीय जलाशयों का संरक्षण करना नागरिकों का भी कर्तव्य है। यदि समाज और शासन मिलकर कार्य करें, तभी स्थायी समाधान संभव है।

विशेषज्ञ बार–बार यह भी कहते हैं कि हर जिले का अलग जलवायु अनुकूलन योजना तैयार होना चाहिए। जिन क्षेत्रों में सूखा अधिक पड़ता है वहाँ जल संरक्षण और सूखा–रोधी खेती को बढ़ावा मिले, जबकि बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में नदी प्रबंधन, तटबंधों का वैज्ञानिक रखरखाव, जल निकासी और सुरक्षित पुनर्वास की स्थायी व्यवस्था हो।

हाल के वर्षों में यह भी स्पष्ट हुआ है कि केवल राहत कोष बढ़ाने से समस्या समाप्त नहीं होगी। आवश्यकता ऐसी विकास नीति की है जिसमें सड़क, पुल, भवन, कॉलोनियाँ और औद्योगिक क्षेत्र जलवायु परिवर्तन के जोखिमों को ध्यान में रखकर बनाए जाएँ। अस्पताल, विद्यालय, बिजली व्यवस्था और संचार तंत्र भी आपदा सहनशील होने चाहिए।

अंततः प्रश्न संसाधनों का नहीं, बल्कि दूरदृष्टि, इच्छाशक्ति और प्रभावी क्रियान्वयन का है। यदि हम हर वर्ष बाढ़ और सूखे के बाद केवल नुकसान का आकलन करते रहेंगे, तो आने वाले वर्षों में यह संकट और विकराल होगा। लेकिन यदि हम आज से जल संरक्षण, पर्यावरण संरक्षण, वैज्ञानिक योजना, स्थानीय भागीदारी और पूर्व तैयारी को राष्ट्रीय प्राथमिकता बना लें, तो आपदाओं की विभीषिका को काफी हद तक कम किया जा सकता है। प्रकृति हमें हर वर्ष चेतावनी दे रही है। अब निर्णय हमें करना है कि हम केवल राहत बाँटने वाला राष्ट्र बनना चाहते हैं या आपदाओं से पहले तैयारी करने वाला दूरदर्शी राष्ट्र। समय की यही सबसे बड़ी पुकार है।

प. बंगाल की 3 राज्यसभा सीटों पर उपचुनाव का ऐलान, 24 जुलाई को होगी वोटिंग

नई दिल्ली/कोलकाता (आरएनएस)। पश्चिम बंगाल की तीन राज्यसभा सीटों पर उपचुनाव का कार्यक्रम घोषित कर दिया गया है। तृणमूल कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं सुखेन्दु शेखर रॉय, सुष्मिता देव और प्रकाश चिक बड़ाईक के इस्तीफे के बाद ये तीनों सीटें रिक्त हुई थीं।

मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, चुनाव आयोग ने इन सीटों के लिए 24 जुलाई को मतदान और मतगणना कराने का निर्णय लिया है। सभी प्रक्रियाएं इसी दिन पूरी की जाएंगी।

इन उपचुनावों को मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और उनकी पार्टी तृणमूल कांग्रेस के लिए राजनीतिक रूप से अहम माना जा रहा है। माना जा रहा है कि पार्टी इन सीटों पर अपनी मजबूत पकड़ बनाए रखने की कोशिश करेगी, जबकि विपक्ष भी चुनावी मुकाबले को रोचक बनाने की तैयारी में है।

अब सभी की नजर उम्मीदवारों के चयन और चुनावी रणनीति पर टिकी है, क्योंकि इन उपचुनावों के नतीजों का असर राज्य की राजनीतिक तस्वीर पर भी पड़ सकता है।

मुंबई के मानखुर्द में भारी बारिश के बीच बड़ा हादसा, तीन मंजिला बिल्डिंग का हिस्सा गिरने से छह की मौत

मुंबई,(आरएनएस)। मुंबई में लगातार हो रही मूसलाधार बारिश के बीच बड़ा हादसा हो गया. भारी बारिश के बीच, तीन मंजिला 'चॉल' ढह जाने से कम से कम 6 लोगों की मौत हो गई और कई घायल हो गए. BMC के अधिकारियों के अनुसार, चार महिलाओं और एक पुरुष को नगर निकाय द्वारा संचालित शताब्दी अस्पताल में 'मृत अवस्था में' लाया गया. एक अन्य पुरुष को राजावाड़ी अस्पताल में डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया।

हादसे की सूचना पर पहुंची दमकल और दूसरी एजेंसियों ने एक व्यक्ति को रेस्क्यू करके अस्पताल भेजा. हादसे में मरने वालों में चार महिलाएं और दो पुरुष शामिल हैं।

मुंबई के मानखुर्द में एक तीन मंजिला चाल ढह गई, जिसमें चार-पांच लोगों के फंसे होने की आशंका है. जनता नगर स्थित हनुमान मंदिर के पीछे चाल नंबर-5 में ग्राउंड प्लस तीन मंजिला संरचना की दो से तीन झोपड़ीनुमा इकाइयां अचानक ढह गईं. शुरुआती जानकारी के अनुसार चार से पांच लोगों के मलबे में फंसे होने की आशंका है. वहीं इस हादसे में 6 लोगों की मौत हो गई है. मरने वालों में 4 महिलाएं और 2 पुरुष शामिल हैं।

BMC ने बताया कि लगातार हो रही भारी बारिश के बीच ग्राउंड प्लस तीन मंजिला संरचना का कुछ हिस्सा अचानक ढह गया. अधिकारियों के अनुसार, यह हादसा रात करीब साढ़े आठ बजे हनुमान मंदिर के पीछे स्थित जनता नगर की चॉल नंबर-5 में हुआ. उन्होंने बताया कि एक घायल पुरुष का इलाज बीएमसी द्वारा संचालित राजावाड़ी अस्पताल में किया जा रहा ह

मणिपुर में हथियारबंद लोगों ने की गोलीबारी, 8 साल की बच्ची और महिला घायल

इंफाल, (आरएनएस)। मणिपुर के कांगपोकपी जिले में सशस्त्र समूहों द्वारा की गई गोलीबारी में दो लोग घायल हो गए। घायलों में एक 8 साल की बच्ची और 56 साल की महिला शामिल है। दोनों घायलों को पहले असम राइफल्स के कैंप में प्राथमिक उपचार दिया गया। इसके बाद इन्हें रविवार देर रात इलाज के लिए इंफाल लाया गया।थिंगखोंगजांग गांव में गोलीबारी हुई। पुलिस ने सोमवार को बताया कि घायलों की पहचान नेन्गनेइचोंग किपगेन (56) और लामनेइंगा किपगेन (8) के रूप में हुई है। फिहलाल इनका इलाज इंफाल के रीजनल इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (RIMS) में चल रहा है।

देश की एकता से समझौता करने वालों को इतिहास ने नकारा : सीएम योगी

लखनऊ,(आरएनएस)। यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की 125वीं जयंती पर उन्हें भारत माता का महान सपूत, प्रखर स्वतंत्रता सेनानी और दूरदर्शी राष्ट्रवादी बताते हुए श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि डॉ. मुखर्जी ने देश की एकता और अखंडता के लिए एक देश में दो विधान, दो प्रधान और दो निशान नहीं चलेंगे का उद्घोष किया था, जिसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार ने जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 का निरसन हटाकर साकार किया। लखनऊ में आयोजित पुष्पांजलि कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी केवल एक शिक्षाविद या राजनेता नहीं थे, बल्कि देश की अखंडता के लिए अपना सर्वस्व समर्पित करने वाले राष्ट्रनायक थे। उन्होंने कहा कि मात्र 33 वर्ष की आयु में कोलकाता विश्वविद्यालय के कुलपति बने मुखर्जी ने शिक्षा और सार्वजनिक जीवन में उल्लेखनीय योगदान दिया। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि देश के विभाजन के समय जब पूरे बंगाल को पाकिस्तान में मिलाने की कोशिश हो रही थी, तब डॉ. मुखर्जी उसके खिलाफ मजबूती से खड़े हुए। उन्होंने कहा कि आज पश्चिम बंगाल भारत का हिस्सा है तो उसमें डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की भूमिका को

श्री अमरनाथ यात्रा 2026: पहलगाम के नुनवान बेस कैंप से चौथा और जम्मू से पांचवा जत्था रवाना, श्रद्धालुओं में उत्साह

पहलगाम(आरएनएस)। जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने अमरनाथ यात्रा की व्यवस्थाओं का जायजा लेने के लिए नुनवान और चंदनवाड़ी का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने श्रद्धालुओं से बातचीत की। वहीं, पहलगाम के नुनवान बेस कैंप से श्रद्धालुओं का चौथा जत्था रवाना किया गया। पहलगाम से अमरनाथ यात्रा पर रवाना हो रही एक महिला श्रद्धालु ने कहा, मैं दूसरी बार आई हूं और काफी उत्साहित हूं। बाबा का आशीर्वाद हम सभी पर है। हमारी सेना बहुत अच्छा काम कर रही है। इसमें कोई शक नहीं है। सेना हर स्तर पर सहयोग कर रही है। मैं बस यही चाहती हूं कि लोग भी सेना का पूरा सहयोग करें, क्योंकि यह बहुत जरूरी है। पहलगाम से रवाना होने वाली एक अन्य महिला श्रद्धालु ने बताया, मैं दिल्ली से आई हूं। मैंने वहां ऑफलाइन पंजीकरण कराया था। मुझे वहां किसी तरह की परेशानी नहीं हुई। यहां भी एयरपोर्ट पर आसानी से आरएफआईडी मिल गया।इस बीच, जम्मू से श्री अमरनाथ यात्रा के लिए तीर्थयात्रियों का पांचवां जत्था श्रीनगर के लिए रवाना किया गया। आईएएनएस से बातचीत में एक श्रद्धालु ने कहा कि यहां की सेवा-व्यवस्था बहुत अच्छी है और दोनों महंतों का आशीर्वाद सभी श्रद्धालुओं पर है। उन्होंने कहा कि व्यवस्थाएं जिस तरह से संचालित की जा रही हैं, उसे देखते हुए साधुओं की संख्या लगातार बढ़ रही है।श्रद्धालु ने आगे कहा कि प्रशासन और सरकार जिस तरह से काम कर रहे हैं, उससे श्रद्धालुओं को यात्रा के लिए बेहतर माहौल मिला है। उन्होंने कहा कि अनुच्छेद 370 हटने के बाद यहां का शांतिपूर्ण वातावरण यह दर्शाता

है कि सरकार और सुरक्षा बल यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं की सुरक्षा और सुविधा के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ काम कर रहे हैं।

आईएएनएस से बातचीत में एक अन्य श्रद्धालु ने कहा, मैं प्रार्थना करता हूं कि ईश्वर की कृपा से ये व्यवस्थाएं बिना किसी रुकावट के चलती रहें। मैं प्रशासन से अनुरोध करता हूं कि प्रभु के आशीर्वाद से ऐसी व्यवस्थाएं आगे भी लगातार बनी रहें। बहुत बड़ा बदलाव आया है।

उधर, सांबा में डिविजनल कमिश्नर रमेश कुमार ने अमरनाथ यात्रियों के लिए चिची माता लॉजमेंट सेंटर में उपलब्ध सुविधाओं का निरीक्षण किया। उन्होंने अधिकारियों को श्रद्धालुओं के ठहरने, भोजन और पेयजल की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इस दौरान डिप्टी कमिश्नर आयुषी सूदन भी मौजूद थीं

नितिन नवीन का दो दिवसीय जम्मू दौरा शुरू, युवा संवाद के साथ वैष्णो देवी के दरबार में टेकेंगे माथा

जम्मू,(आरएनएस)। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन सोमवार से जम्मू-कश्मीर के दो दिवसीय प्रवास पर पहुंच रहे हैं। राष्ट्रीय अध्यक्ष का पद संभालने के बाद यह उनका पहला राज्य दौरा है। इस यात्रा के पहले दिन वे जम्मू के मिश्रीवाला इलाके में जनसंघ के संस्थापक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित एक भव्य सम्मेलन में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। इसके अगले दिन यानी सात जुलाई को वे डोगरा चौक पर पंडित प्रेमनाथ डोगरा को श्रद्धासुमन अर्पित करेंगे। इस दो दिवसीय प्रवास के दौरान वे स्थानीय युवाओं से सीधा संवाद करने के साथ-साथ कई महत्वपूर्ण संगठनात्मक गतिविधियों का हिस्सा भी बनेंगे।

राष्ट्रीय अध्यक्ष के आगमन की भव्य तैयारियां इस महत्वपूर्ण दौरे की सफलता सुनिश्चित करने के लिए पार्टी के वरिष्ठ नेताओं और पदाधिकारियों ने मिश्रीवाला स्थित कार्यक्रम स्थल का बारीकी से निरीक्षण किया और व्यवस्थाओं को अंतिम रूप दिया। इस दौरान पार्टी के विभिन्न विंगों और प्रबंध समितियों के साथ लगातार समीक्षा बैठकें की गईं ताकि कार्यक्रम में आने वाले हजारों कार्यकर्ताओं को किसी असुविधा का सामना न करना पड़े।

भारत के लिए राहत की खबर, होर्मुज स्ट्रेट से निकले उर्वरक से लदे 15 जहाज

नई दिल्ली,(आरएनएस)। पश्चिम एशिया (मिडिल ईस्ट) में जारी भू-राजनीतिक तनाव में कमी आने का सीधा और सकारात्मक असर अब भारतीय कृषि और अर्थव्यवस्था पर दिखाई देने लगा है। वैश्विक संकट के बीच स्ट्रेट ऑफ होर्मुज (Hormuz Strait) से उर्वरक और आवश्यक कच्चा माल लेकर निकले 15 मालवाहक जहाज सुरक्षित रूप से आगे बढ़ चुके हैं। इस बेहद महत्वपूर्ण और राहत भरी प्रगति की आधिकारिक जानकारी केंद्रीय रसायन एवं उर्वरक मंत्री जगत प्रकाश नड्डा ने साझा की है। रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, स्ट्रेट ऑफ होर्मुज के संवेदनशील समुद्री मार्ग को पार कर भारत की ओर आ रहे इन 15 जहाजों में बड़े पैमाने पर फर्टिलाइजर का स्टॉक मौजूद है। इनमें से आठ जहाजों के जरिए 3.32 लाख मीट्रिक टन (LMT) यूरिया, चार जहाजों से 2.57 LMT डीएपी (DAP) और तीन जहाजों के माध्यम से 1.11 LMT सल्फर भारत लाया जा रहा है। राहत का यह सिलसिला यहीं नहीं थम रहा, बल्कि आने वाले दिनों में 5 और अतिरिक्त जहाजों के भी जल्द ही भारतीय बंदरगाहों पर पहुंचने की उम्मीद है।वैश्विक स्तर पर पैदा हुए इस आर्थिक और सामरिक संकट पर बोलते हुए केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने कहा कि पश्चिम एशिया में भड़के सैन्य संघर्ष ने पूरी दुनिया की सप्लाई चेन (आपूर्ति व्यवस्था) को छिन्न-भिन्न कर दिया था। इसके दुष्परिणामस्वरूप अंतरराष्ट्रीय बाजार में उर्वरकों के दाम आसमान छूने लगे थे और समुद्री रास्तों में बढ़े जोखिम के कारण शिपमेंट पहुंचने की समय-सीमा भी काफी बढ़ गई थी।

थल सेना प्रमुख जनरल धीरज सेठ और उनकी पत्नी कोमल सेठ ने नई दिल्ली में राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु से मुलाकात की।

योगी कैबिनेट का फैसला, जलालाबाद का नाम बदलकर होगा परशुरामपुरी

लखनऊ,(आरएनएस)। उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में सोमवार को हुई कैबिनेट बैठक में जलालाबाद का नाम बदलकर परशुरामपुरी किए जाने के प्रस्ताव समेत 28 महत्वपूर्ण प्रस्तावों को मंजूरी दे दी गई।

बैठक में कुल 29 प्रस्ताव रखे गए थे, जिनमें से एक मदरसा शिक्षा से जुड़ा प्रस्ताव फिलहाल स्थगित कर दिया गया। कैबिनेट ने स्टार्टअप नीति-2026, उत्तर प्रदेश स्टार्टअप मिशन, होमगार्डों के लिए पांच लाख रुपए तक की कैशलेस स्वास्थ्य सुविधा, मुख्यमंत्री जोखिम प्रबंधन एवं पशुधन बीमा योजना और तीन निजी विश्वविद्यालयों की स्थापना जैसे कई अहम प्रस्तावों पर भी मुहर लगाई। कैबिनेट मंत्री सुरेश कुमार खन्ना ने बताया कि शाहजहांपुर के जलालाबाद का नाम बदलकर परशुरामपुरी किया गया है। यह स्थान भगवान परशुराम की जन्मस्थली के रूप में मान्यता रखता है। केंद्र सरकार से अनापत्ति (एनओसी) मिलने के बाद राज्य मंत्रिमंडल ने इस प्रस्ताव को अंतिम मंजूरी दे दी।उन्होंने आगे कहा कि राज्य सरकार ने प्रदेश में नवाचार और उद्यमिता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से उत्तर प्रदेश स्टार्टअप नीति-2026 और उत्तर प्रदेश स्टार्टअप मिशन के गठन को भी मंजूरी दी। सोसायटी पंजीकरण अधिनियम के तहत गठित होने वाले इस मिशन की संचालन समिति की अध्यक्षता मुख्य सचिव करेंगे। सरकार ने स्टार्टअप इकोसिस्टम को मजबूत करने के लिए एक हजार करोड़ रुपए के स्टार्टअप फंड, प्रोटोटाइप और सीड कैपिटल सहायता तथा इनक्यूबेटरों को वार्षिक अनुदान का भी प्रावधान किया है।

सहकारिता मंत्रालय के 5 साल पूरे, पीएम मोदी के फैसले से आंदोलन को मिला नया जीवन : अमित शाह

नई दिल्ली, (आरएनएस)। सहकारिता मंत्रालय के पांच साल पूरे होने के मौके पर राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह सहित कई अन्य गणमान्य लोग शामिल हुए। इस खास मौके पर केंद्रीय मंत्री ने अपने संबोधन में सहकारिता क्षेत्र की उपलब्धियों को रेखांकित किया और बताया कि कैसे इसकी शुरुआत हुई? केंद्रीय मंत्री अमित शाह ने कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज ही के दिन केंद्रीय सहकारिता मंत्रालय को केंद्र सरकार में प्रस्तावित करने का काम किया था। सभी सहकारिता सदस्यों की ओर से प्रधानमंत्री का धन्यवाद करना चाहूंगा। प्रधानमंत्री के इस फैसले ने सहकारिता आंदोलन को नए चरण में ले जाने का काम किया है। 75 वर्षों में सहकारिता आंदोलन उपेक्षित रहा। इसे हमेशा दोयम दर्जे को जाना गया। लेकिन, प्रधानमंत्री ने इसे एक सदी तक आगे बढ़ाने का काम किया है और उनके एक फैसले से ही करोड़ों लोगों को फायदा पहुंचा है। सहकारिता मंत्रालय ने सहकारिता क्षेत्र को नया प्राण देने का काम किया है। केंद्रीय मंत्री अमित शाह के मुताबिक, आज की तारीख में सहकारिता मंत्रालय के पांच साल पूरे हो चुके हैं। ऐसी स्थिति में हमारे लिए यह जरूरी हो जाता है कि हम आपको अपने मंत्रालय की उपलब्धियों से अवगत कराएं। साथ ही, अपनी भावी रोडमैप के बारे में भी बताए। जब केंद्रीय सहकारिता मंत्रालय का गठन किया जा रहा था, तब कई लोग इसका विरोध कर रहे थे।

विरोधियों का कहना था कि सहकारिता मंत्रालय राज्य का विषय है, लिहाजा केंद्र सरकार को इसमें दखल नहीं देना चाहिए, लेकिन मैं एक बात कहना चाहता हूं कि आज जब हमारा मंत्रालय पांच साल पूरा कर चुका है तो आज तक किसी भी विरोधी दल ने कोई विरोध नहीं किया। इन पांच साल में सहकारिता मंत्रालय ने यह साबित कर दिया है कि हम राज्य सरकार के काम में दखल देने के लिए नहीं, बल्कि उनकी मदद के लिए हैं।उन्होंने कहा कि सहकारिता मंत्रालय ने इन

पांच साल में समस्याओं को पहचान कर उसके निदान की दिशा में कदम बढ़ाए हैं। हमने यह सुनिश्चित किया है कि हमारे कामों से प्रदेश के विकास को नई गति मिले। जब कभी सहकारिता आंदोलन का इतिहास लिखा जाएगा, तो उसे स्वर्णिम अक्षरों से लिखा जाएगा। आज हमने कई परियोनजाएं शुरू की हैं, जो पहले पाइपलाइन में थीं। एनडीए की परंपरा रही है कि जब कभी हमें शासन मिला, तो हमने इस देश के दबे कुचले लोगों को बल देने का काम किया। जब अटल जी प्रधानमंत्री बनें, तो उन्होंने जनजातीय मंत्रालय की शुरुआत की। इसी तरह जब नरेंद्र मोदी प्रधानमंत्री बनें तो उन्होंने जलशक्ति मंत्रालय की शुरुआत की। इसी तरह मत्स्य मंत्रालय और पशुपालन और डेयरी मंत्रालय की शुरुआत की।

तीनों सेनाओं की सर्वोच्च कमांडर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु से मिले थलसेना प्रमुख

दिल्ली ,(आरएनएस)। भारतीय सेना प्रमुख जनरल धीरज सेठ ने भारत की राष्ट्रपति एवं तीनों सेनाओं की सर्वोच्च कमांडर द्रौपदी मुर्मु से शिष्टाचार भेंट की है। जनरल धीरज सेठ अपनी पत्नी कोमल सेठ के साथ राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति से मुलाकात करने पहुंचे थे। यह मुलाकात भारतीय सैन्य नेतृत्व और राष्ट्र के सर्वोच्च संवैधानिक पद के बीच परंपरागत संवाद एवं विश्वास का महत्वपूर्ण प्रतीक मानी जाती है। गौरतलब है कि यह भेंट ऐसे समय हुई है जब जनरल धीरज सेठ ने हाल ही में भारतीय सेना के 31वें थलसेना प्रमुख के रूप में कार्यभार संभाला है। सेना की कमान संभालने के बाद राष्ट्रपति से उनकी यह उनकी पहली मुलाकात है। यह मुलाकात इसलिए भी विशेष महत्व रखती है, क्योंकि राष्ट्रपति भारतीय सशस्त्र सेनाओं की सर्वोच्च कमांडर हैं। राष्ट्रपति व सेना के शीर्ष नेतृत्व के साथ समय-समय पर राष्ट्रीय सुरक्षा एवं सैन्य तैयारियों से जुड़े विषयों पर संवाद की परंपरा रही है।राष्ट्रपति भवन में आयोजित इस भेंट के दौरान जनरल धीरज सेठ और कोमल सेठ ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु से मुलाकात कर उनका अभिवादन किया। यह मुलाकात भारतीय सेना और राष्ट्रपति भवन के बीच संस्थागत संबंधों तथा सैन्य परंपराओं को आगे बढ़ाने का प्रतीक भी है। सेना प्रमुख, जनरल धीरज सेठ बख्तरबंद कोर के एक अनुभवी अधिकारी हैं और उन्होंने अपने लंबे सैन्य करियर में अनेक महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां निभाई हैं।

बॉयफ्रेंड को घर बुलाया और फिर कुल्हाड़ी से काट डाली गर्दन, हाथ-पैर और मुंह भी बांधा

फरीदकोट,(आरएनएस)। पंजाब के फरीदकोट जिले में 26 वर्षीय युवक की कथित तौर पर घर बुलाकर बेरहमी से हत्या किए जाने का मामला सामने आया है। पुलिस ने मृतक के परिजनों की शिकायत के आधार पर एक महिला, उसके पति, पिता और भाई के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मृतक की पहचान धारा सिंह कॉलोनी निवासी अर्शदीप सिंह (26) के रूप में हुई है। वह मूल रूप से गांव हसनभट्टी का रहने वाला था। अर्शदीप शादीशुदा था।

मृतक के पिता हरनेक सिंह, जो पंजाब पुलिस की कमांडो बटालियन में हेड कांस्टेबल हैं और वर्तमान में चंडीगढ़ में तैनात हैं, ने आरोप लगाया कि गांव पिपली की रहने वाली विवाहित महिला हरप्रीत कौर ने अर्शदीप को मिलने के लिए अपने घर बुलाया था। उनका आरोप है कि वहां महिला ने अपने पति, पिता और भाई के साथ मिलकर पहले अर्शदीप के हाथ-पैर और मुंह बांध दिए, फिर तेजधार हथियार (कुल्हाड़ी) से हमला कर उसकी हत्या कर दी।

संबंध बनाने का दबाव बनाने का आरोप

हरनेक सिंह के अनुसार, अर्शदीप ने कुछ समय पहले उन्हें बताया था कि हरप्रीत कौर उस पर संबंध बनाए रखने का दबाव बना रही थी। इस पर उन्होंने बेटे से कहा था कि जरूरत पड़ने पर पंचायत के साथ महिला के मायके जाकर बात करेंगे।उन्होंने बताया कि रविवार को अर्शदीप घर से लापता हो गया। काफी तलाश के बाद संदेह होने पर वे गांव पिपली पहुंचे, जहां हरप्रीत कौर के घर से अर्शदीप का शव बरामद हुआ।

हाथ-पैर बंधे मिले, हत्या का आरोप

परिजनों का कहना है कि शव मिलने के समय अर्शदीप के हाथ-पैर और मुंह बंधे हुए थे तथा उसके शरीर पर तेजधार हथियार से किए गए हमले के निशान थे। हरनेक सिंह ने हरप्रीत कौर, उसके पति सिमरजीत सिंह, पिता चमकौर सिंह उर्फ कौर सिंह और भाई सतनाम सिंह पर हत्या का आरोप लगाया है।

उत्तराखंड में लगातार बारिश से भूस्खलन, बद्रीनाथ राष्ट्रीय राजमार्ग सहित कई प्रमुख मार्ग ठप

देहरादून,(आरएनएस)। उत्तराखंड में सोमवार रात भर हुई लगातार बारिश ने जनजीवन को बुरी तरह से बाधित कर दिया, जिससे भूस्खलन हुआ, बद्रीनाथ राष्ट्रीय राजमार्ग सहित कई प्रमुख मार्ग अवरुद्ध हो गए और कई ग्रामीण क्षेत्रों का संपर्क टूट गया। मौजूदा मौसम की स्थिति को देखते हुए अधिकारियों ने प्रभावित जिलों में स्कूलों को बंद करने का भी आदेश दिया। मलबा और लगातार पत्थर गिरने के कारण भानारपानी, गुलाबकोटी और बिरही-निजमूला सहित कई स्थानों पर बद्रीनाथ राष्ट्रीय राजमार्ग अवरुद्ध हो गया है। अधिकारियों ने बताया कि मरम्मत का काम जारी है जबकि जनसुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए एहतियाती उपाय के तौर पर इन हिस्सों पर वाहनों की आवाजाही निलंबित कर दी गई है।

मुंबई में प्राइवेट ऑफिस को वर्क फ्रॉम होम का निर्देश, 16 ट्रेनें रद्द 9 का डायवर्जन

मुंबई,(आरएनएस)। मुंबई में लगातार हो रही भारी बारिश से जनजीवन प्रभावित हो गया है। कर्जत-लोनावला के बीच भोर घाट सेक्शन में भूस्खलन होने के कारण मुंबई-पुणे रेल मार्ग पर ट्रेन सेवाएं प्रभावित हुई हैं। इस संबंध में सेंट्रल रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी (सीपीआरओ) स्वप्निल नीला ने जानकारी दी। स्वप्निल नीला ने बताया कि लगातार बारिश के कारण कर्जत-खोपोली रेल मार्ग प्रभावित हुआ है। पिछले तीन दिनों से हो रही भारी बारिश के चलते कर्जत-लोनावला के बीच भोर घाट सेक्शन में भूस्खलन हुआ है। इसकी सूचना सभी संबंधित अधिकारियों को दे दी गई है। उन्होंने बताया कि इस मार्ग के तीनों रेल ट्रैक प्रभावित हुए हैं। सीपीआरओ के अनुसार, भूस्खलन की घटना में किसी ट्रेन या यात्री को कोई नुकसान नहीं पहुंचा है। मुंबई से पुणे जाने वाली लगभग 16 ट्रेनें रद्द कर दी गई हैं, जबकि 9 ट्रेनों का मार्ग परिवर्तित (डायवर्ट) किया गया है। उन्होंने लोगों से अपील की कि अत्यंत आवश्यक होने पर ही यात्रा करें और सफर से पहले रेलवे द्वारा जारी ताजा अपडेट अवश्य देख लें।

मुंबई सेंट्रल रेलवे की ओर से जानकारी दी गई है कि ट्रेन नंबर 69174 दहानू रोड-बोरीवली को विरार में ही रोक दिया गया है (शॉर्ट-टर्मिनेट) और यह विरार और बोरीवली के बीच रद्द रहेगी। ट्रेन नंबर 69139 बोरीवली-वलसाड मेमो बोरीवली के बजाय विरार से चलेगी और यह बोरीवली और विरार के बीच रद्द रहेगी।

POK में पाकिस्तान के खिलाफ बगावत तेज, JAAC नेता ने भारत से मांगी मदद; एलओसी खोलने की उठी

इस्लामाबाद (ए.) । पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में जारी अशांति के बीच जॉइंट अवामी एक्शन कमिटी (जेएएसी) के नेता सरदार अमन खान ने भारत के साथ बेहतर संबंध स्थापित करने और मानवीय सहायता उपलब्ध कराने की अपील की है। उन्होंने आरोप लगाया कि विरोध-प्रदर्शनों के बाद पाकिस्तान सरकार ने इलाके में आर्थिक नाकेबंदी जैसी स्थिति पैदा कर दी है, जिससे लोगों को खाद्य सामग्री और दवाइयों की भारी कमी का सामना करना पड़ रहा है।सरदार अमन खान ने नई दिल्ली से मानवीय सहायता भेजने और नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर आवाजाही की अनुमति देने की मांग की। उनका कहना है कि यदि हालात और बिगड़ते हैं तो आम नागरिकों के पास भारत आने का विकल्प होना चाहिए।सोशल मीडिया पर वायरल एक वीडियो में अमन खान कथित तौर पर कहते सुनाई दे रहे हैं, "हमें भारत की मदद चाहिए। राशन की कमी है और हमें आपकी सहायता की जरूरत है।" उन्होंने दावा किया कि सुरक्षा बलों की कार्रवाई के कारण पीओके में गंभीर मानवीय संकट पैदा हो गया है। हालांकि, इस वीडियो की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हो सकी है।रावलकोट के ईदगाह मैदान में आयोजित एक जनसभा को संबोधित करते हुए अमन खान ने लोगों से पूछा कि क्या उन्हें नियंत्रण रेखा की

ओर बढ़ना चाहिए। इस पर भीड़ ने कथित तौर पर "उसकी ओर बढ़ें" के नारे लगाए। उन्होंने यह भी कहा कि यदि लोगों की मांगों का जवाब गोलियों से दिया गया तो उनके पास दूसरे रास्ते भी होंगे।

जेएएसी नेता ने पुंछ और डोडा सेक्टर में एलओसी खोलने की भी मांग की। उनका आरोप है कि इस्लामाबाद की सख्ती ने क्षेत्र के लोगों की परेशानियां और बढ़ा दी हैं।

पीओके में पिछले महीने से पाकिस्तानी प्रशासन के खिलाफ बड़े पैमाने पर विरोध-प्रदर्शन जारी हैं। हाल ही में ईदगाह मैदान में आयोजित एक बड़ी रैली में प्रदर्शनकारियों ने कथित तौर पर "पीओके पाकिस्तान का हिस्सा नहीं है" और "हमें आजादी चाहिए" जैसे नारे लगाए।

विश्लेषकों का मानना है कि शुरुआत में स्थानीय समस्याओं और सुधारों की मांग को लेकर शुरू हुआ आंदोलन अब पाकिस्तान के राजनीतिक नियंत्रण के खिलाफ खुली असंतोष की अभिव्यक्ति बनता जा रहा है। उनका कहना है कि यह स्थिति स्थानीय जनता और इस्लामाबाद के अधीन क्षेत्रीय प्रशासन के बीच बढ़ती दूरी को भी दर्शाती है।जानकारों के अनुसार, जेएएसी पर प्रतिबंध लगाने और प्रदर्शनकारियों के खिलाफ बल प्रयोग का फैसला क्षेत्र में बढ़ते विरोध को दबाने की व्यापक रणनीति का हिस्सा माना जा रहा है। 5 जून को पाकिस्तानी प्रशासन ने जेएएसी को गैर-कानूनी घोषित करते हुए उसे आतंकवादी संगठन करार दिया था।इंटरनेशनल सेंटर फॉर पीस स्टडीज की एक हालिया रिपोर्ट के अनुसार, इस्लामाबाद लंबे समय से पाकिस्तान की मुख्यधारा की राजनीतिक पार्टियों के माध्यम से पीओके और पाकिस्तान के कब्जे वाले गिलगित-बाल्टिस्तान (पीओजीबी) पर राजनीतिक नियंत्रण बनाए हुए है। रिपोर्ट में कहा गया है कि पाकिस्तान में सत्ता में रहने वाली पार्टी का इन क्षेत्रों के चुनावों में लगातार जीतना एक ऐसा पैटर्न है, जिसे महज संयोग नहीं माना जा सकता।

नेपाल में पांच साल के भीतर दो दर्जन से अधिक वैश्विक 'होटल चेन' ने की एंट्री

काठमांडू,(आरएनएस)। पांच वर्षों के भीतर नेपाल के होटल उद्योग में प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय ब्रांडों का प्रवेश बढ़ा है। वर्ष 2020 में कोरोना महामारी और उसके बाद अर्थव्यवस्था के अधिकांश क्षेत्रों में सुस्ती के बावजूद अंतरराष्ट्रीय होटल ब्रांडों ने नेपाल के पर्यटन क्षेत्र में निवेश और विस्तार में रुचि दिखाई है।पर्यटन विभाग के अनुसार देशभर में 41 नए होटल और रिसॉर्ट विभिन्न चरणों में स्वीकृति प्रक्रिया से गुजर रहे हैं। इनमें से अधिकांश अंतरराष्ट्रीय होटल चेन के साथ प्रबंधन समझौते की तैयारी में हैं। वर्तमान में नेपाल में पंजीकृत स्टार श्रेणी के होटल और रिसॉर्ट की संख्या 335 पहुंच चुकी है।एक महीने पहले दुनिया भर में 9,800 से अधिक होटल संचालित करने वाली मेरियट इंटरनेशनल के अध्यक्ष डेविड मेरियट स्वयं नेपाल पहुंचे और तीन प्रीमियम ब्रांडों के संचालन के लिए समझौते पर हस्ताक्षर किए। उन्होंने अन्य होटल परियोजनाओं का भी निरीक्षण किया और कहा कि नेपाल में होटल उद्योग के विस्तार की अपार संभावनाएं हैं।

नेतन्याहू ने अमेरिका को अपना इकलौता समर्थक होने से नकारा, कहा- भारत से जबरदस्त समर्थन प्राप्त

यरूशलम,(आरएनएस)। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस के इस दावे का खंडन किया कि इजरायल का अमेरिका के अलावा कोई और समर्थक नहीं है।

उन्होंने कहा कि इजरायल के दुनिया भर में कई देश हैं और उनको भारत से भी जबरदस्त समर्थन प्राप्त है। उन्होंने एक बार फिर दोहराया कि जब तक वह प्रधानमंत्री हैं,, ईरान के पास परमाणु हथियार नहीं होंगे।

नेतन्याहू ने माना कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप व्हाइट हाउस में इजरायल अब तक के सबसे अच्छे दोस्त हैं, लेकिन इस बात से इनकार किया कि वह एकमात्र ऐसे दोस्त हैं। नेतन्याह ने कहा, भारत में 140 करोड़ लोग हैं। और हमें वहां जबरदस्त समर्थन प्राप्त है। उन्होंने फेसबुक पेज पर मिलने वाले समर्थन पर कहा, आप जानते हैं, मेरा फेसबुक पर काफी प्रभाव है और मुझे वहां जबरदस्त समर्थन प्राप्त है। और भी का समर्थन है।

नेतन्याहू ने यह भी कहा कि कई देश उनकी सेना के कार्यों और साइबर तकनीक के बारे में जानने के लिए उत्सुक रहते हैं। नेतन्याहू ने बताया, वे कहते हैं, क्या हम कुछ समझौते कर सकते हैं, और क्या आप अपनी सेना के कार्यों के बारे में सिखा सकते हैं, और क्या हम आपकी एआई और साइबर विशेषज्ञता का लाभ उठा सकते हैं? नेतन्याहू ने कहा कि इजरायल साइबर क्षेत्र में दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा देश है।

वेंस ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा था, डोनाल्ड ट्रंप ही दुनिया के इकलौते राष्ट्राध्यक्ष हैं जो इस समय इजरायल के प्रति सहानुभूति रखते हैं। उन्होंने आगे जोड़ा, अगर मैं इजरायली सरकार के मंत्रिमंडल में होता, तो शायद मैं दुनिया में बचे अपने इकलौते शक्तिशाली सहयोगी पर हमला नहीं कर रहा होता। वेंस ने यह बात पिछले महीने अमेरिकी-ईरान समझौता ज्ञापन पर इजरायल की प्रतिक्रिया की कड़ी आलोचना करते हुए कहा था।

ईरान में अली खामेनेई के अंतिम संस्कार में अमेरिका के खिलाफ गुस्सा, बोले-ट्रंप को मारो

तेहरान (ए.) । ईरान में दिवंगत सर्वोच्च नेता अयातुल्लाह अली खामेनेई के अंतिम संस्कार समाहोर में तेहरान में अमेरिका और राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के खिलाफ बड़ी नाराजगी दिख रही है। रविवार को इमाम खुमैनी ग्रैंड मोसाला में अंतिम संस्कार की प्रार्थना के दौरान शोक संतप्त लोगों ने अमेरिका मुर्दाबाद, इजराइल मुर्दाबाद के नारे लगाए। उन्होंने बड़े-बड़े बैनर लिए हुए थे, जिसमें लिखा था, ट्रंप और बीबी (बेंजामिन नेतन्याहू) को मार डालो। वे इनके खिलाफ नारे भी लगा रहे थे।अली खामनेई के शोक समारोह में ईरानी झंडे, खामेनेई के चित्र और प्रतिशोध का प्रतीक लाल झंडे लिए भारी भीड़ उमड़ी है। विदाई समारोह में शोक व्यक्त करने के साथ अमेरिका-इजरायल के खिलाफ प्रतिशोध की मांग भी उठाई गई। समारोह में कवि मोहम्मद रसौली ने घोषणा की, अब से कफन हमारा वस्त्र है। मैं तुम्हारे खून की कसम खाता हूं, ट्रंप की हत्या हमारी जिम्मेदारी है। उन्होंने पूछा कि ट्रंप अभी तक जिंदा क्यों हैं।अली खामेनेई के अंतिम संस्कार में मुख्य प्रार्थनाओं का नेतृत्व क़ोम के 97 वर्षीय आयतुल्लाह जाफर सोभानी ने किया। खामेनेई के परिवार के 4 सदस्यों के लिए भी प्रार्थनाएं की गईं, जिनमें उनकी 14 महीने की पोती जहरा मोहम्मदी गोलपायगानी शामिल थीं।

श्रीलंका के नेगोम्बो जेल में हिंसा, कैदियों के दो ग्रुप के बीच झड़प में 25 की मौत

कोलंबो (ए.)। श्रीलंका के पश्चिमी तटीय शहर नेगोम्बो की एक जेल में हुई हिंसा में 25 लोगों की मौत गई है. अधिकारियों ने सोमवार को बताया कि रविवार को जेल में कैदियों के दो विरोधी ग्रुप के बीच झड़प हो गई. सोमवार को फिर से झड़प हुई जब दंगा करने वाले कैदियों ने जेल की बंदूकें छीन लीं.नेगोम्बो जेल में क्षमता से ज्यादा कैदी बंद हैं. रिपोर्ट के मुताबिक, हिंसा में मरने वालों में जेल अधिकारी भी शामिल है.

सूत्रों ने अधिकारियों के हवाले से बताया कि जेल के अंदर हुई झड़पों और उसके बाद हुए हंगामे की वजह से 25 लोग मारे गए हैं और 100 से ज्यादा घायल हुए हैं.

शुरुआती जांच से पता चला है कि हिंसा जेल के अंदर ड्रग तस्करी की गतिविधियों का कथित तौर पर समर्थन करने वाले एक ग्रुप और

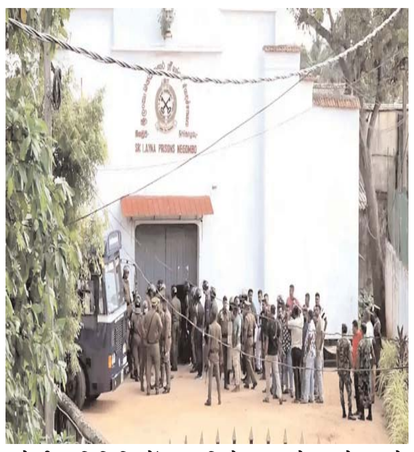

ऐसी गतिविधियों का विरोध करने वाले दूसरे ग्रुप के बीच हुई.

रिपोर्ट के मुताबिक, जेल में सुरक्षा को काफी बढ़ा दिया गया है, और हालात को काबू में करने के लिए पुलिस स्पेशल टास्क फोर्स और दंगा कंट्रोल यूनिट्स को तैनात किया गया है.

अधिकारियों ने बताया कि झड़प के बाद, शांति बहाल करने और आगे हिंसा रोकने की कोशिशों के तहत सोमवार को तीन कैदियों को पल्लनसेना जेल कैंप में ट्रांसफर कर दिया गया.

जेल विभाग के मीडिया प्रवक्ता ए.सी. गजनायके ने कहा कि घटना की विशेष जांच शुरू कर दी गई है. उन्होंने कहा कि जेल महानिदेशक के निर्देश पर अशांति के कारणों और हालात की पूरी जांच के लिए एक विशेष जांच टीम बनाई गई है.

एक अलग पुलिस जांच भी चल रही है.

इस बीच, श्रीलंका के न्याय मंत्री हर्षना नानायक्कारा ने नेगोम्बो जेल में कैदियों के बीच हुई झड़पों पर विस्तृत रिपोर्ट मांगी है.

रूस ने नाटो समिट से पहले यूक्रेन पर दागी बैलिस्टिक मिसाइलें

कीव,(आरएनएस)। रूस ने सोमवार सुबह-सुबह यूक्रेन की राजधानी कीव पर बैलिस्टिक मिसाइल से हमला किया. यह हमला तुर्की में होने वाले नाटो के अहम समिट से एक दिन पहले हुआ है. इसमें अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के शामिल होने की उम्मीद है. सूत्रों ने यह जानकारी दी.रिपोर्ट के मुताबिक यूक्रेन की एयर फोर्स ने कहा कि हमले में बैलिस्टिक मिसाइल, ड्रोन और क्रूज मिसाइल शामिल थे. हमले के दौरान सुबह-सुबह सेंट्रल कीव में धमाकों की आवाजें सुनी गईं. कीव के मेयर विटाली क्लिट्स्को ने कहा कि शहर के कम से कम दो जिलों में आग लगने या मलबे के गिरने से हुए नुकसान की खबर हैं. धमाकों से कुछ देर पहले ही राजधानी में एयर रेड सायरन चालू कर दिए गए थे. यह नया हमला यूक्रेन के प्रेसिडेंट वोलोडिमिर जेलेंस्की की रविवार की चेतावनी के बाद हुआ है जिसमें कहा गया था कि इंटेलिजेंस से पता चला है कि रूस एक नए बड़े हमले की तैयारी कर रहा है. जेलेंस्की ने एक्स पर लिखा, इंटेलिजेंस एक बार फिर इशारा कर रही है कि रूस एक नए बड़े हमले की तैयारी कर रहा है. यह पुतिन की खासियत है. अमेरिका के इंडिपेंडेंस डे के ठीक बाद और अंकारा में नाटो समिट से पहले रूस लोगों को मारना चाहता है.

फीचर

घर की खिड़कियों पर लगाएं ये 5 पौधे, बढ़ जाएगी सुंदरता

घर की खिड़कियां न केवल प्राकृतिक रोशनी को अंदर लाती हैं, बल्कि आपके घर के माहौल को भी बेहतर बनाती हैं। सही पौधों का चयन करके आप अपने घर को ताजगी और हरियाली से भरपूर बना सकते हैं। इन पौधों

से न केवल आपके घर का लुक अच्छा लगेगा, बल्कि वे हवा को भी साफ करेंगे और आपको मानसिक शांति प्रदान करेंगे। आइए जानते हैं कि घर की खिड़कियों पर कौन-से 5 पौधे लगाने चाहिए।

एलोवेरा

एलोवेरा एक ऐसा पौधा है, जो कम देखभाल मांगता है और इसे ज्यादा पानी की जरूरत नहीं होती। इसे आप अपनी रसोई की खिड़की पर रख सकते हैं। यह न केवल आपके घर की सुंदरता बढ़ाता है, बल्कि इसके जेल का उपयोग त्वचा संबंधी समस्याओं के इलाज में भी किया जा सकता है। इसके अलावा एलोवेरा की ताजगी भरी खुशबू आपकी रसोई को एक नया रूप देगी। इसका जेल खान-पान में भी काम आता है।

नागफनी पौधा

नागफनी पौधा एक ऐसा अनोखा पौधा है, जो ऑक्सीजन का उत्पादन करता है और रात के समय कार्बन डाइऑक्साइड अवशोषित कर लेता है, जिससे आपकी नींद बेहतर होती है। इसे आप अपने बेडरूम की खिड़की पर रख सकते हैं। यह पौधा न केवल देखने में अच्छा लगता है, बल्कि यह हवा से हानिकारक तत्वों को भी दूर करता है। इसके अलावा नागफनी पौधा आपके कमरे को ताजगी भरी खुशबू भी देता है।

स्पाइडर पौधा

स्पाइडर पौधा एक खास प्रकार का पौधा है, जो प्रदूषक तत्वों को अवशोषित करके हवा को साफ करता है। इसे आप अपने लिविंग रूम या बालकनी की खिड़की पर रख सकते हैं। यह पौधा देखने में भी बहुत सुंदर लगता है और इसकी लंबी-लंबी पत्तियां किसी मकड़ी के जाले जैसी लगती हैं, इसलिए इसे स्पाइडर पौधा कहा जाता है। इसके अलावा स्पाइडर पौधा आपके कमरे को ताजगी भरी खुशबू भी देता है।

पेस्लीया

पेस्लीया एक ऐसा पौधा है, जो कम रोशनी में भी अच्छे से बढ़ता है। इसे आप अपने काम की जगह की खिड़की पर रख सकते हैं, ताकि काम करते समय आपको एक ताजगी भरी अनुभूति मिले। यह पौधा देखने में भी बहुत आकर्षक लगता है और इसकी पत्तियां हरी-भरी होती हैं। इसके अलावा पेस्लीया पौधा हवा से हानिकारक तत्वों को दूर करता है, जिससे आपके काम की जगह का माहौल और भी बेहतर बनता है।

मनी प्लांट

मनी प्लांट एक ऐसा पौधा है, जिसे आप किसी भी प्रकार की खिड़की पर रख सकते हैं। इसकी लटकती हुई बेलें आपके घर को एक अलग ही रूप देती हैं। मनी प्लांट कमरे की नमी को संतुलित रखता है और हवा से हानिकारक तत्वों को दूर करता है। इसके अलावा यह देखने में भी सुंदर लगता है और इसकी देखभाल करना आसान होता है। घर की खिड़कियों पर सही पौधों का चयन घर को एक नया जीवन दे सकता है।

फीमेल एक्टर्स को हल्के में लिया जाता है..., कृति सेनन ने फिल्म इंडस्ट्री के जेंडर बायस पर तोड़ी चुप्पी

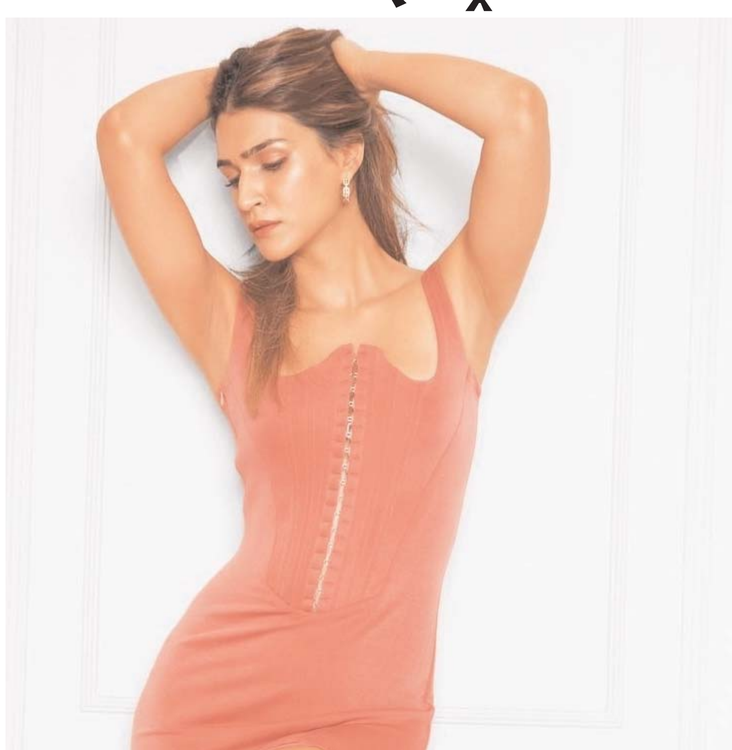

बॉलीवुड एक्ट्रेस कृति सेनन इन दिनों अपनी फिल्म कॉकटेल 2 को लेकर सुर्खियां बटोर रही हैं. फिल्म में उनकी एक्टिंग की खूब तारीफ हो रही है. अब इस बीच कृति अपने एक इंटरव्यू को लेकर चर्चा में आ गई हैं. एक्ट्रेस ने हाल ही में फिल्म इंडस्ट्री में महिलाओं के साथ होने वाले जेंडर बायस पर खुलकर अपनी राय रखी है.

कृति सेनन ने फिल्म इंडस्ट्री में अपने साथ हुए जेंडर बायस के बारे में बात की है. उन्होंने बताया कि फीमेल एक्टर्स को अक्सर उनके मेल काउंटरपार्ट्स से अलग तरह से जज किया जाता है. कृति ने इंडस्ट्री में काम करने के स्ट्रगल के बारे में बात की और बताया कि असिस्टेंट डायरेक्टर्स अक्सर मेल स्टार्स से डरते हैं, जबकि फीमेल एक्टर्स को अक्सर हल्के में लिया जाता है.

कृति ने बताया कि अगर कोई एक्ट्रेस अपने किरदार या सीन को लेकर सवाल पूछती है तो उसे जरूरत से ज्यादा सवाल करने वाली समझ लिया जाता है, जबकि यही काम कोई मेल स्टार करे तो उसकी तारीफ होती है. एक्ट्रेस ने कहा, जब कोई फीमेल एक्टर सवाल पूछती है, तो ऐसा होता है, कितने सवाल पूछती है ये, अरे 50 सवाल शुरू हो जाएंगे. मुझे लगता है कि इस तरह की बातचीत होती है. इसके उलट, जब कोई मेल स्टार सवाल पूछता है, तो उसे बहुत इन्वॉल्व्ड कहा जाता है. मेरे साथ भी ऐसा हुआ है. जब मैंने वही सवाल पूछे, तो मुझसे कहा गया, इसे ओवरएनालाइज़ मत करो. लेकिन जब ये बात उस लड़के की तरफ से आई, तो उन्होंने कहा, ठीक है, ये किया जा सकता है. कृति ने आगे कहा, कई बार ये छोटी-छोटी बातें होती हैं जैसे मेल एक्टर को कैसी कार या कमरा दिया गया और मुझे कैसा कमरा दिया गया. मेरा मतलब है कि मुझे कोई फर्क नहीं पड़ता, भले ही मुझे छोटा कमरा या कार मिले, लेकिन इससे मुझे कम महसूस नहीं होता.वर्क फ्रंट की बात करें तो कृति हाल ही में फिल्म कॉकटेल 2 में नजर आई थीं. इस फिल्म में उनके साथ शाहिद कपूर और रश्मिका मंदाना लीड रोल में हैं. होमी अदजानिया के निर्देशन में बनी इस रोमांटिक कॉमेडी फिल्म को दर्शकों और समीक्षकों से मिला-जुला रिस्पॉन्स मिला.

दुल्हन जैसी सजीं शनाया कपूर, मानसून के दिनों में शेयर कीं तस्वीरें

अभिनेत्री शनाया कपूर ने मानसून के दिनों में सोशल मीडिया पर अपनी बेहतरीन तस्वीरें शेयर की हैं। तस्वीरों में वह दुल्हन जैसी लग रही हैं। तस्वीरों के साथ उन्होंने एक बेहतरीन कैप्शन लिखा है। उनकी तस्वीरों पर उनकी मां समेत कई यूजर्स ने कमेंट किए हैं।

शनाया कपूर ने इंस्टाग्राम पर अपनी नई तस्वीरें शेयर की हैं। तस्वीरों में देखा जा सकता है कि उन्होंने लहंगा और टॉप पहना है। उन्होंने गहने पहने हैं। एक हाथ में भर कर चूड़ियां पहनी हैं। उनकी मांग का टीका उनकी खूबसूरती को और बढ़ा रहा है।

तस्वीरें शेयर करते हुए अभिनेत्री ने कैप्शन में लिखा बारिश के दिनों में धूप जैसी चमको। शनाया की तस्वीरों पर उनकी मां ने दिल और नजर वाला इमोजी कमेंट किया है, ताकि उन्हें नजर ना लगे। भावना पांडे ने उन्हें खूबसूरत लड़की कहा है। एक और यूजर ने लिखा आप बहुत ही सुंदर हैं।

शनाया कपूर को आखिरी बार फिल्म तू या मैं में देखा गया था। इस फिल्म में उनके साथ आदर्श गौरव थे। बिजॉय नांबियार के निर्देशन में बनी यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर बहुत अच्छा नहीं कर सकी थी। शनाया 2025 में विक्रांत मैसी के साथ आंखों की गुस्ताखियां में नजर आ चुकी हैं।

कुछ कपड़े समय के साथ क्यों हो जाते हैं मुलायम? जानिए इससे जुड़ी सही जानकारी

कई लोग यह मानते हैं कि कपड़े समय के साथ नरम हो जाते हैं। इसका कारण यह है कि जब हम कपड़ों को बार-बार धोते हैं तो उनमें मौजूद धागे ढीले हो जाते हैं और इससे कपड़े मुलायम महसूस होते हैं। हालांकि, क्या सच में ऐसा ही होता है या नहीं? आइए इस बारे में विस्तार से जानते हैं और समझते हैं कि क्या सच में कपड़े समय के साथ नरम हो जाते हैं या नहीं।

कपड़े धोने का तरीका

कपड़ों की नरमी का एक प्रमुख कारण है उन्हें धोने का तरीका। अगर आप कपड़ों को गर्म पानी में धोते हैं तो इससे उनके धागे ढीले हो जाते हैं और कपड़े मुलायम महसूस होते हैं। इसके अलावा, साबुन भी इस प्रक्रिया में अहम भूमिका निभाते हैं। अगर साबुन बहुत कठोर हो तो वह कपड़ों को नुकसान पहुंचा सकता है और उनकी चमक भी कम कर सकता है। इसलिए, सही साबुन का चयन करना जरूरी है।

सुखाने का तरीका

सुखाने का तरीका भी कपड़ों की नरमी पर असर डालता है। जब कपड़े मशीन में सूखते हैं तो उनके धागे की संरचना बदल जाती है और इससे वे मुलायम महसूस होते हैं। हालांकि, अगर आप मशीन का अधिक

उपयोग करते हैं तो इससे कपड़ों की गुणवत्ता खराब हो सकती है और वे जल्दी फट सकते हैं। इसलिए, मशीन का उपयोग करते समय सावधानी बरतें और जरूरत पड़ने पर ही इसका इस्तेमाल करें।

धागे की गुणवत्ता

कपड़े के धागे की गुणवत्ता भी उनकी नरमाहट पर असर डालती है। अच्छी गुणवत्ता वाले धागे, जैसे सूती या लिनन अधिक समय तक मुलायम रहते हैं, जबकि निम्न गुणवत्ता वाले धागे जल्दी ढीले हो जाते हैं। इसलिए, जब भी आप नए कपड़े खरीदें तो उनके धागे की गुणवत्ता पर ध्यान दें, ताकि वे लंबे समय तक मुलायम बने रहें। इसके अलावा अच्छे धागे वाले कपड़े पहनने और धोने पर भी अपनी नरमाहट बनाए रखते हैं।

उपयोग और देखभाल

कपड़ों का सही उपयोग और देखभाल करना भी अहम है, ताकि वे लंबे समय तक मुलायम बने रहें। अगर आप कपड़ों को सही तरीके से नहीं रखते या नहीं धोते तो इससे उनकी नरमाहट कम हो सकती है। उदाहरण के लिए, अगर आप हर बार धोने पर कपड़ों को मोड़कर रखते हैं तो इससे उनके धागे की संरचना खराब हो सकती है और वे कठोर महसूस होंगे। इसलिए, हमेशा कपड़ों को सही तरीके से सुखाएं और स्टोर करें। मौसम भी कपड़ों की नरमाहट पर असर डाल सकता है।

गर्मियों में अधिक पसीना आने के कारण कपड़े अधिक गंदे हो जाते हैं, जिन्हें बार-बार धोना पड़ता है, जिससे धागे ढीले हो जाते हैं। वहीं, सर्दियों में कम पसीना आता है, इसलिए कपड़े कम धोने पड़ते हैं। इससे उनकी मुलायम बनावट भी बिगड़ सकती है। इस प्रकार यह कहना गलत होगा कि कपड़े समय के साथ अपने आप नरम हो जाते हैं।

नकटी विवाद पर अनुराग सिंहदेव का कांग्रेस पर हमलाः 'झूठा नैरेटिव बनाकर अराजकता फैलाने की कोशिश

रायपुर, (आरएनएस)। छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मंडल के अध्यक्ष अनुराग सिंहदेव ने नकटी गांव में अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई को लेकर कांग्रेस पर झूठा नैरेटिव गढ़ने और लोगों को भड़काकर अराजकता फैलाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के निर्देश पर प्रभावित 66 कब्जाधारियों को नवा रायपुर के सेक्टर-30 में आवास उपलब्ध कराया गया है, जहां पहले से 1200 परिवार सभी मूलभूत सुविधाओं के साथ रह रहे हैं।

रविवार को भाजपा प्रदेश कार्यालय में आयोजित पत्रकार वार्ता में सिंहदेव ने कहा कि नकटी गांव को पूरी तरह उजाड़े जाने का दावा पूरी तरह भ्रामक है। उनके मुताबिक गांव की कुल आबादी 2110 है तथा यहां 22.736 हेक्टेयर शासकीय और 24.175 हेक्टेयर निजी भूमि है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2022 की पटवारी रिपोर्ट में लगभग 3 हेक्टेयर शासकीय भूमि पर अतिक्रमण का उल्लेख था, जबकि इसके बाद भी अतिक्रमण बढ़ता गया।

उन्होंने दावा किया कि कुछ लोगों ने 29-29 हजार वर्गफुट, 17 हजार वर्गफुट और 10 हजार वर्गफुट तक शासकीय जमीन पर कब्जा कर रखा था, जहां लाखों रुपये के पक्के मकान बनाए गए थे। इसे उन्होंने सामान्य नहीं बल्कि संगठित अतिक्रमण बताया।

छत्तीसगढ़ में बारिश बनी आफत, अगले 24 घंटे पड़ेंगे बेहद भारी, 8 जुलाई से पहले नहीं मिलेगी राहत

बंगाल की खाड़ी में बने सिस्टम से प्रदेश में झमाझम, 48 घंटे में भारी बारिश का अलर्ट

रायपुर (आरएनएस) बंगाल की खाड़ी में बने अवदाब और मानसूनी द्रोणिका के प्रभाव से छत्तीसगढ़ में बारिश ने जोर पकड़ लिया है। रविवार को मध्य छत्तीसगढ़ के कई जिलों में भारी से बहुत भारी बारिश हुई। राजधानी रायपुर में 154.4 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई, जबकि दुर्ग में 181 मिलीमीटर और राजिम में 185.8 मिलीमीटर बारिश ने पिछले सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। रायपुर में रात भर बारिश हुई है। रविवार को सुबह से ही रिमझिम बारिश हो रही है। यह बारिश किसानों के लिए बेहद राहत भरी है। खेतों में पानी जमा होने से धान की बोनी का कार्य तेज हो गया है।

हालांकि, प्रदेश के कुछ हिस्सों में अभी भी कम बारिश हुई है। पिछले 36 घंटे से हो लगातार मूसलाधार बारिश ने पूरे प्रदेश में बाढ़ जैसे हालात पैदा कर रफ्तार से हवाओं ने ने कहर मचाया हैं। कहीं सड़कें बह गई, कहीं लोग बाढ़ के पानी में फंस गए, जिन्हें रेस्क्यू कर सुरक्षित निकाला जा रहा हैं। जिलों में नदियां खतरे के निशान के करीब बह रही है। कई एनीकट से ऊपर से पानी बह रहा है। दर्जनों गांवों का जिला मुख्यालयों से संपर्क टूट चुका है। मौसम विभाग ने साफ कर दिया है कि 8 जुलाई से पहले राहत मिलने के आसार कम है। लगातार 36 घंटे से हो रही बारिश ने निर्माण कार्यों के गुणवत्ता की भी पोल खोल दी है। प्रदेश के अलग-अलग हिस्सों में सड़कें टूट गई हैं, पुल-पुलियां क्षतिग्रस्त हो गई हैं। राजनांदगांव के रेलवे ओवर ब्रिज की सड़क बीचो-बीच फट गई, वहीं जिला अस्पताल में पानी मरीजों के बेड तक पहुंच गया। मौसम विभाग ने निकले इलाके में रहने वाले लोगों को सतर्क रहने, अनावश्यक यात्रा से बचने और मौसम विभाग की एडवाजरी का पालन करने की अपील की है।मौसम विभाग ने अगले 48 घंटों के लिए मध्य और उत्तरी छत्तीसगढ़ में भारी बारिश और वज्रपात की चेतावनी जारी की है। प्रशासन ने नागरिकों को सतर्क रहने और खराब मौसम में नदी-नालों के पास जाने से बचने की सलाह दी है। विभाग का अनुमान है कि 8 जुलाई के बाद बारिश की तीव्रता में कुछ कमी आ सकती है, जिससे स्थिति सामान्य होने की उम्मीद है।

जशपुर जिले में 15 जुलाई से शुरू होगा नक्शा नवीनीकरण अभियान

जशपुरनगर (आरएनएस)। जिले में भू-अभिलेखों को अद्यतन, व्यवस्थित एवं अधिक उपयोगी बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल करते हुए कलेक्टर रोहित व्यास ने वर्ष 2026-27 के लिए नक्शा नवीनीकरण रोस्टर कार्यक्रम जारी किया है। इसके तहत 15 जुलाई से 30 सितंबर 2026 तक जिले के सभी तहसीलों के चयनित राजस्व निरीक्षक मंडलों में पुराने एवं जर्जर नक्शों का नवीनीकरण किया जाएगा। इस संबंध में कलेक्टर द्वारा विस्तृत आदेश जारी करते हुए संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को निर्धारित समय-सीमा में गुणवत्तापूर्ण कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए गए हैं।

214 राजस्व ग्रामों के नक्शों का होगा नवीनीकरण-

जारी रोस्टर के अनुसार जिले के 27 राजस्व निरीक्षक मंडलों में अभियान संचालित किया जाएगा। इस दौरान 766 राजस्व ग्रामों की कुल 2456 नक्शा शीटों का परीक्षण किया जाएगा, जिनमें 214 जर्जर ग्रामों की 710 नक्शा शीटों का नवीनीकरण किया जाएगा। अभियान के लिए प्रत्येक राजस्व निरीक्षक मंडल का अलग-अलग रोस्टर एवं समय-सीमा निर्धारित की गई है।

छत्तीसगढ़ में सप्ताह में एक दिन 'नो बैग डे' लागू करने की मांग, उर्दू अकादमी अध्यक्ष ने मुख्यमंत्री को लिखा पत्र

रायपुर, (आरएनएस)। छत्तीसगढ़ उर्दू अकादमी के अध्यक्ष इदरीस गांधी ने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय को पत्र लिखकर राज्य के सभी शासकीय और निजी विद्यालयों में सप्ताह में एक दिन 'नो बैग डे' लागू करने की मांग की है। मुख्यमंत्री को भेजे गए पत्र में इदरीस गांधी ने कहा है कि विद्यार्थियों पर बढ़ते शैक्षणिक दबाव को कम करने और उनके सर्वांगीण विकास को बढ़ावा देने के उद्देश्य से सप्ताह में एक दिन बिना स्कूल बैग के विद्यालय बुलाया जाए। इस दिन पारंपरिक कक्षाओं के स्थान पर जीवनोपयोगी और व्यावहारिक विषयों पर गतिविधि आधारित शिक्षण कराया जाए। उन्होंने सुझाव दिया है कि प्राथमिक उपचार, साइबर सुरक्षा, यातायात नियम, पर्यावरण संरक्षण, वित्तीय साक्षरता, योग, खेलकूद, स्थानीय कला, व्यक्तित्व विकास और कौशल आधारित प्रशिक्षण जैसी गतिविधियों को 'नो बैग डे' के दौरान शामिल किया जाए। इदरीस गांधी ने अपने पत्र में उल्लेख किया है कि कर्नाटक सहित देश के कुछ राज्यों में गतिविधि-आधारित शिक्षण और 'नो बैग डे' जैसी पहल के सकारात्मक परिणाम सामने आए हैं। उनका कहना है कि यदि छत्तीसगढ़ में भी यह व्यवस्था लागू होती है तो विद्यार्थियों का मानसिक तनाव कम होगा, उनकी रचनात्मकता और व्यावहारिक ज्ञान में वृद्धि होगी तथा शिक्षा अधिक अनुभव आधारित और कौशल केंद्रित बन सकेगी। उन्होंने मुख्यमंत्री से इस जनहितैषी प्रस्ताव पर सकारात्मक विचार करते हुए राज्य के सभी शासकीय एवं निजी विद्यालयों में सप्ताह में एक दिन 'नो बैग डे' लागू करने के लिए आवश्यक कार्रवाई करने का आग्रह किया है।

रायपुर। प्रखर राष्ट्रवादी नेता एवं महान शिक्षाविद् डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती पर आज लोक भवन में राज्यपाल श्री रमेन डेका ने उनके चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर भावभीनी श्रद्धांजलि दी।

26 करोड़ का रेलवे ओवरब्रिज पहली बारिश में दरका, उद्घाटन के कुछ हफ्तों बाद ही उठे निर्माण गुणवत्ता पर सवाल

राजनांदगांव, (आरएनएस)। छत्तीसगढ़ के राजनांदगांव जिले के ग्राम बरगा के पास दक्षिण पूर्व रेलवे द्वारा करीब 26 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित रेलवे ओवरब्रिज पहली ही बारिश में दरकने लगा है। जून में उद्घाटन किए गए इस पुल में कुछ ही सप्ताह बाद बड़ी दरारें दिखाई देने से निर्माण की गुणवत्ता पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। स्थानीय लोगों का दावा है कि पुल बीच से दो हिस्सों में बंटता हुआ नजर आ रहा है, जिससे दुर्घटना की आशंका बढ़ गई है।यह ओवरब्रिज क्षेत्र के सैकड़ों ग्रामीणों के लिए प्रमुख आवागमन मार्ग है। ऐसे में पुल में आई दरारों को लेकर लोगों में चिंता और नाराजगी दोनों है। ग्रामीणों ने पुल की तत्काल तकनीकी जांच कराने, दोषी निर्माण एजेंसी के खिलाफ कार्रवाई करने और जल्द मरम्मत कराने की मांग की है। उनका कहना है कि करोड़ों रुपये खर्च होने के बावजूद निर्माण कार्य मानकों के अनुरूप नहीं हुआ, जिसका असर पहली ही बारिश में सामने आ गया।ग्रामीणों ने यह भी आरोप लगाया कि आलीवारा रेलवे ओवरब्रिज की स्थिति भी संतोषजनक नहीं है। वहां सड़क के नीचे गड्ढे बनने लगे हैं और किनारों का हिस्सा धंसने की शिकायत सामने आई है। लोगों का कहना है कि यदि पहली बरसात में ही यह हाल है, तो भविष्य में स्थिति और गंभीर हो सकती है।

धमतरी में निर्माण कार्य के दौरान हादसा, चैली से गिरकर राजमिस्त्री की मौत

धमतरी,(आरएनएस)। जिले के कुरूद थाना क्षेत्र में निर्माण कार्य के दौरान एक दर्दनाक हादसे में राजमिस्त्री की ऊंचाई से गिरने के कारण मौत हो गई। घटना के बाद परिजनों और ग्रामीणों में शोक का माहौल है। जानकारी के अनुसार, मृतक की पहचान राजेंद्र ध्रुव के रूप में हुई है, जो भोथली गांव का निवासी था और पेशे से राजमिस्त्री था।

बताया जा रहा है कि वह गांव में एक मकान के निर्माण कार्य के दौरान बांस की चैली (मचान) पर चढ़कर ईंट जोड़ने का काम कर रहा था। इसी दौरान अचानक उसका संतुलन बिगड़ गया और वह नीचे गिर पड़ा। गंभीर रूप से घायल राजेंद्र ध्रुव की मौके पर ही मौत हो गई।

उफनती आमनेर नदी में ट्रैक्टर उतारकर जान जोखिम में डालते दिखे किसान, वीडियो वायरल

खैरागढ़,(आरएनएस)। जिले के ग्राम धनगांव में बारिश के बाद उफान पर आई आमनेर नदी को ट्रैक्टर सहित पार करते किसानों का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। तेज बहाव के बावजूद किसानों द्वारा नदी पार करने की घटना ने सुरक्षा व्यवस्था और जोखिम भरे व्यवहार पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

जानकारी के अनुसार, धनगांव के किसानों के खेत आमनेर नदी के दूसरी ओर स्थित हैं। खेती-किसानी के कार्य के लिए उन्हें प्रतिदिन नदी पार करनी पड़ती है। हालांकि आवागमन के लिए करीब दो किलोमीटर दूर पुल मौजूद है, लेकिन दूरी और समय बचाने के लिए कई किसान सीधे नदी से होकर ट्रैक्टर निकालना अधिक सुविधाजनक मानते हैं।

शनिवार और रविवार को हुई बारिश के बाद आमनेर नदी का जलस्तर काफी बढ़ गया था और तेज बहाव बना हुआ था। इसके बावजूद कई किसान ट्रैक्टर लेकर नदी में उतर गए। वायरल वीडियो में ट्रैक्टरों को सावधानीपूर्वक तेज बहाव के बीच नदी पार करते देखा जा सकता है।

हालांकि इस दौरान कोई बड़ा हादसा नहीं हुआ, लेकिन विशेषज्ञों के अनुसार तेज बहाव में इस तरह नदी पार करना बेहद खतरनाक है। थोड़ी सी चूक ट्रैक्टर के बहने, पलटने या जनहानि जैसी गंभीर दुर्घटना का कारण बन सकती थी।

खेल समाचार

जय शाह के कार्यकाल में महिला क्रिकेट को मिला नया विस्तार : सैकिया

लंदन ,(आरएनएस)। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के सचिव देवजीत सैकिया ने आईसीसी महिला टी20 वर्ल्ड कप 2026 के सफल आयोजन के बाद इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) और उसके चेयरमैन जय शाह के नेतृत्व की जमकर तारीफ की है। उन्होंने कहा कि जय शाह के गतिशील नेतृत्व में महिला क्रिकेट को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने की दिशा में महत्वपूर्ण काम हुआ है।

लॉर्ड्स क्रिकेट ग्राउंड में खेले गए फाइनल मुकाबले में रिकॉर्ड 28,000 से अधिक दर्शकों की मौजूदगी रही। फाइनल में ऑस्ट्रेलिया ने मेजबान इंग्लैंड को 7 विकेट से हराकर रिकॉर्ड सातवीं बार महिला टी20 वर्ल्ड कप का खिताब अपने नाम किया। इस जीत के साथ ऑस्ट्रेलिया ने इंग्लैंड के घरेलू मैदान पर अजेय रिकॉर्ड का भी अंत कर दिया। यह ऑस्ट्रेलिया का कुल 14वां महिला विश्व कप खिताब भी है, जिसमें वनडे और टी20 विश्व कप दोनों की ट्रॉफियां शामिल हैं।

देवजीत सैकिया ने कहा कि लॉर्ड्स में दर्शकों की भीड़ खेल की बढ़ती लोकप्रियता और आगे आने वाले रोमांचक भविष्य का एक मजबूत सबूत है। उन्होंने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, ग्लोबल स्टेज पर महिला क्रिकेट की जबरदस्त बढ़त देखकर बहुत खुशी हुई। चैंपियन ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच खेले गए आईसीसी महिला टी20 वर्ल्ड कप फाइनल के लिए लॉर्ड्स में खचाखच भरा स्टेडियम इस बात का बेहतरीन सबूत है कि इस खेल ने कितनी लोकप्रियता हासिल की है और इसका भविष्य कितना रोमांचक है।

T20 सीरीजः जिम्बाब्वे दौरे के लिए भारतीय टीम का ऐलान, वैभव-रिंकू को मौका; सैमसन बाहर

मुंबई,(आरएनएस)। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने जिम्बाब्वे के खिलाफ तीन टी20 मुकाबलों की सीरीज के लिए टीम का ऐलान कर दिया है। श्रेयस अय्यर की कप्तानी में एक बार फिर 15 वर्षीय सलामी बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी को मौका दिया गया है। तिलक वर्मा टीम के उप-कप्तान होंगे। वैभव सूर्यवंशी आयरलैंड के खिलाफ दो मुकाबलों की टी20 सीरीज का हिस्सा थे, लेकिन वहां उन्हें मौका नहीं मिल सका। इसके बाद इंग्लैंड के खिलाफ पहले टी20 मैच में भी वह प्लेइंग इलेवन में शामिल नहीं थे। आखिरकार, दूसरे मुकाबले में वैभव को मौका दिया गया, जिसके साथ 15 साल और 99 दिन की उम्र में वैभव अंतरराष्ट्रीय स्तर पर डेब्यू करने वाले सबसे युवा भारतीय क्रिकेटर बन गए थे। हालांकि, अपने डेब्यू मैच में वैभव 14 रन ही बना सके थे। मैच फिनिशिर रिंकू सिंह ने टी20 टीम में वापसी की है। इनके अलावा, प्रिंस यादव, यश ठाकुर और अशोक शर्मा भी भारतीय टीम का हिस्सा हैं। अशोक शर्मा ने आईपीएल 2026 में अपनी तेज रफ्तार गेंदबाजी से सुर्खियां बटोरी थीं। हर्ष

दुबे और वरुण चक्रवर्ती को स्पिन गेंदबाज के तौर पर टीम में शामिल किया गया है, लेकिन इंग्लैंड दौरे पर टीम का हिस्सा रहे अक्षर पटेल और रवि बिश्नोई को मौका नहीं दिया गया। विकेटकीपिंग का जिम्मा ईशान किशन और प्रभसिमरन सिंह को सौंपा गया है। संजू सैमसन इस सीरीज से बाहर हैं। दोनों देशों के बीच 23, 25 और 26 जुलाई को हरारे स्थित हरारे स्पोर्ट्स क्लब में टी20 सीरीज के तीनों मैच खेले जाने हैं। जिम्बाब्वे के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए भारतीय टीमः श्रेयस अय्यर (कप्तान), वैभव सूर्यवंशी, अभिषेक शर्मा, तिलक वर्मा (उप-कप्तान), ईशान किशन (विकेटकीपर), शिवम दुबे, सूर्याश शेडगे, रिंकू सिंह, हर्ष दुबे, वरुण चक्रवर्ती, प्रिंस यादव, यश ठाकुर, अशोक शर्मा, मयंक यादव, प्रभसिमरन सिंह (विकेटकीपर)। चयन समिति ने इंग्लैंड के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए भारतीय टीम में नितीश कुमार रेड्डी की जगह शिवम दुबे को शामिल किया है। भारत की अपडेटेड वनडे टीमः शुभमन गिल (कप्तान), रोहित शर्मा, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर (उप-कप्तान), केएल राहुल (विकेटकीपर), ईशान किशन (विकेटकीपर), वाशिंगटन सुंदर, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव, जसप्रीत बुमराह, प्रसिद्ध कृष्णा, हर्षित राणा, अर्शदीप सिंह, गुरनूर बरार, शिवम दुबे।

फीफा वर्ल्ड कप : इंग्लैंड की जीत के जश्न में हादसा, हेंडरसन अस्पताल पहुंचे

मेक्सिको सिटी (आरएनएस),। फीफा वर्ल्ड कप 2026 के राउंड ऑफ 16 में मेक्सिको पर 3-2 की रोमांचक जीत के बाद इंग्लैंड को बड़ा झटका लगा है। टीम के अनुभवी मिडफील्डर जॉर्डन हेंडरसन जीत का जश्न मनाने के दौरान चोटिल हो गए हैं। इंग्लैंड के हेड कोच थॉमस ट्यूशेल ने बताया कि हेंडरसन की कलाई में गंभीर चोट लगी है और उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

हेंडरसन इस मुकाबले में मैदान पर नहीं उतरे थे, लेकिन मैच खत्म होने के बाद टीम के साथ जीत का जश्न मना रहे थे। इसी दौरान वह विज्ञापन बोर्ड से नीचे गिर गए और उनकी कलाई में चोट लग गई। चोट लगने के बाद मेडिकल टीम तुरंत मैदान पर पहुंची और उन्हें स्ट्रेचर पर बाहर ले जाया गया।

मैच के बाद ट्यूशेल ने बताया, जॉर्डन गिर गए और उनकी कलाई में काफी गंभीर चोट लगी है। डॉक्टरों ने बताया है कि उन्हें अस्पताल ले जाया गया है। यह हमारे लिए दुखद खबर है, क्योंकि जीत की खुशी के बीच उनका घायल होना अच्छा नहीं लगा। इंग्लैंड ने यह मुकाबला बेहद मुश्किल परिस्थितियों में जीता। मैच के 54वें मिनट में डिफेंडर जेरेल क्वांसाह को रेड कार्ड मिलने के बाद टीम को बाकी मुकाबला 10 खिलाड़ियों के साथ खेलना पड़ा। इसके बावजूद खिलाड़ियों ने शानदार जज्बा दिखाया और मेक्सिको की वापसी की कोशिशों को नाकाम करते हुए 3-2 से जीत दर्ज की।

ट्यूशेल ने अपनी टीम की तारीफ करते हुए कहा कि खिलाड़ियों ने मुश्किल समय में भी हार नहीं मानी। उन्होंने कहा, हमें हर चीज की जरूरत थी। यह बहुत मुश्किल था। जिन पलों में हमें लगा कि हम लय पकड़ सकते हैं, हमें झटके लगे। यही सही सोच है। यह टीम सच में बहुत अच्छी है। जब मुश्किलें आती हैं, तो वे कभी हार नहीं मानते, वे कभी विश्वास नहीं खोते।उन्होंने आगे कहा कि एन्टेका स्टेडियम में मेक्सिको के खिलाफ खेलना हमेशा चुनौतीपूर्ण होता है। उन्होंने कहा, यह एक यादगार मैच था। खिलाड़ियों ने अपना पूरा दम लगाया। इस टीम में दिल है, हौसला है और अंत तक लड़ने का जज्बा है।

फीफा वर्ल्ड कप : रोमांचक मुकाबले में इंग्लैंड की जीत, मेक्सिको को 3-2 से दी मात

नई दिल्ली (आरएनएस)। इंग्लैंड ने फीफा वर्ल्ड कप 2026 के क्वार्टर फाइनल का टिकट कटा लिया है। रोमांच से भरपूर मुकाबले में इंग्लिश टीम ने मेक्सिको को 3-2 से हराया। इस हार के साथ ही मेक्सिको का विश्व कप में सफर समाप्त हो गया है।

इंग्लैंड की ओर से इस अहम मुकाबले में जूड बेलिंगहम ने दो गोल दागे। वहीं, कप्तान हैरी केन ने भी एक गोल किया। मेक्सिको की तरफ से क्विनोन्स और राउल जिमिनेज ने एक-एक गोल किया। खराब मौसम के कारण देरी से शुरू हुए मैच की शुरुआत दोनों ही टीमों की तरफ से बेहद आक्रामक रही। इंग्लैंड और मेक्सिको की तरफ से लगातार हमले किए गए।

इंग्लैंड की टीम मुकाबले का पहला गोल करने में सफल रही। मैच के 36वें मिनट में जूड बेलिंगहम ने टीम की ओर से पहला गोल दागा। इसके बाद मैच के 38वें मिनट में बेलिंगहम ने इंग्लैंड की बढ़त को जल्द ही दोगुना कर दिया। दोनों गोलों के बीच अंतर सिर्फ 98 सेकंड का रहा। हालांकि, मेक्सिको ने जल्द ही मुकाबले में वापसी की। टीम की ओर से क्विनोन्स ने मैच के 42वें मिनट में मेक्सिको के लिए पहला गोल किया। हालांकि, पहले हाफ के अंत तक इंग्लैंड 2-1 की बढ़त कायम रखने में सफल रहा।

दूसरे हाफ की शुरुआत में ही इंग्लैंड को उस वक्त बड़ा झटका लगा, जब इंग्लैंड के खिलाड़ी जारेल क्वान्सा को जीसस गैलार्डो को गलत तरीके से चैलेंज करने के कारण रेफरी ने रेड कार्ड थमा दिया। क्वान्सा फीफा वर्ल्ड कप इतिहास में रेड कार्ड पाने वाले चौथे इंग्लिश खिलाड़ी बने। हालांकि, इसके बाद इंग्लैंड को बचे हुए मुकाबले में 10 खिलाड़ियों के साथ खेलने के लिए मजबूर होना पड़ा।

मैच के 60वें मिनट में मेक्सिको के गोलकीपर राउल रेंजेल ने पेनल्टी बॉक्स में एंथनी गॉर्डन को गिरा दिया, जिसके बाद इंग्लैंड को पेनल्टी दी गई। इस पेनल्टी का पूरा फायदा उठाते हुए हैरी केन ने इस विश्व कप में अपना छठा गोल किया और टीम की बढ़त को 3-1 कर दिया।

फीफा वर्ल्ड कपः इंग्लैंड की जीत के जश्न में हादसा, हेंडरसन अस्पताल पहुंचे

मेक्सिको सिटी (ए.)। फीफा वर्ल्ड कप 2026 के राउंड ऑफ 16 में मेक्सिको पर 3-2 की रोमांचक जीत के बाद इंग्लैंड को बड़ा झटका लगा है। टीम के अनुभवी मिडफील्डर जॉर्डन हेंडरसन जीत का जश्न मनाने के दौरान चोटिल हो गए हैं। इंग्लैंड के हेड कोच थॉमस ट्यूशेल ने बताया कि हेंडरसन की कलाई में गंभीर चोट लगी है और उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

हेंडरसन इस मुकाबले में मैदान पर नहीं उतरे थे, लेकिन मैच खत्म होने के बाद टीम के साथ जीत का जश्न मना रहे थे। इसी दौरान वह विज्ञापन बोर्ड से नीचे गिर गए और उनकी कलाई में चोट लग गई। चोट लगने के बाद मेडिकल टीम तुरंत मैदान पर पहुंची और उन्हें स्ट्रेचर पर बाहर ले जाया गया।मैच के बाद ट्यूशेल ने बताया, जॉर्डन गिर गए और उनकी कलाई में काफी गंभीर चोट लगी है। डॉक्टरों ने बताया है कि उन्हें अस्पताल ले जाया गया है। यह हमारे लिए दुखद खबर है, क्योंकि जीत की खुशी के बीच उनका घायल होना अच्छा नहीं लगा। इंग्लैंड ने यह मुकाबला बेहद मुश्किल परिस्थितियों में जीता। मैच के 54वें मिनट में डिफेंडर जेरेल क्वांसाह को रेड कार्ड मिलने के बाद टीम को बाकी मुकाबला 10 खिलाड़ियों के साथ खेलना पड़ा। इसके बावजूद खिलाड़ियों ने शानदार जज्बा दिखाया और मेक्सिको की वापसी की कोशिशों को नाकाम करते हुए 3-2 से जीत दर्ज की।

ट्यूशेल ने अपनी टीम की तारीफ करते हुए कहा कि खिलाड़ियों ने मुश्किल समय में भी हार नहीं मानी। उन्होंने कहा, हमें हर चीज की जरूरत थी। यह बहुत मुश्किल था। जिन पलों में हमें लगा कि हम लय पकड़ सकते हैं, हमें झटके लगे। यही सही सोच है। यह टीम सच में बहुत अच्छी है। जब मुश्किलें आती हैं, तो वे कभी हार नहीं मानते, वे कभी विश्वास नहीं खोते।उन्होंने आगे कहा कि एन्टेका स्टेडियम में मेक्सिको के खिलाफ खेलना हमेशा चुनौतीपूर्ण होता है। उन्होंने कहा, यह एक यादगार मैच था। खिलाड़ियों ने अपना पूरा दम लगाया। इस टीम में दिल है, हौसला है और अंत तक लड़ने का जज्बा है। अब इंग्लैंड का सामना क्वार्टर फाइनल में नॉर्वे से 12 जुलाई को होगा। इंग्लैंड और नॉर्वे के बीच अब तक 12 मुकाबले खेले जा चुके हैं। दोनों देशों के बीच पहले चार मैच 1937, 1938, 1949 और 1966 में फ्रेंडली थे, और इंग्लैंड ने उन सभी को 20-2 के कुल स्कोर से जीता था।

विंबलडन में जैनिक सिनर का दमदार प्रदर्शन, क्वार्टर फाइनल में बनाई जगह

लंदन (आरएनएस)। दुनिया के नंबर-1 टेनिस खिलाड़ी जैनिक सिनर ने विंबलडन 2026 में शानदार प्रदर्शन करते हुए जापान के क्वालिफायर शिंटारो मोचिजुकी को सीधे सेटों में 6-3, 7-6(0), 6-3 से हराकर क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली है। यह लगातार पांचवां मौका है जब सिनर ने विंबलडन के अंतिम आठ का टिकट हासिल किया है।

इस जीत के साथ सिनर ओपन एरा में ग्रास कोर्ट मेजर के पांचवें क्वार्टर फाइनल में पहुंचने वाले सिर्फ 11वें खिलाड़ी हैं। वह इस उपलब्धि को हासिल करने वाले सक्रिय खिलाड़ियों में केवल सात बार के चैंपियन नोवाक जोकोविच के बाद दूसरे खिलाड़ी हैं।

मैच की शुरुआत में जापान के शिंटारो मोचिजुकी ने शानदार खेल दिखाया और कुछ मौकों पर सिनर को दबाव में भी डाला। उन्होंने पहले ब्रेक प्वाइंट हासिल किया, लेकिन सिनर ने तुरंत वापसी कर ब्रेक बचा लिया। हालांकि, सिनर ने जल्द ही मोचिजुकी की सर्विस तोड़कर पहले सेट को 6-3 से अपने नाम कर लिया।

दूसरे सेट में मुकाबला काफी रोमांचक रहा। मोचिजुकी ने अपनी सर्विस पर बेहतर नियंत्रण दिखाया और शुरुआती गेम में कोई पॉइंट नहीं गंवाया। उन्होंने लंबे रैलियों में भी सिनर को चुनौती दी। सात-ड्यूस तक गेम पहुंचा और सिनर को ब्रेक के मौके भी मिले, लेकिन वह उन्हें भुना नहीं सके। 4-4 की स्थिति तक मोचिजुकी ने मैच को बराबरी पर बनाए रखा और सिनर को कड़ी टक्कर दी।

सभी एसडीएम मूंग उपार्जन केंद्रों का सतत निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायज़ा ले : कलेक्टर सोमेश मिश्रा

जिले में क्षतिग्रस्त सड़कों की मरम्मतीकरण का कार्य शीघ्र पूरा किया जाए संभावित बाढ़ की स्थिति पर आपदा प्रबंधन दल सतत निगरानी रखें

नर्मदापुरम(ए.)। कलेक्टर सोमेश मिश्रा ने सोमवार को आयोजित समय अवधि पत्रों की समीक्षा बैठक में सभी विभागीय अधिकारियों को मुख्यमंत्री हेल्पलाइन के लंबित प्रकरणों का त्वरित, गुणवत्तापूर्ण एवं संतोषजनक निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी, पारदर्शी एवं समयबद्ध क्रियान्वयन पर विशेष रूप से फोकस करने के निर्देश देते हुए कहा कि अधिकारी जिम्मेदारीपूर्वक कार्य करें। बैठक में कलेक्टर श्री मिश्रा ने सभी अनुविभागीय अधिकारियों (एसडीएम) एवं तहसीलदारों को मूंग उपार्जन केंद्रों का नियमित निरीक्षण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अधिकारी स्वयं उपार्जन केंद्रों पर पहुंचकर किसानों से संवाद करें, उनकी समस्याओं को समझें तथा उनका मौके पर ही निराकरण सुनिश्चित करें। टी.एल. बैठक के दौरान कलेक्टर ने निर्देशित किया कि सभी मूंग उपार्जन केंद्रों पर किसानों के लिए आवश्यक मूलभूत सुविधाओं के साथ तौल कांटा, सर्वेयर, बारदाने (बोरे) एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थाएं अनिवार्य रूप से उपलब्ध रहें, ताकि किसानों को उपार्जन प्रक्रिया के दौरान किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। उन्होंने जिले के सभी पात्र किसानों का फसल बीमा सुनिश्चित कराने के निर्देश देते हुए अधिकारियों को बीमा कंपनियों के साथ बेहतर समन्वय स्थापित करने को कहा। कलेक्टर ने स्पष्ट निर्देश दिए कि फसल क्षति की स्थिति में किसी भी किसान का बीमा दावा तकनीकी अथवा अन्य कारणों से निरस्त न हो तथा सभी पात्र किसानों को समय पर बीमा लाभ प्राप्त हो।

बैठक में जिले की क्षतिग्रस्त सड़कों की स्थिति की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने लोक निर्माण विभाग एवं मध्यप्रदेश सड़क विकास निगम के अधिकारियों को गड्ढों की तत्काल मरम्मत एवं सड़क सुधार कार्य शीघ्र प्रारंभ करने के निर्देश दिए।

उन्होंने सड़कों पर घूम रहे आवारा पशुओं को पकड़कर कांजी हाउस अथवा संबंधित गौशालाओं में भेजने तथा पशुपालकों द्वारा पशुओं को खुला छोड़ने की स्थिति में नियमानुसार जुर्माने की सख्त कार्रवाई करने के निर्देश भी सभी एसडीएम को दिए।मानसून के दौरान संभावित बाढ़ की स्थिति को देखते हुए कलेक्टर ने सभी संबंधित विभागों को सतर्क एवं सक्रिय रहने के निर्देश दिए। उन्होंने निचले क्षेत्रों की निरंतर निगरानी, आवश्यक सुरक्षा प्रबंध सुनिश्चित करने तथा आपदा प्रबंधन दल द्वारा मॉक ड्रिल आयोजित कर आपातकालीन परिस्थितियों में त्वरित प्रतिक्रिया क्षमता का परीक्षण करने के निर्देश दिए।

वैदिक मंत्रोच्चार के साथ मां नर्मदा के तट पर मनाया वन महोत्सव

सांसदों के साथ कलेक्टर एसपी और डीएफओ रहे मौजूद
लासंस पदाधिकिारियों समाजसेवियों ने मिलकर किया पौधारोपण

नर्मदापुरम (निप्र)। वन महोत्सव के तहत जनप्रतिनिधि, प्रशासनिक अधिकिारियों, लायंस क्लब के पदाधिकारियों, सामाजिक नागरिकों ने मिलकर लायंस क्लब के तत्वावधान में मां नर्मदा के पावन तट पर विद्वान पंडितो के द्वारा वैदिक मंत्रोच्चार के साथ पौधारोपण किया। इस मौके पर डांगी घाट, चोरे घाट के मध्य लगभग 500 पौधों का रोपण किया गया। इस मौके पर कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सांसद दर्शन सिंह चौधरी,राज्य सभा सांसद श्रीमती माया नारोलिया, कलेक्टर सोमेश मिश्रा, एसपी, डीआईजी, वनमंडल अधिकारी व वन विभाग का समस्त स्टॉप क कर्मचारी अधिकारी मौजूद रहे। साथ ही विशिष्ट नागरिक नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती नीतू यादव, रोहित गौर, हंस, लक्ष्मण सिंह बेस, डीएस दांगी, एडिशनल कैबिनेट सेक्रेटरी सुभाष बरेले, लायंस मुन्ना लाल जैन, जेपी मालवीय हरि सिंह चौहान चंद्रशेखर शर्मा योगाचार्य राकेश चौहान रामकुमार चौधरी भारत विकास परिषद, लल्लन पटेल पप्पू भदोरिया भारत भदोरिया राम मोहन यादव अखिलेश गुप्ता अमित नामदेव वैदिक मित्रों की पूजा से पूजा कराई गई विद्वान आचार्य अजय दुबे उनकी टीम के द्वारा मंत्र पढ़ते हुए पौधारोपण कराया गया।

अधिवक्ता संघ के चुनाव में महिला अधिवक्ता प्रत्याशी भी सक्रियता से कर रही प्रचार

महिला अधिवक्ताओं के लिए तीन पद हैं आरक्षित

नर्मदापुरम (निप्र)। जिला अधिवक्ता संघ के द्विवार्षिक चुनाव के लिए जिला न्यायालय में शालीनता के साथ अधिवक्ताओं में चुनावी सरगर्मी बनी हुई है। अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, सचिव, कोषाध्यक्ष, सहसचिव , कार्यकारिणी के लिए कुल 22 उम्मीदवार मैदान में हैं। चुनाव 15 जुलाई को होना है। इस चुनाव में कोषाध्यक्ष व कार्यकारिणी के दो पद महिला अधिवक्ताओं के लिए आरक्षित हैं। चुनाव में छह महिला अधिवक्ता चुनाव मैदान में है। जिनमें कोषाध्यक्ष पद पर तीन श्रीमती गुरप्रीत सिंह कौर, कुमारी प्रमिला शर्मा सुश्री शमशाद खान के बीच चुनाव होना है। कार्यकारिणी के पद दो पद हेतु श्रीमती नीता चौधरी, श्रीमती दीप्ति राठौर, व सलोनी अग्रवाल मैदान में हैं।

अधिवक्ता संघ चुनावः एक मंचीय कार्यक्रम 8 जुलाई को

नर्मदापुरम (निप्र)। जिला अधिवक्ता संघ के द्विवार्षिक चुनाव के लिए अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, सचिव, कोषाध्यक्ष, सहसचिव , कार्यकारिणी के लिए 22 उम्मीदवार मैदान में हैं। चुनाव 15 जुलाई को होना है। अधिकांश अधिवक्ताओं के द्वारा इच्छा जाहिर करने पर वरिष्ठ अधिवक्ताओं एवं जिला अधिवक्ता संघ के मुख्य निर्वाचन अधिकारी एसएस पटेल व सहायक अधिकारी राजेश अग्रवाल ने एक मंचीय कार्यक्रम के लिए अपनी सहमति दे दी है। यह एक मंचीय कार्यक्रम 8 जुलाई को दोपहर दो बजे से होगा। जिसमें प्रत्याशियों को एक निश्चित अवधि में अपनी बात रखनी होगी। इसके लिए नियम भी मुर्ख्य चुनाव अधिकारी द्वारा कार्यक्रम शुरू होने से पूर्व अवगत कराया जाएगा। श्री पटेल ने कहा कि जिन प्रत्याशियों को अपनी बात रखना है वह एक मंचीय कार्यक्रम शुरू होने से पूर्व सहायक निर्वाचन अधिकारी के पास अपना नाम लिखवा सकते हैं। जिनके नाम पहले आएंगे उन्हें ही समय दिया जाएगा। 7 जुलाई को भी अपना नाम लिखवा सकते हैं।

अनुकंपा नियुक्ति के लंबित प्रकरणों का शीघ्र निराकरण करें : कलेक्टर सोमेश मिश्रा

दस्तावेजों की चेकलिस्ट तैयार कर प्रक्रिया को बनाया जाए सरल, पात्र आवेदकों को जल्द मिले नियुक्ति

नर्मदापुरम (निप्र)। कलेक्टर सोमेश मिश्रा ने सोमवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित समीक्षा बैठक में अनुकंपा नियुक्ति के लंबित प्रकरणों की विस्तृत समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को सभी प्रकरणों का शीघ्र निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सेवा के दौरान असमय निधन होने वाले शासकीय सेवकों के आश्रितों को समय पर अनुकंपा नियुक्ति उपलब्ध कराना प्रशासन की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है और इसमें किसी भी प्रकार की अनावश्यक देरी नहीं होनी चाहिए। बैठक में जानकारी दी गई कि जिले में वर्तमान में दस्तावेजों की कमी के कारण अनुकंपा नियुक्ति के 56 प्रकरण लंबित हैं।

इस पर कलेक्टर श्री मिश्रा ने संबंधित विभागों को निर्देशित किया कि लंबित मामलों में आवश्यक दस्तावेजों की पूर्ति शीघ्र कराते हुए पात्र आवेदकों को जल्द से जल्द नियुक्ति प्रदान करने की कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। कलेक्टर श्री मिश्रा ने अनुकंपा नियुक्ति की प्रक्रिया को अधिक सरल, पारदर्शी एवं सुगम बनाने के लिए आवश्यक दस्तावेजों की चेकलिस्ट तैयार करने के निर्देश भी दिए। उन्होंने कहा कि स्पष्ट चेकलिस्ट उपलब्ध होने से आवेदकों को आवश्यक दस्तावेजों की जानकारी पहले से मिल सकेगी तथा कागजी औपचारिकताओं के कारण होने वाली अनावश्यक देरी से बचा जा सकेगा। उन्होंने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रत्येक लंबित प्रकरण की नियमित समीक्षा करते हुए कमियों का त्वरित निराकरण करें और पात्र आवेदकों को शीघ्र नियुक्ति पत्र उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें। कलेक्टर ने कहा कि संवेदनशीलता एवं प्राथमिकता के साथ कार्य करते हुए अनुकंपा नियुक्ति के प्रकरणों का समयबद्ध निराकरण किया जाए, ताकि प्रभावित परिवारों को शीघ्र राहत मिल सके।

इटारसी में मजदूरों से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली पुलिया से नीचे गिरी, 10 घायल, 3 महिलाओं की हालत नाजुक

नर्मदापुरम, (निप्र.) । मध्य प्रदेश के नर्मदापुरम जिले के इटारसी के जमानी-तीखड़ मार्ग पर सोमवार सुबह एक भीषण सड़क हादसा सामने आया है। जहां मजदूरों से भरी एक ट्रैक्टर-ट्रॉली अनियंत्रित होकर खर्रा नदी की पुलिया से नीचे जा गिरी। दुर्घटना में करीब 10 मजदूर घायल हुए हैं, जिनमें से तीन महिलाओं और एक 10 वर्षीय मासूम बच्चे की हालत बेहद गंभीर बनी हुई है।जानकारी के अनुसार, ट्रैक्टर-ट्रॉली में करीब 25 से 30 मजदूर सवार थे, जो माना गांव से अशोक चौधरी नामक किसान के खेत में मक्का की बुआई (लगाने) के लिए जा रहे थे। ट्रैक्टर को अशोक चौधरी के दामाद लवी चला रहे थे। प्रत्यक्षदर्शियों और चश्मदीदों ने बताया कि जैसे ही ट्रैक्टर-ट्रॉली खर्रा नदी के पुल पर पहुंची, अचानक चलते ट्रैक्टर का अगला लिफ्ट/हिस्सा खुल गया। इस तकनीकी खराबी के कारण ट्रैक्टर का आगे का हिस्सा हवा में उठ गया, जिससे चालक लवी का वाहन पर से नियंत्रण पूरी तरह खो गया और ट्रैक्टर-ट्रॉली अनियंत्रित होकर सीधे पुलिया से नीचे गिर गई।

पुलिया से ट्रैक्टर-ट्रॉली गिरते ही मौके पर चीख-पुकार मच गई और अफरा-तफरी का माहौल बन गया। वहां से गुजर रहे राहगीरों और स्थानीय ग्रामीणों ने तत्परता दिखाते हुए तुरंत रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया। लोगों ने कड़ी मशक्कत के बाद मलबे और ट्रॉली के नीचे दबे घायलों को बाहर निकाला और निजी वाहनों व एम्बुलेंस की मदद से इटारसी के शासकीय अस्पताल पहुंचाया।

घायलों में तीन महिला मजदूरों की स्थिति बेहद नाजुक बनी हुई है। हादसे में घायल हुए लोगों में छोटेलाल कमलेश (10 वर्ष) के सिर और कान के पास बेहद गंभीर और अंदरूनी चोटें आई हैं। मीटिया भाई के बायां हाथ बुरी तरह फ्रैक्चर हो गया है। कालीबाई के माथे पर गहरी चोट आई है, जिसके चलते डॉक्टरों को दो टांके लगाने पड़े। मंगाबाई के सिर और पैर में गंभीर चोटें हैं। सुनीताबाई और रूबी के कमर में गंभीर चोट आई है। शीलाबाई के पैर और छाती में अंदरूनी चोट के कारण दर्द की शिकायत है। दीपा के पैर में गंभीर चोट लगी है। हादसे की सूचना पर इटारसी शासकीय अस्पताल की अधीक्षक तुरंत इमरजेंसी वार्ड पहुंचीं और डॉक्टरों की टीम को घायलों के त्वरित व बेहतर इलाज के निर्देश दिए।

तवा पुल की मरम्मत के चलते 16 जुलाई तक भारी वाहनों का आवागमन प्रतिबंधित

नर्मदापुरम (निप्र)। डिप्टी कलेक्टर एवं कार्यपालिक दण्डाधिकारी डॉ. बबीता राठौर ने तवा पुल की मरम्मत और क्षतिग्रस्त बेयरिंग बदलने के कार्य हेतु 16 जुलाई 2026 तक भारी वाहनों का आवागमन पूरी तरह प्रतिबंधित किया है।उप पुलिस अधीक्षक यातायात और सड़क विकास निगम के संयुक्त निरीक्षण के बाद निम्न वैकल्पिक मार्ग तय किए गए हैं -1. पिपरिया/जबलपुर से भोपाल/इंदौर जाने वाले भारी वाहन पिपरिया - सांडिया - बरेली होते हुए भोपाल/इंदौर की ओर डायवर्ट किया गया है।

2. सोहागपुर/माखनगर से भोपाल/इंदौर जाने वाले भारी वाहन माखनगर- आरी - सांगाखेड़ा - बांद्राभान- नर्मदापुरम की ओर डायवर्ट किया गया है। 3. माखनगर से इटारसी/बैतूल जाने वाले भारी वाहन माखनगर - आरी - सांगाखेड़ा-बांद्राभान - इटारसीबैतूल की ओर डायवर्ट किया गया है।

सिवनी नाका ग्वालटोली अब कहलाएगा डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी तिराहा

नर्मदापुरम (निप्र)। भारतीय जनता पार्टी नर्मदापुर मंडल शक्ति केंद्र क्रमांक 9 वार्ड 31 में डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की 125वीं जयंती के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में कार्यकर्ताओं ने सिवनी नाका ग्वालटोली तिराहे का नामकरण डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के नाम पर किए जाने का प्रस्ताव रखा। नगरमंत्री कमल राव चव्हाण ने बताया कि कार्यक्रम में उपस्थित स्थानीय पार्षद नरेंद्र पटेल ने कार्यकर्ताओं की भावना का सम्मान करते हुए प्रस्ताव को स्वीकार किया तथा आश्वासन दिया कि आगामी नगर पालिका परिषद की बैठक में यह प्रस्ताव प्रस्तुत कर नामकरण की प्रक्रिया पूर्ण कराई जाएगी।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रदेश कार्यसमिति सदस्य डॉ. अखिलेश खंडेलवाल ने अपने उद्बोधन में कहा कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी का राष्ट्र निर्माण में योगदान अविस्मरणीय है। उन्होंने एकात्म भारत की संकल्पना को साकार करने के लिए अपना सर्वस्व समर्पित किया। उनके विचार और आदर्श आज भी देश के युवाओं एवं कार्यकर्ताओं को राष्ट्रसेवा के लिए प्रेरित करते हैं।

कार्यक्रम में पार्षद नरेंद्र पटेल,कमल राव चव्हाण,संजीव मालवीय,मुन्नालाल राय,मनोज यादव, देवू यादव,नितिन यादव,गोरेलाल पाल,पप्पू वर्मा,दीपक यादव,संदीप राय ,कंचन यादव सहित बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता एवं स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे। सभी ने डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी तथा उनके आदर्शों पर चलने का संकल्प लिया। संचालन मनोज यादव और आभार नरेंद्र पटेल ने किया।

नर्मदापुरम में अवैध शराब के खिलाफ बड़ी कार्रवाई, आरोपी का वाहन जब्त, 87 बल्क लीटर शराब बरामद

नर्मदापुरम (निप्र)। कलेक्टर सोमेश मिश्रा के निर्देश पर जिले में अवैध शराब के निर्माण, विक्रय, परिवहन एवं संग्रहण के विरुद्ध सख्त कार्रवाई जिला आबकारी अधिकारी डॉ. राजीव प्रसाद द्विवेदी के मार्गदर्शन में लगातार जारी है। इसी क्रम में रविवार को ग्राम बांद्राभान में हाईवे पर नाकाबंदी के दौरान एक वाहन जप्त कर तलाशी लेने पर 09 पेटियों में भरी कुल 87 बल्क लीटर देसी मदिरा और बीयर बरामद की गई। जप्त की गई शराब और वाहन की अनुमानित कीमत लगभग 3,36,200 रुपये आंकी गई है।

कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी सोमेश मिश्रा जिले की विभिन्न तहसीलों में तहसीलदार एवं नायब तहसीलदारों का किया कार्य विभाजन

नर्मदापुरम, (निप्र.) । जिले में प्रशासनिक एवं कानून व्यवस्था को और अधिक प्रभावी एवं सुचारु बनाए रखने के उद्देश्य से कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी सोमेश मिश्रा द्वारा जिले की विभिन्न तहसीलों में तहसीलदार, प्रभारी तहसीलदार, नायब तहसीलदार एवं प्रभारी नायब तहसीलदारों के नवीन दायित्व निर्धारित किए जाने के आदेश जारी किए गए हैं। साथ ही संबंधित नायब तहसीलदारों एवं प्रभारी नायब तहसीलदारों को उनके निर्धारित थाना क्षेत्रों के लिए कार्यपालिक मजिस्ट्रेट की शक्तियां भी प्रदान की गई हैं। जारी आदेश के अनुसार नर्मदापुरम नगर में सुनील शर्मा को तहसीलदार का दायित्व सौंपा गया है। वहीं श्रीमती सुरेखा यादव, मिट्ठूलाल पवार एवं हंस कुमार ओनकर को नायब तहसीलदार नियुक्त किया गया है। नर्मदापुरम ग्रामीण तहसील में अंकित मौर्य को तहसीलदार तथा दिव्यांशु नामदेव को नायब तहसीलदार का दायित्व दिया गया है। माखननगर तहसील में श्रीमती सुनीता साहनी को तहसीलदार तथा सुनील गढ़वाल एवं श्रीमती श्रद्धा गोस्वामी को नायब तहसीलदार नियुक्त किया गया है। डोलरिया तहसील में श्रीमती रुचि गोयल को तहसीलदार एवं रविंद्र सोमनकर को नायब तहसीलदार का दायित्व सौंपा गया है। इटारसी तहसील में रामकिशोर झरबड़े को तहसीलदार तथा सुश्री स्वीटी चौहान एवं कृष्णकांत उइके को नायब तहसीलदार नियुक्त किया गया है। पिपरिया तहसील में वैभव बैरागी को तहसीलदार तथा पूनम सिंह सलामे एवं नीरज बैस को नायब तहसीलदार के दायित्व सौंपे गए हैं। बनखेड़ी तहसील में श्रीमती अंजू लोधी को तहसीलदार तथा मनोज कुमार नामदेव एवं शैलेश श्रीवास्तव को नायब तहसीलदार नियुक्त किया गया है। इसी प्रकार सोहागपुर तहसील में श्री शक्ति श्री तोमर को तहसीलदार एवं रामसिपाही मरावी को नायब तहसीलदार, सिवनीमालवा तहसील में नितिन कुमार झोड़ को तहसीलदार तथा श्रीमती कीर्ति प्रधान एवं आलोक भद्र को नायब तहसीलदार का दायित्व सौंपा गया है। शिवपुर तहसील के लिए हीरू कुमरे को तहसीलदार तथा सहायक अधीक्षक भू-अभिलेख के दायित्व श्रीमती सरिता मालवीय को प्रदान किया गए है। कलेक्टर सोमेश मिश्रा द्वारा जारी आदेश के अनुसार संबंधित नायब तहसीलदारों को उनके कार्यक्षेत्र के अंतर्गत चिन्हित थाना क्षेत्रों के लिए कार्यपालिक मजिस्ट्रेट की शक्तियां प्रदान की गई हैं।

भारतीय एवं राज्य प्रशासनिक सेवा के अधिकारियों का कलेक्टर ने किया कार्य विभाजन

नर्मदापुरम, (निप्र.) । जिले में प्रशासनिक कार्यों के प्रभावी, सुचारु एवं त्वरित संचालन को दृष्टिगत रखते हुए कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी सोमेश मिश्रा द्वारा भारतीय प्रशासनिक सेवा एवं राज्य प्रशासनिक सेवा के अधिकारियों के मध्य विभिन्न विभागों एवं शाखाओं के कार्यों का विभाजन करते हुए नवीन दायित्व सौंपे जाने संबंधी आदेश जारी किए गए हैं। जारी आदेश के अनुसार अपर कलेक्टर राजेश शुक्ला को अतिरिक्त जिला दण्डाधिकारी (एडीएम) नर्मदापुरम का दायित्व सौंपा गया है। इसके साथ ही उन्हें दाण्डिक कार्य, राजस्व न्यायालयीन कार्य, विभिन्न शाखाओं के वित्तीय अधिकार, उप जिला निर्वाचन अधिकारी (सामान्य निर्वाचन एवं राज्य निर्वाचन), वाहन अधिग्रहण, शस्त्र शाखा, खाद्य विभाग, जिला आपदा प्रबंधन सहित अन्य महत्वपूर्ण शाखाओं के कार्यों का दायित्व सौंपा गया है।

//जाहिर सूचना //

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि श्री राम बन्छोडिया आत्मज फूल चंद PHOOL CHAND उम्र 64 वर्ष निवासी शांतिनगर दुर्गा खेड़ापति मंदिर के पीछे नर्मदापुरम तहसील व जिला नर्मदापुरम आधार नंबर 4173 8726 1655 ने शपथ पत्र के माध्यम से अवगत कराया है कि वह उपरोक्त पते पर निवास करते हैं। उन्होंने शपथ पत्र में लिखा है कि मैं भूतपूर्व सैनिक हूं मेरा नाम मेरे पीपीओ में SRI RAM BANCHHORIYA है तथा डाकूमेंट व पेंशन डिस्चार्ज बुक में SHRI RAM BANCHHORIA जो कि गलत नाम दर्ज हो गया है। जबकि मेरा सही व वास्तविक नाम आधार कार्ड मार्कशीट के अनुसार श्रीराम बन्छोड़िया -है जो मैं दर्ज कराना चाहता हूं। मेरा सही नाम श्रीराम बन्छोड़िया SHRIRAM BANCHHODIYA ही पढ़ा एवं जाना जाए।

श्रीराम बन्छोड़िया SHRIRAM BANCHHODIYA
शांतिनगर दुर्गा खेड़ापति मंदिर के पीछे
नर्मदापुरम तहसील व जिला नर्मदापुरम

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, मुद्रक, प्रकाशक एव ब्यूरों प्रमुख श्री कृष्णकांत सक्सेना की ओर से आलोक प्रेस,तलैया भोपाल एव श्री बालाजी प्रिंटर्स, प्लाट नं. 21, सेक्टर-एच, इंडस्ट्रियल एरिया, गोविंदपुरा भोपाल से मुद्रित तथा ''शिवरानी भवन'', क्षितिज किरण स्ट्रीट, कोठी बाजार, नर्मदापुरम (होशंगाबाद) से प्रकाशित।
स्थानीय ब्यूरों प्रमुख श्री बलराम शर्मा सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा। मो. 9425025999 (नर्मदापुरम मो. 9926434695) ई-मेल - dainikkshitijkiran@gmail.com, वेबसाइट- www.kshitijkiran.com